दैनिक

नवप्रदेश

प्रदेश के साथ पूरा देश...

6 | अभिव्यक्ति 2 | राजधानी 7 | आंचलिक 12 | देश-विदेश

रांची, सोमवार, 20 अक्टूबर, 2025, कार्तिक कृष्ण पक्ष अमवश्या, विक्रम संवत-2082 वर्ष-10 अंक-181 पृष्ठ-12, मूल्य - 3 रुपये रांची, रायपुर, बिलासपुर, भोपाल व जबलपुर से एक साथ प्रकाशित www.navpradesh.com

सूर्योदय/सूर्यास्त

उदय : 05:47 प्रात:

अस्त : 05:22 संध्या

प्रदेश का तापमान

स्थान	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	29.0	20.0
जमशेदपुर	32.0	22.0
हजारीबाग	28.0	18.0
डालटनगंज	32.0	22.0

//-- सुविचार --//

आज आप जो दर्द महसूस करते हैं, वही कल आपकी ताकत बन जाएगा।

आवश्यक सूचना

सभी पाठकों और हॉकरों को नवप्रदेश की ओर से दिपावली की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई। सूचित किया जाता है दिपावली के शुभ अवसर पर नवप्रदेश कार्यालय में 20.10.2025 को अवकाश रहेगा। अतः आपकों अगला अंक 22.10.2025 को पुनः प्राप्त होगा।

शुभ दिवाली आज

दिवाली का त्योहार कार्तिक कृष्ण पक्ष की अमावस्या के दिन मनाया जाता है। इस दिन मुख्य रूप से माता लक्ष्मी, भगवान गणेश, सरस्वती माता और मां काली की पूजा होती है। दिवाली पर लक्ष्मी पूजन के लिए प्रदोष काल का समय सर्वोत्तम माना जाता है जो सूर्यास्त के बाद का समय होता है। तो वहीं माता काली की पूजा के लिए महानिशीथ काल समय शुभ होता है। हालांकि यह मुहूर्त तांत्रिक, पंडित और साधकों के लिए उपयुक्त होता है। दिवाली की रात में लोग अपने घरों को दीपक की रोशनी से सजाते हैं और एक-दूसरे को मिठाई देते हैं। यहां आप जानेंगे दिवाली पूजन मुहूर्त, विधि, मंत्र, कथा, आरती समेत सारी जानकारी। दिवाली का त्योहार 20 अक्टूबर 2025 को मनाया जाएगा, 21 को नहीं, क्योंकि इस दिन प्रदोष काल के समय अमावस्या तिथि मिल रही है। बता दें दिवाली पूजन अमावस्या के दिन प्रदोष काल में करना उत्तम माना जाता है।

शुभ दिवाली 2025 लक्ष्मी पूजन मुहूर्त

20 अक्टूबर 2025 की शाम 07:08 से रात 08:18 बजे तक रहेगा। तो वहीं प्रदोष काल शाम 05:46 से रात 08:18 तक और वृषभ काल शाम 07:08 से रात 09:03 तक रहेगा। वहीं लक्ष्मी पूजन के लिए रात्रि का समय रात11:41 से देर रात 12:31 बजे तक रहेगा।

दीवाली लक्ष्मी पूजा के लिये शुभ चौघड़िया मुहूर्त 2025

अपराह्न मुहूर्त (चर, लाभ, अमृत) - 03:44 PM से 05:46 PM

सायाह्न मुहूर्त (चर) - 05:46 PM से 07:21 PM

रात्रि मुहूर्त (लाभ) - 10:31 PM से 12:06 AM, अक्टूबर 21

उषाकाल मुहूर्त (शुभ, अमृत, चर) - 01:41 AM से 06:26 AM, अक्टूबर 21

रेस्टोरेंट में फायरिंग, संचालक की हत्या

नवप्रदेश, रांची: रांची के कांके रोड स्थित प्रसिद्ध चौपाटी रेस्टोरेंट के संचालक विजय की गोली मारकर हत्या करने का मामला रविवार को प्रकाश में आया है। शनिवार की देर रात कुछ अपराधियों ने इस घटना को अंजाम दिया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि गोली चलने की आवाज सुनकर जब वे लोग रेस्टोरेंट की तरफ दौड़े तो कुछ युवक बाहर निकल रहे थे, जबकि विजय जमीन पर गिरे हुए थे। आनन-फानन में उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी।

दीपों की रोशनी से जगमग हुई अयोध्या

अयोध्या: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दीपोत्सव के अवसर पर रविवार को अयोध्या पहुंचे और रामलला का दर्शन किया। उन्होंने और राम मंदिर में पहला दीप प्रज्ज्वलित कर ऐतिहासिक दीपोत्सव का शुभारम्भ किया। दीपोत्सव पर 26 लाख से अधिक दीपों के माध्यम से सम्पूर्ण रामनगरी जगमग हो उठी। सरयू तट पर हजारों पूज्य संतों और लाखों भक्तों की उपस्थिति भक्ति और दिव्यता का अनुपम उल्लास, मानो स्वर्ग धरती पर उतर आया हो ऐसा अहसास करा रहा था। श्रीरामलला मंदिर में दीपोत्सव के शुभारंभ से पहले रामकथा पार्क में मयार्दा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण के आगमन पर स्वयं मुख्यमंत्री ने उन्हें पुष्पमालाएं पहनाकर उनका स्वागत वंदन किया। प्रभु श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण के स्वरूपों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अत्यंत श्रद्धा के साथ दिव्य रथ पर विराजित किया। मानो त्रेता युग जीवंत हो उठा हो! यह स्वर्णिम, हृदयग्राही दृश्य देखते ही पूरी अयोध्या भक्ति के प्रकाश और राम नाम की ऊर्जा से सराबोर हो गई। जैसे ही रथ नगर यात्रा पर निकला, समूची अयोध्या 'जय सिया राम' के जयघोष से गूँज उठी। मंच पर पहुंचने पर श्री राम दरबार के प्रतीक स्वरूपों का तिलक लगाकर मुख्यमंत्री ने वंदन-अभिनंदन किया। दीपोत्सव के बाद राम की पैड़ी पर भव्य लेजर शो का आयोजन किया गया।

संक्षिप्त खबरें

महाराष्ट्र के नासिक में कर्मभूमि एक्सप्रेस से गिरकर दो की मौत, एक घायल

मुंबई: महाराष्ट्र के नासिक रोड स्टेशन के पास बीती रात मुंबई लोकमान्य तिलक टर्मिनस से बिहार के रक्सौल जा रही कर्मभूमि एक्सप्रेस से गिरकर दो युवकों की मौत हो गई और एक घायल हो गया । इस घटना में घायल युवक का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना की छानबीन नासिक रोड पुलिस स्टेशन की टीम कर रही है।

24 से 26 तक 4th SAAF Senior Athletics Championships, 2025 का आयोजन

रांची: दिनांक 24 से 26 अक्टूबर, 2025 तक बिरसा मुण्डा फुटबॉल स्टेडियम, मोराबादी, रांची में 4th SAAF Senior Athletics Championships, 2025 का आयोजन निर्धारित है। विषयक चैम्पियनशिप के आयोजन की तैयारियों के संबंध में जानकारी देने हेतु आज दिनांक 19.10.2025 को अपराह्न 3:00 बजे खेलकूद एवं युवाकार्य निदेशालय, झारखण्ड द्वारा बिरसा मुण्डा फुटबॉल स्टेडियम मोराबादी, रांची के सभागार कक्ष में प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर आप सभी प्रेस/मीडिया के प्रतिनिधि सादर आमंत्रित हैं।

गोड्डा में पानी टंकी ढहने से दो बच्चों की मौत, तीन घायल

नवप्रदेश, गोड्डा: गोड्डा जिले के सुंदरपहाड़ी थाना क्षेत्र के डाहुबेड़ा गांव में बनी पानी की टंकी अचानक भरभरा कर गिर गई, जिसकी चपेट में आने से दो बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि घटना में तीन अन्य बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। स्थानीय लोगों के मुताबिक,घटना के वक्त सभी बच्चे पानी टंकी के नीचे स्नान कर रहे थे, तभी अचानक टंकी का पुराना ढांचा ढह गया और भारी मात्रा में कंक्रीट और लोहे के रॉड बच्चों के ऊपर गिर पड़े। ग्रामीणों ने बच्चों को मलबे से बाहर निकाला और आनन-फानन में उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया। मृतकों में धमेन्द्र और मैसा पहाड़िया शामिल हैं। घटना में घायल हुए तीन बच्चों को गोड्डा सदर अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने इलाज शुरू किया। इनमें से एक बच्चे की हालत गंभीर है, जिसे बेहतर इलाज के लिए भागलपुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया गया है। दुर्घटना की खबर मिलते ही गोड्डा के उपायुक्त अंजली यादव और पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार भी सदर अस्पताल पहुंचे और घायलों का हाल जाना।

राजद के 'अपमान' पर जागा झामुमो का 'स्वाभिमान'

झारखंड में महसूस होगी 'धोखे की चुभन'!

नवप्रदेश संवाददाता

रांची: बिहार विधानसभा चुनाव के बीच एक बड़ा राजनीतिक झटका विपक्षी महागठबंधन (INDIA ब्लॉक) को लगा है. झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने बिहार में सीट बंटवारे में असहमति के बाद राजद से गठबंधन तोड़ दिया है और बिहार में अपनी छह सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने का ऐलान किया है. लेकिन यह फैसला सिर्फ बिहार तक सीमित नहीं रहेगा इसकी राजनीतिक गूंज झारखंड तक सुनाई देने लगी है. राज्य की सत्ता में शामिल झामुमो और राजद के रिश्तों में आई दरार अब झारखंड सरकार के भीतर भी असर डाल सकती है, क्योंकि झामुमो ने राजद के साथ रिश्तों की समीक्षा की बात कहकर राजनीतिक हलचल मचा दी है.

झारखंड मुक्ति मोर्चा के महासचिव और प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने प्रेस वार्ता में कहा कि

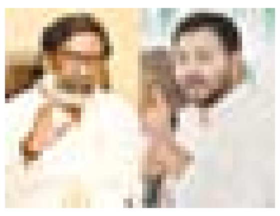

बिहार में हमारे साथ धोखा हुआ है. जब-जब झारखंड में चुनाव हुए हमने गठबंधन धर्म निभाया और राजद को सम्मान दिया, लेकिन जब हमारी बारी आई तो हमें नजरअंदाज किया गया. उन्होंने कहा कि बिहार में राजद की जिद के कारण महागठबंधन के भीतर सीट बंटवारे पर सहमति नहीं बन पाई. झामुमो बिहार की 12 सीटें मांग रहा था, लेकिन राजद महज 2-3 सीटें देने को तैयार थी.नतीजतन झामुमो ने महागठबंधन से अलग होने का ऐलान कर दिया और कहा कि वह चकाई, धमदाहा, कटोरिया, मनिहारी, जमुई और पीरपैंती सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगा. पार्टी ने संकेत दिया है कि आगे चलकर यह संख्या 10 तक बढ़ाई जा सकती है. झामुमो ने सिर्फ बिहार में गठबंधन तोड़ने की बात नहीं कही, बल्कि अब झारखंड में गठबंधन की समीक्षा करने का भी ऐलान किया है. सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा- हमने हमेशा राजद को झारखंड में सम्मानजनक स्थिति दी. 2019 में सिर्फ एक विधायक जीतने के बावजूद हमने उन्हें मंत्री पद दिया. 2024 में भी वही किया, लेकिन अब वक्त आ गया है कि हम यहां की राजनीति का पुनर्मूल्यांकन करें. झारखंड की राजनीति के जानकारों की नजर में जेएमएम का यह बयान सीधा संकेत है कि झारखंड की सरकार में भी समीकरण बदल सकते हैं, जहां झामुमो की अगुवाई में कांग्रेस और राजद सहयोगी हैं.

जानकार कहते हैं कि अगर झामुमो ने बिहार की तरह झारखंड में भी राजद से दूरी बढ़ाई तो इसका सीधा असर झारखंड मंत्रिमंडल पर पड़ सकता है.

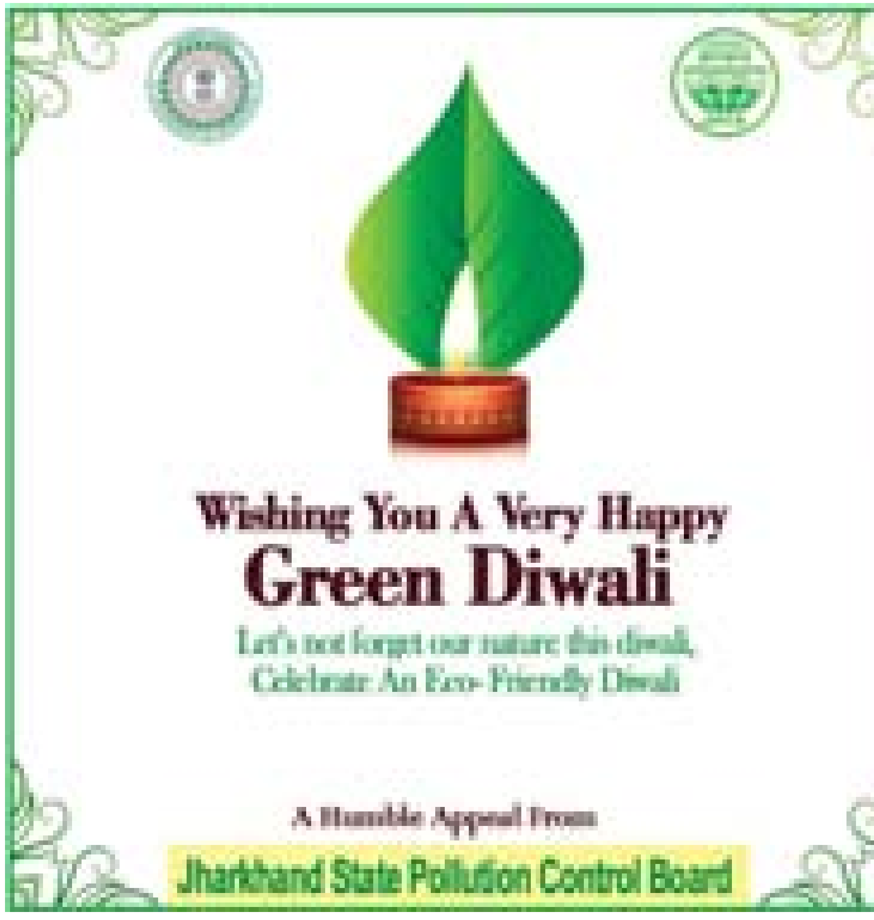

PR No. 364540(Jharkhand State Pollution Control Board) 2025-26

PR No. 364539 (IPRD) 2025-26

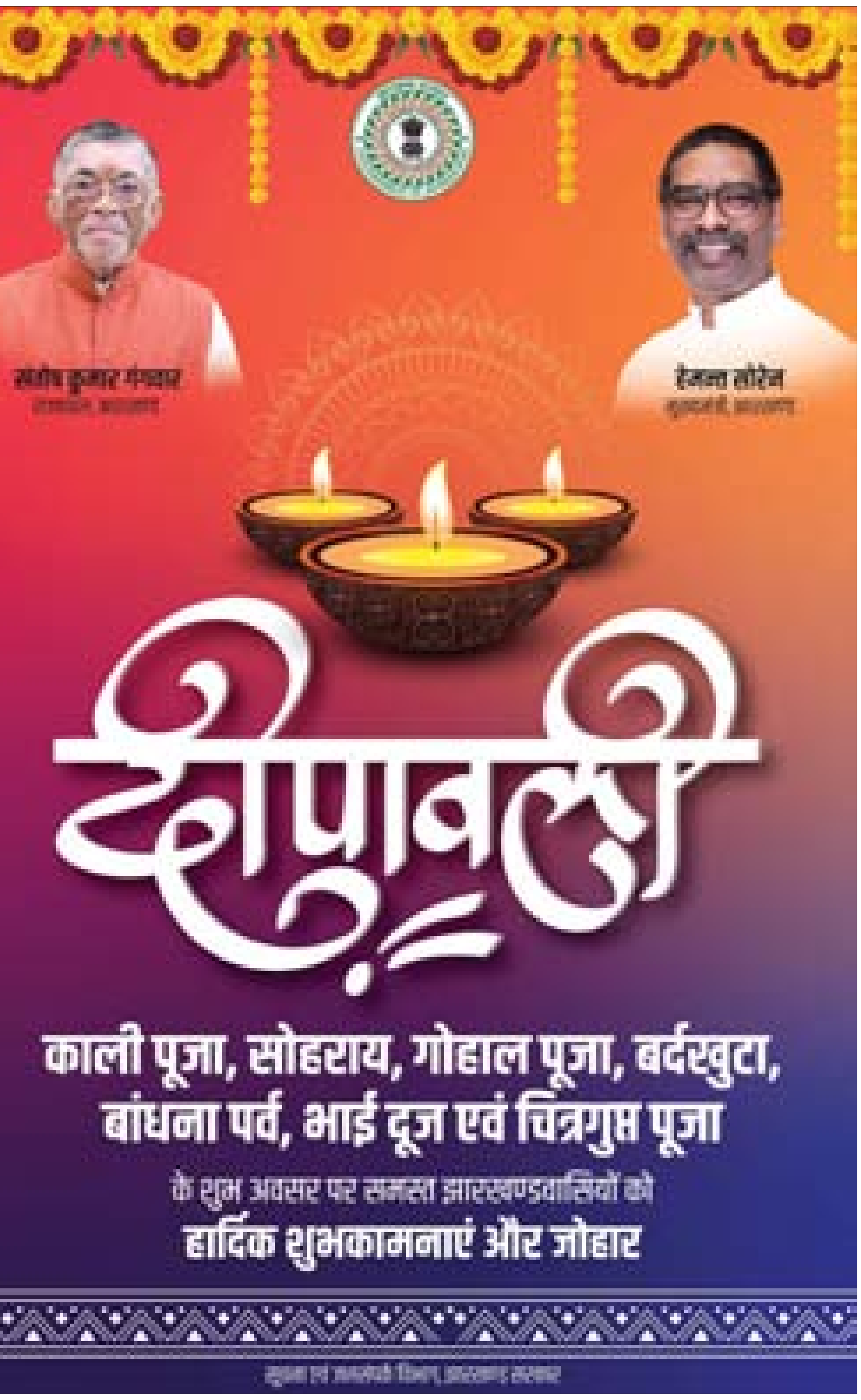

मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना' के तहत 97 करोड़ 10 लाख 15 हजार की सम्मान राशि का हुआ भुगतान

नवप्रदेश संवाददाता

रांची: दीपावली और छठ पूजा के पावन अवसर पर झारखंड सरकार की ओर से राज्य की महिलाओं को विशेष उपहार स्वरूप 'मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना' की सम्मान राशि का भुगतान किया गया है। यह भुगतान अक्टूबर माह की सम्मान राशि के रूप में किया गया है, जिससे रांची जिले की लाखों महिलाओं को त्योहारों से पूर्व आर्थिक सशक्तिकरण का लाभ प्राप्त हुआ है।

'मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना' के तहत आज रांची जिले की कुल 3 लाख 88 हजार 406 लाभुकों के बैंक खातों में आधार बेस्ड डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से 2,500 प्रति लाभुक की दर से कुल 97 करोड़ 10 लाख 15 हजार रुपये की राशि का भुगतान किया गया है।

रांची उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने रविवार को कहा है कि

'मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना' राज्य की महिलाओं के सम्मान और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। दीपावली और छठ जैसे पावन अवसर पर इस राशि का भुगतान महिलाओं के चेहरे पर मुस्कान और घरों में खुशहाली लाएगा। जिला प्रशासन यह सुनिश्चित कर रहा है कि सभी पात्र लाभुकों को समय पर और पारदर्शी तरीके से योजना का भुगतान मिले।

रांची जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं शहरी क्षेत्रों में भुगतान की स्थिति : अनगड़ा- 16,843 लाभुक, अरगोड़ा शहरी क्षेत्र- 12,417 लाभुक, बड़गाईं शहरी क्षेत्र- 9,413 लाभुक,
बेड़ो-20,797 लाभुक, बुंडू- 8,525 लाभुक
बुंडू नगर पंचायत- 3,572 लाभुक
बुढ़मू-18,073 लाभुक
चान्हो-19,894 लाभुक
हेहल शहरी क्षेत्र-15,442 लाभुक
ईटकी-10,482 लाभुक
कांके- 31,828 लाभुक
कांके शहरी क्षेत्र-1,325 लाभुक
खलारी- 9,703 लाभुक
लापुंग- 11,478 लाभुक
माण्डर- 23,395 लाभुक
नगड़ी- 18,159 लाभुक
नगड़ी शहरी क्षेत्र- 8,168 लाभुक
नामकुम - 18,021 लाभुक
नामकुम शहरी क्षेत्र-9,078 लाभुक
ओरमांझी- 18,310 लाभुक
राहे -9,647 लाभुक
रातू - 18,792 लाभुक
सिल्ली- 21,382 लाभुक
सोनाहातू - 13,192 लाभुक
तमाड़ - 18,714 लाभुक
सदर शहरी क्षेत्र - 21,754 लाभुक

झारखंड के चार जिलों में आज बारिश की संभावना

रांची: झारखंड के चार जिलों में सोमवार को बारिश होने की संभावना है। इस दिन न्यूनतम और अधिकतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव की संभावना नहीं है। मौसम विभाग ने शनिवार को इसकी जानकारी दी है। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य के जिन जिलों में बारिश होने की संभावना है, उनमें पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा और सरायकेला खरसावां शामिल हैं। इन जिलों में आंशिक बादल छाए रहेंगे और मेघ गर्जन के साथ बारिश हो सकती है। मौसम विभाग की ओर से बताया गया कि 21 अक्टूबर को राज्य के दक्षिणी और पश्चिमी जिलों में सुबह में कोहरा छाया रहेगा, जबकि बाद में मौसम साफ हो जाएगा। 22 अक्टूबर को भी दक्षिणी और पश्चिमी जिलों में कोहरा छाया रहेंगे। इस बीच पिछले 24 घंटों के दौरान राजधानी रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से मौसम साफ रहा। आसमान में हल्के-फुल्के बादल छाए रहे। दिन भर धूप और बादल की स्थिति बनी रही। राज्य में तापमान की बात करें, तो सबसे अधिक गोंड्डा में 34.3 डिग्री और सबसे कम तापमान लातेहार जिले में 14.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

संक्षिप्त खबरें

मारवाड़ी युवा मंच ने रांची में मूक-बधिर बच्चों के साथ मनाई दिवाली

रांची: रांची के मारवाड़ी युवा मंच, दक्षिण शाखा ने रविवार को मूक बधिर स्कूल, निवारणपुर और आदिम जनजातीय बच्चों के साथ मिलकर प्रकाश पर्व दीपावली मनाया। अध्यक्ष ऋषभ रामपुरिया की अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें मंच के पूर्व प्रांतीय उपाध्यक्ष रोहित शारदा और शाखा के पूर्व अध्यक्ष बलबीर जैन विशेष रूप से उपस्थित हुए। रोहित शारदा ने इस अवसर पर कहा कि आनंद सभी के लिए होनी चाहिए। अपने बच्चों के साथ तो सभी त्योहार का आनंद लेते हैं, लेकिन जिनके साथ कोई नहीं, उनके साथ त्योहार मनाने का एक अलग ही आनंद है। उन्होंने दीप के साथ फुलझड़ियां, मिठाई और फल देकर बच्चों के साथ दीपावली मनाई। शाखा के पूर्व अध्यक्ष बलवीर जैन ने कहा कि हम अपने सभी राष्ट्रीय कार्यक्रम को अपने शाखा में आयोजित कर पा रहे हैं, इसके लिए नई टीम के सदस्य धन्यवाद के पात्र हैं। कार्यक्रम में निवारणपुर श्री राम मंदिर के मुख्य पुरोहित महंत ओमप्रकाश शरण ने भी बच्चों के बीच मिठाई, फल और पटाखों का वितरण किया। उन्होंमे बच्चों को आशीर्वाद भी दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ऋषभ रामपुरिया ने किया। मंच का संचालन सचिव राघव शारदा एवं धन्यवाद ज्ञापन आशीष मंगल ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से मयंक बेगानी,अक्षत रोहित शारदा, सुंदर मुंडा, सिद्धि शारदा, आशीष जोशी,श्लोक शारदा, तेजस रामपुरिया सहित अन्य लोग शामिल थे।

जोहार भारत फाउंडेशन के द्वारा जरूरतमंदो के साथ मनाई गई दीपावली का त्यौहार

नवप्रदेश, रांची: दीपों का पर्व दीपावली खुशियों और उमंग का प्रतीक है, लेकिन समाज में ऐसे कई लोग हैं जिनके लिए दीपावली का त्यौहार मनाना कठिन हो जाता है। राजधानी रांची स्थित जोहार फाउंडेशन ने जरूरतमंदों के खुशियाँ पहुँचाने की पहल के तहत जोहार भारत फाउंडेशन द्वारा पहाड़ी मंदिर टोला परिसर में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जहां स्थानीय जरूरतमंद परिवारों के बीच मिठाई, दीया और पटाखों का वितरण किया गया। फाउंडेशन के सदस्यों ने बच्चों और बुजुर्गों के साथ दीप जलाकर और पटाखे फोड़कर दीपावली का पर्व मनाया। संस्था के अमन कुमार ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में खुशियाँ बाँटना और हर चेहरे पर मुस्कान लाना है। उन्होंने कहा कि दीपावली केवल अपने घरों को रौशन करने का त्यौहार नहीं, बल्कि दूसरों के जीवन में भी उजाला फैलाने का अवसर है।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित स्थानीय लोगों ने जोहार फाउंडेशन के इस सामाजिक प्रयास की सराहना की और कहा कि ऐसी पहलें समाज में एकता और मानवता के भाव को मजबूत करती हैं।जोहार फाउंडेशन ने आगे भी ऐसे सामाजिक कार्यों को जारी रखने का संकल्प दोहराया ताकि हर त्यौहार जरूरतमंदों के लिए भी खुशियों का कारण बन सके।

रामचंद्र रूंगटा के निधन पर मारवाड़ी सम्मेलन ने जताया शोक

नवप्रदेश, रांची: प्रसिद्ध समाजसेवी, उद्योगपति और झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के विशिष्ट संरक्षक सदस्य रामचंद्र रूंगटा के निधन पर झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने गहरा शोक व्यक्त किया है। शोक मिलन के पदाधिकारियों ने रविवार को दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की है।

झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष सुरेश चंद्र अग्रवाल और महामंत्री विनोद कुमार जैन ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि रामचंद्र रुंगटा का निधन अत्यंत दुःखद है। उनका समाज, व्यापार और सेवा के क्षेत्र योगदान अतुलनीय रहा है। उन्होंने सदैव समाज हित को सर्वोपरि रखते हुए अपनी कर्मभूमि को सेवा और संस्कारों से आलोकित किया। उनके निधन से समाज ने एक सच्चे मार्गदर्शक, प्रेरणास्त्रोत और करुणामय व्यक्तित्व को खो दिया है। शोक संवेदना व्यक्त करने वालों में भागचंद पोद्दार, ओम प्रकाश अग्रवाल, ललित कुमार पोद्दार, पवन कुमार पोद्दार, राजेंद्र केडिया, मनोज चौधरी,पवन शर्मा, संजय सर्राफ,कौशल कुमार राजगढ़िया, अनिल अग्रवाल, प्रमोद सारस्वत, सज्जन पाड़िया,निर्मल कुमार बुधिया, कमलेश संचेती सहित अन्य का नाम शामिल है। उल्लेखनीय है कि उद्योगपति रामचंद्र रुंगटा का रविवार को दिल्ली में निधन हो गया।

तुपुदाना के नेपाली कॉलोनीवासियों ने श्रमदान कर की सड़क मरम्मत,जेसीबी से हटवाया मलबा

नवप्रदेश संवाददाता

रांची: स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उदासीनता से क्षुब्ध रांची के तुपुदाना नेपाली कॉलोनी के लोगों ने एक बार फिर अपने हाथों में जिम्मेदारी लेते हुए रविवार को श्रमदान किया। उन्होंने कॉलोनी के मुहाने पर फेंके गए कचरे और पशुओं के अवशिष्ट को जेसीबी लगाकर साफ कराया। इसके साथ ही कॉलोनी की जर्जर सड़क की मरम्मत भी स्थानीय लोगों ने स्वयं की। स्थानीय निवासी नकुल कुमार साहू, रवि, कुलवंती देवी समेत अन्य कॉलोनीवासियों ने बताया कि इस क्षेत्र की बदहाल स्थिति को लेकर कई बार स्थानीय

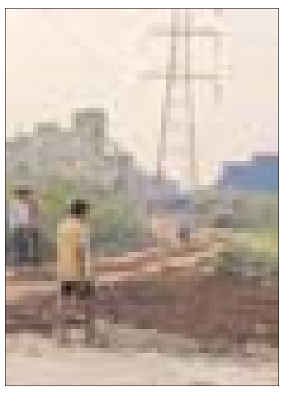

जनप्रतिनिधियों से लिखित और मौखिक शिकायत की गई, लेकिन उनकी ओर से कोई कार्रवाई नहीं हुई। थक-हारकर कॉलोनीवासियों ने खुद ही गंदगी हटाने और सड़क की मरमती का बीड़ा उठाया।

सुनील सिंह ने कहा कि नेताओं को केवल वोट दिखता है, जहां से वोट मिलेंगे, वहीं काम करेंगे। इसी कारण नेपाली कॉलोनी की अनदेखी की जा रही है। मनोज कुमार ने बताया कि हमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) समर्थक बताकर यहां के मूलभूत कार्यों, जैसे-बिजली, सड़क, पेयजल, साफ-सफाई से वंचित रखा गया। इसलिए कॉलोनीवासियों ने चंदा जुटाकर खुद सड़क बनवाई और अब सफाई का काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि जेसीबी की मदद से कॉलोनी के प्रवेश द्वार पर जमा सड़े-गले पशुओं के अवशेष, मुर्गी के अपशिष्ट और गंदगी को हटाया गया है।

विवेक साहू ने बताया कि यहां बिजली की व्यवस्था भी कॉलोनीवासियों ने पैसे देकर खुद ही की है। आधा किलोमीटर सड़क का निर्माण पहले ही कॉलोनीवासियों ने करवाया है। अब इसकी जर्जर स्थिति की मरम्मती कार्य भी सामूहिक सहयोग से कराया जा रहा है। श्रमदान अभियान में सुनील सिंह, विवेक कुमार साहू, दामोदर कांशी, प्रदीप साहू, मनोज साहू, नकुल साहू, चंद्रशेखर सहित बड़ी संख्या में कॉलोनीवासी शामिल हुए।

रांची में आयोजित सात दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में शामिल झारखंड ओपन कराटे खिलाड़ियों की तैयारी हुई पूरी

नवप्रदेश संवाददाता

रांची: झारखंड की राजधानी रांची में इंटरनेशनल मार्शल आर्ट अकादमी (इमा) की ओर से आयोजित सात दिवसीय कराटे प्रशिक्षण शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हो गया, जिसमें खिलाड़ियों को एडवांस कुमिते (फाइटिंग) और काता (फॉर्म) का प्रशिक्षण दिया गया। यह शिविर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए खिलाड़ियों की तैयारी का हिस्सा था।

रांची के बिशप स्कूल में आगामी 15 नवंबर से आयोजित होने वाली दूसरी सिकोकई झारखंड ओपन कराटे चैंपियनशिप की तैयारियो को लेकर मेजबान टीम रांची के खिलाड़ियों के लिए आयोजित पहले चरण का सात दिवसीय कराटे प्रशिक्षण शिविर रविवार को संपन्न हुआ।

इंटरनेशनल मार्शल आर्ट एकेडमी (इमा) के मुख्य प्रशिक्षण केंद्र संत जोसेफ क्लब, रांची में आयोजित इस शिविर का आयोजन सिकोकई कराटे इंटरनेशनल झारखंड और इंटरनेशनल मार्शल आर्ट एकेडमी के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। शिविर का उद्देश्य आगामी राज्यस्तरीय प्रतियोगिता के लिए खिलाड़ियों की तकनीकी तैयारी को मजबूत करना था। शिविर के दौरान खिलाड़ियों को कुमिते और काता की उन्नत तकनीकों के साथ-साथ विश्व कराटे महासंघ (डब्ल्यूकेएफ) के नए नियमों की जानकारी दी गई। इंटरनेशनल मार्शल आर्ट एकेडमी के तकनीकी निदेशक सह नेशनल कोच शिहान सुनील किस्पोट्टा ने खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दिया। उन्होंने खिलाड़ियों को विभिन्न तकनीकों के माध्यम से स्कोर करने के आधुनिक तरीके सिखाए। सुनील किस्पोट्टा ने इस मौके पर बताया कि रांची के विभिन्न स्कूलों और क्लबों के खिलाड़ियों ने प्रशिक्षण में हिस्सा लिया। सात दिनों के इस अभ्यास से खिलाड़ियों की तकनीकी क्षमता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। आने वाली चैंपियनशिप में वे बेहतर प्रदर्शन करेंगे। शिविर के दूसरे चरण का आयोजन जल्द ही किया जाएगा, जिसमें अन्य स्कूलों और क्लबों के खिलाड़ी भाग लेंगे।

इस प्रशिक्षण शिविर के सफल आयोजन में इंटरनेशनल मार्शल आर्ट एकेडमी के अध्यक्ष संसाइ अनिल किस्पोट्टा सहित कई प्रशिक्षकों और सहयोगियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

दिगंबर जैन समाज 21 को मनाएगा भगवान महावीर का निर्वाण महोत्सव

नवप्रदेश, रांची: दिगम्बर जैन समाज मंगलवार को भगवान महावीर का निर्वाण महोत्सव मनाएगा। कार्तिक कृष्ण अमावस्या में जैनियों के अन्तिम तीर्थंकर भगवान महावीर का मोक्ष कल्याणक दिवस की श्रृंखला में रांची स्थित दोनों मन्दिरों में प्रातः निर्वाण लाडू समर्पित कर विशेष पूजा अर्चना की जाएगी। भगवान महावीर के मुख्य गणधर गौतम स्वामी को भी इसी दिन सन्ध्या काल में केवलज्ञान की प्राप्ति हुई थी। सन्ध्या बेला पर दोनों मंदिरों में भव्य आरती कर निर्वाण महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि संवत 2551 वर्ष पूर्व 72 वर्ष की अवस्था में भगवान महावीर का मोक्ष कल्याणक हुआ था। वीर प्रभु ने जगत को अमर तत्व बताया, भगवान महावीर स्वामी ने नर को नारायण बनने का मार्ग बताया।

युवा एकता रांची महानगर काली पूजा समिति कटहल मोड द्वारा आकर्षक पूजा पंडाल के निर्माण

सौरभ राय/नव प्रदेश

रांची: आज मध्यरात्रि मां काली की पूजा अर्चना श्रद्धा भाव के साथ की जाएगी। राजधानी रांची के विभिन्न क्षेत्रों में पूजा समितियों के द्वारा काली पूजा का आयोजन किया जा रहा है। इसी बीच रांची के कटहल मोड स्थित युवा एकता रांची महानगर काली पूजा समिति द्वारा इस वर्ष भी आकर्षक पूजा पंडाल का निर्माण कराया गया है।समिति के कार्यकारी अध्यक्ष मनीष केशरी ने बताया काली पूजा पंडाल का निर्माण प्रारूप बौद्ध के प्रसिद्ध मंदिर के तौर पर कराया गया है जो कि श्रद्धालुओं को काफी पसंद आएगा। पूजा समिति द्वारा पिछले वर्ष से ही काली पूजा का प्रारंभ किया गया जो इस वर्ष और अधिक भव्यता के साथ आयोजित की जा रही है।

मां काली की अलौकिक प्रतिमा स्थापित की गई है : युवा एकता रांची महानगर काली पूजा समिति द्वारा भव्य पूजा पंडाल के साथ साथ मां की अलौकिक प्रतिमा स्थापित की गई है जो कि बेहद मनमोहक है।

पारंपरिक विधि विधान के साथ मां काली की पूजा : मनीष केशरी ने बताया काली पूजा पूरे विधि विधान के साथ किया जाता है। आज सर्वप्रथम रात्रि 10.30 बजे श्री गणेश की पूजा की जाएगी उसके बाद मध्य रात्रि 12 बजे से मां काली की पूजन प्रारंभ होगी और 12.30से 12.45 में बलि पूजन तत्पश्चात मध्यरात्रि 1:00 बजे मां काली की आरती और पुष्पांजलि सम्पन्न होगी

मां काली की भव्य जागरण का आयोजन : मुख्य पूजा 20 अक्टूबर को सम्पन्न होने के बाद 21 अक्टूबर को मां काली को महाभोग अर्पित किया जाएगा और श्रद्धालुओं के बीच भोग प्रसाद का वितरण किया जाएगा। समिति के कार्यकारी अध्यक्ष मनीष केशरी ने बताया महाभोग वितरण के साथ साथ भव्य भजन संध्या का भी आयोजन किया गया है जिस दौरान पूजा प्रांगण भक्तिमय गीतों के धुन से सुशोभित हो उठेगा।

भव्य विसर्जन शोभायात्रा के साथ काली पूजा का होगा समापन : दो दिवसीय काली पूजा का समापन 22 अक्टूबर को भव्य विसर्जन शोभायात्रा के साथ किया जाएगा अपराह्न 2 बजे के बाद विशाल विसर्जन शोभायात्रा निकाली जाएगी जिस दौरान ताशा पार्टी एवं ढाक आकर्षण का केंद्र रहेगी।

छठ पूजा की तैयारियों को लेकर छठ पूजा युवा सहायक समिति की बैठक संपन्न, नई कार्यकारिणी का गठन

नवप्रदेश संवाददाता

रांची: छठ पर्व को लेकर राजधानी में तैयारियां शुरू हो गई हैं। इसी क्रम में छठ पूजा युवा सहायक समिति की सम्मान समारोह सह बैठक रांची के पंडरा स्थित एक बैंक्विट हॉल में आयोजित की गई।

बैठक में मुख्य अतिथि के तौर पर रांची के विधायक सी.पी. सिंह उपस्थित रहे। उन्हें समिति का मुख्य संरक्षक बनाया गया। वहीं ऋषि अजातशत्रु, ऐश्वर सेठ, ललित ओझा, बैजू सोनी और आनंद गुप्ता को संरक्षक बनाया गया।

बैठक के दौरान सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमें शिवम सोनी को अध्यक्ष, ऋषिराज श्रीवास्तव को कार्यकारी अध्यक्ष और केशव जायसवाल को संयोजक चुना गया। इस अवसर पर महापर्व छठ को भव्य और सुरक्षित बनाने का संकल्प लिया गया।

बैठक में घाटों की सफाई, पेयजल, लाइटिंग, डस्ट की व्यवस्था, जेनरेटर, एनडीआरएफ टीम की तैनाती, चेंजिंग रूम, खतरे के निशान की बैरिकेडिंग, व्रतियों को पूजा शॉल और साड़ी वितरण जैसी तैयारियों पर चर्चा हुई। साथ ही छठ के दौरान घाटों के आसपास शराब और मांस की दुकानों को बंद करने की मांग भी की गई।विभिन्न घाटों से आए प्रतिनिधियों ने अपनी-अपनी समस्याएं समिति के समक्ष रखीं। समिति ने आश्वासन दिया कि सभी घाटों पर समिति के सदस्य सहयोग में तत्पर रहेंगे।

बैठक में युवा पदाधिकारी अभिनव कुमार, आकाश सिंह, आदित्य सिंह, प्रणव कुमार, विशाल कुमार को उपाध्यक्ष तथा कुमकुम गुप्ता को महिला प्रभारी बनाया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी पदाधिकारियों को सम्मानित भी किया गया।

श्री राधा- कृष्ण मंदिर में अन्नपूर्णा महाप्रसाद हजारों श्रद्धालुओं ने किया प्रसाद ग्रहण

नवप्रदेश, रांची: श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट द्वारा संचालित पुंदाग मे श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवा धाम श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर में 234 वां श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा सेवा महाप्रसाद का आयोजन किया गया। आज का श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा सेवा प्रणामी ट्रस्ट के सदस्यों द्वारा आयोजित किया गया। अन्नपूर्णा महाप्रसाद का विधिवत भोग दोपहर 12 बजे मंदिर के पुजारी अरविंद कुमार पांडे द्वारा लगाई गई, तत्पश्चात मंदिर परिसर में उपस्थित हजारों श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया। आज के महाप्रसाद में केसरिया खीर एवं आलू का चिप्स का वितरण किया गया। तत्पश्चात भजन- संध्या के कार्यक्रम में ट्रस्ट के भजन गायकों द्वारा मनमोहक सुमधुर भजनों मे अमृत गंगा का रसपान कराते हुए श्रोताओं को खूब झुमाया। तथा श्री राधा कृष्ण के जयकारा से पूरा वातावरण कृष्णमय एवं भक्तिमय बन गया। तत्पश्चात सामूहिक रूप से महाआरती की गई?। ट्रस्ट के प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने बताया कि दीपावली के पावन अवसर पर श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर को आकर्षक रंग बिरंगी रोशनी एवं दीपों से सजाया गया है। तथा श्री राधा कृष्ण जी का दिव्य आलौकिक श्रृंगार किया गया है। दीपावली के दिन विशेष पूजा-अर्चना, भजन कीर्तन किया जाएगा। इस अवसर पर-ट्रस्ट के अध्यक्ष डूंगरमल अग्रवाल उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल,सुरेश अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में महिलाएं, पुरुष उपस्थित थे।

ट्रैफिक जवान को पीटने के आरोपित को पुलिस ने भेजा जेल

रामगढ़: रामगढ़ शहर में धनतेरस और दिवाली को लेकर जाम की स्थिति सड़कों पर बनी है। लेकिन इस बीच कुछ सनकी लोग ना तो ट्रैफिक व्यवस्था में अपना सहयोग दे रहे हैं और ना ही सही तरीके से अपनी गाड़ियों की पार्किंग कर रहे हैं। शहर के चट्टी बाजार में बगड़िया के पास एक ऐसे ही सनकी व्यक्ति ने बाइक खड़ा कर दिया था। जब ट्रैफिक जवान ने उसे बाइक साइड में लगाने को कहा तो उसकी पिटाई भी कर दी। इस मामले में घायल ट्रैफिक जवान मुकेश कुमार का इलाज सदर अस्पताल में कराया गया। घायल ट्रैफिक सिपाही मुकेश कुमार ने रामगढ़ थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। रामगढ़ पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई की और बाइक सवार सनकी व्यक्ति को रविवार को जेल भेज दिया है। ट्रैफिक जवान मुकेश कुमार ने पुलिस को बताया कि धनतेरस को लेकर सड़क पर जाम की स्थिति बनी थी। इसी दौरान (जेएच 01 एयू 5953)बाइक पर सवार एक व्यक्ति बीच सड़क पर ही बाइक खड़ा कर जाने लगा। बीच सड़क पर बाइक खड़ी होने की वजह से जाम और भी भीषण हो गया।

रेस्टोरेंट संचालक की हत्या पर चेंबर ने प्रशासन से की कड़ी कार्रवाई की मांग

नवप्रदेश, रांची: कांके थाना क्षेत्र के गहरी चिंता व्यक्त करते हुए झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स ने राजधानी में लचर विधि व्यवस्था पर आपत्ति जताई है। चेंबर ने घटना में दोषियों के विरुद्ध सख्त और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए पुलिस अधिकारियों से तत्काल वार्ता की।

त्यौहारी सीजन में लगातार घटित घटनाओं पर चिंता जताते हुए रविवार को चेंबर भवन में पदाधिकारियों की बैठक हुई। बैठक में कहा गया कि ऐसी घटनाओं से आमजन विशेषकर व्यापारी वर्ग शशंकित है। पुलिस प्रशासन की तत्परता के बावजूद राजधानी में दिनदहाड़े हत्या और गोलीकांड जैसी घटनाएं यह दशार्ती हैं कि अपराधियों में प्रशासन का भय नहीं है। जिला पुलिस प्रशासन को अपराधियों में खौफ बनाने के लिए कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। उल्लेखनीय है कि लॉ एंड आर्डर उप समिति के चेयरमैन मुकेश अग्रवाल ने घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और संबंधित

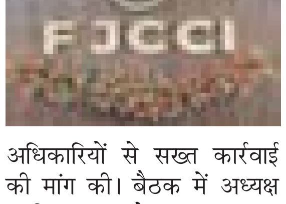

अधिकारियों से सख्त कार्रवाई की मांग की। बैठक में अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा, उपाध्यक्ष प्रवीण लोहिया, महासचिव रोहित अग्रवाल, सह सचिव नवजोत अलंग और कोषाध्यक्ष अनिल अग्रवाल मौजूद थे।

वहीं चेंबर के होटल एवं बैंक्वेट उप समिति अध्यक्ष त्रिलोचन सिंह ने कहा कि रांची में रेस्टोरेंट संचालक की गोली मारकर हत्या की घटना अत्यंत दुखद और निंदनीय है। उन्होंने कहा कि होटल और रेस्टोरेंट उद्योग से जुड़े लोग समाज की सेवा में दिन-रात कार्यरत रहते हैं। ऐसे में इस प्रकार की हिंसक घटनाएं पूरे आतिथ्य क्षेत्र के लिए चिंता का विषय हैं। प्रशासन से आग्रह है कि अपराधियों के विरुद्ध शीघ्र और सख्त कार्रवाई की जाए और शहर में सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ किया जाए।

दीपावली और काली पूजा को लेकर हुई सजावट, जगमगाया शहर

नवप्रदेश संवाददाता

रामगढ़। दीपोत्सव को लेकर रामगढ़ जिले में अलग ही उत्साह दिख रहा है। माता लक्ष्मी और भगवान गणेश की आराधना के साथ-साथ मां काली की पूजा के लिए भी रामगढ़ जिला तैयार हो गया है। जिले के सभी व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के अलावा शहर को भी आकर्षक तरीके से सजाया गया है। सबसे बेहतर तरीके से झारखंड के प्रसिद्ध रजरप्पा मां छिन्नमस्तिका दरबार को सजाया गया है। यहां आने वाले श्रद्धालुओं को आकर्षक विद्युत सज्जा देखने को मिलेगी।

सुभाष चौक से लेकर बाजार तक में हुई सजावट

रामगढ़ शहर के सुभाष चौक से लेकर शिवाजी रोड, लोहार टोला, चट्टी बाजार, बाजार टांड़ में बेहतर सजावट की गई है। इसके अलावा अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में भी आकर्षक विद्युत सजा हुई है। समाहरणालय परिसर को भी बेहतर तरीके से सजाया गया है। दीपावली के इस त्यौहार को हर्षोल्लास से बनाने के लिए जिला प्रशासन ने की गाइडलाइन जारी की है। शहर वासियों ने भी अपने घरों को आकर्षक तरीके से सजाया है।

काली पूजा को लेकर बनाई गई मूर्ति

रामगढ़ जिले में काली पूजा भी बेहद धूमधाम से मनाई जाती है। अमावस्या के दिन मां काली की आराधना से भक्तों की मनोकामना पूरी होती है। जिले के लगभग 12 स्थानों पर मां काली की प्रतिमा स्थापित की गई है। इस दौरान मां काली को बलि देकर लोग प्रसाद ग्रहण करते हैं।

रजरप्पा में काली पूजा का होगा विशेष अनुष्ठान

झारखंड के प्रसिद्ध रजरप्पा स्थित मां छिन्नमस्तिका मंदिर में काली पूजा को लेकर विशेष पूजन किया जाएगा। मध्य रात्रि में होने वाली पूजा को लेकर कई तांत्रिक भी यहां पहुंच चुके हैं। मंदिर के पुजारी की ओर से तांत्रिकों के रहने की व्यवस्था की गई है।

विभिन्न राज्यों से श्रद्धालु पहुंचते हैं रजरप्पा

मंदिर न्यास समिति के सचिव शुभाशीष पंडा के अनुसार, काली पूजा की रात रजरप्पा मंदिर विद्युत सज्जा और पुष्पों से जगमग होता है। यह रात भक्तों के लिए आत्मशुद्धि और साधना का अवसर होती है। इस विशेष अवसर पर मां का विशेष श्रृंगार किया जाता है, रातभर आरती, भोग और महाप्रसाद का आयोजन होता है। झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, छत्तीसगढ़ सहित देश के विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रत्येक वर्ष रजरप्पा पहुंचते हैं।

खूंटी ने जीता खेलो इंडिया अस्मिता रग्बी लीग का खिताब

खूंटी। बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम, खूंटी में आयोजित खेलो इंडिया अस्मिता रग्बी लीग (महिला) में खूंटी की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जूनियर और सीनियर दोनों वर्गों में चैंपियन का खिताब अपने नाम किया। वहीं सब जूनियर वर्ग में दुमका की टीम विजेता रही। यह एक दिवसीय प्रतियोगिता थी जिसमें झारखंड के विभिन्न जिलों से कुल 17 टीमों ने भाग लिया। सिर्फ महिलाओं के लिए आयोजित इस टूनार्मेंट में खिलाड़ियों में जबरदस्त जोश और उत्साह देखने को मिला। टूनार्मेंट के परिणाम सीनियर वर्गः प्रथम झ खूंटी, द्वितीय झ पश्चिम सिंहभूम, तृतीय, गोड्डा अंडर 18 वर्गः प्रथम झ खूंटी, द्वितीय झ सरायकेला, तृतीय झ राइजिंग क्लब बोकारो अंडर 15 वर्गः प्रथम, दुमका, द्वितीय, कैथरीन अकादमी खूंटी, तृतीय, रांची कार्यक्रम का उद्घाटन झारखंड रग्बी एसोसिएशन के महासचिव हेजाज असदक, खूंटी जिला रग्बी एसोसिएशन के अध्यक्ष अश्वनी कुमार मिश्रा एवं सभी जिलों के प्रतिनिधियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। विजेता, उपविजेता और तृतीय स्थान पर रहने वाली टीमों को ट्रॉफी प्रदान की गई। इस दौरान शादाब खान, अभिषेक, सुकेश, अभय, विशाल, विष्णु, सुरभि एवं अलिसा ने रेफरी एवं तकनीकी सहायक के रूप में योगदान दिया। प्रतियोगिता की सफलता पर खेलप्रेमियों ने खूंटी टीम को बधाई दी।

आदिवासी समन्वय समिति ने आक्रोश रैली की सफलता पर जताया आभार

नवप्रदेश/खूंटी। करम अखड़ा खूंटी में रविवार को आदिवासी समन्वय समिति की विशेष समीक्षा बैठक समिति के अध्यक्ष चन्द्र प्रभात मुंडा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में 14 अक्टूबर को हुई आदिवासी आक्रोश रैली की ऐतिहासिक सफलता और अपार जनसमर्थन के लिए सभी सामाजिक कार्यकताओं, परम्परागत अगुवाओं, बुद्धिजीवियों एवं प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया गया। बैठक में कहा गया कि यह रैली न केवल आदिवासी समाज की एकजुटता का प्रतीक बनी, बल्कि कुर्मी-कुड़मी को अनुसूचित जनजाति सूची में शामिल करने के विरोध में मील का पत्थर साबित हुई। समिति ने इसे झारखंड में आदिवासी-मूलवासी एकता को कमजोर करने की राजनीतिक साजिशों के खिलाफ एक ठोस जवाब बताया। सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि आगे समन्वय समिति को और सशक्त बनाया जाएगा तथा समाज का नेतृत्व संविधानसम्मत तरीके से किया जाएगा। बैठक में पड़ाह राजा सोमा मुंडा, मंगल सिंह मुंडा, मर्शल बरला, अमन तोपनो, राम मुंडा, रोहित सुरीन, जोनसन होरो सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

दीपावली-छठ को लेकर ठाकुर गांव थाना परिसर में शांति समिति की बैठक

नवप्रदेश संवाददाता

बुढ़मू। आगामी दीपावली और छठ महापर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के उद्देश्य से ठाकुर गांव थाना परिसर में मंगलवार को शांति समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में नए थाना प्रभारी शुभम कुमार ने उपस्थित गणमान्य लोगों और ग्रामीणों से मुलाकात की और पर्व के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के संबंध में कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। नए थाना प्रभारी शुभम कुमार ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि पुलिस आप सभी ग्रामीणों का हर संभव मदद करेगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पर्व के दौरान किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिस बल पूरी तरह से मुस्तैद रहेगा। जमीनी विवाद निपटाने पर जोर थाना प्रभारी शुभम कुमार ने विशेष रूप से क्षेत्र के जमीनी विवादों को निपटाने पर जोर दिया। उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि अगर किसी भी प्रकार का जमीनी विवाद है, तो पुलिस उसे प्राथमिकता के आधार पर निपटाने में सहयोग करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि जरूरत पड़ने पर बुढ़मू सीईओ (अंचल अधिकारी) को बुला कर ग्रामीणों की जमीन का सही तरह से जाँच कर उन्हें मदत किया जाएगा। थाना प्रभारी का यह आश्वासन ग्रामीणों के बीच सराहनीय पहल के रूप में देखा जा रहा है। बैठक में इनकी रही उपस्थिति शांति समिति की इस बैठक में एसआई सुरेश बैठा के साथ क्षेत्र के कई गणमान्य व्यक्ति और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे, जिनमें कमल मोदी, ठाकुर गांव मुखिया सचिन पहान, जिला परिषद मनोज बाजपेई, संजय पटेल, मोहनपुर फातिना खातून, शंकर उराव खातून, रफीक अंसारी, सविता देवी, विनोद कुशवाहा, जाकिर अंसारी भुनेश्वर साहू सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। सभी ने थाना प्रभारी के निर्देशों का पालन करने और पर्व को आपसी भाईचारे के साथ मनाने का संकल्प लिया।

सिल्ली क्षेत्र में काली पूजा धूमधाम से मनाई जाएगी आज, तैयारियां पूरी

राधिका मैंदान सिल्ली में बर्ष 2007 से काली पूजा मनाई जा रही है

सिल्ली। सिल्ली क्षेत्र में सोमवार को काली पूजा धूमधाम से मनाई जाएगी । इसको लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं । राधिका मैंदान सिल्ली में बर्ष 2007 से काली पूजा मनाई जा रही है। यह जानकारी कमेटी के सदस्यों ने दी । उन्होंने बताया कि तभी से यहां काली पूजा होता आ रहा है। सिल्ली प्रखंड अंतर्गत राधिका मैंदान सिल्ली के दुर्गा मंदिर प्रांगण में पूजा कमेटी के सदस्यों एवं ग्रामीणों की बैठक संपन्न हुई थी। जिसमें काली मंदिर का पुनर्निर्माण किए जाने को लेकर आवश्यक विचार विमर्श किया गया था। इसके अलावा काली पूजा धूमधाम से मनाए जाने को लेकर आवश्यक विचार विमर्श किया गया था। मौके पर समाजसेवी संजु साहु एवं धीरेन साहु के अलावा मुख्य रूप से मुखिया भरत मुंडा, संजीव भगत, भागवत सोनार, भादुड़ी गोराई, कांचन सोनार, सुजीत सोनार, दिपक सोनार, रमेश गोराई, शुभम चन्द्र, भोला गोराई, ऋषिकेश सोनार, प्रदीप विश्वकमा, मनोज विश्वकर्मा, हरेन्द्र गोराई आदि के अलावा ग्रामीण उपस्थित थे। सिल्ली के लुपुंग काली मंदिर में भी काली पूजा धूमधाम से मनाई जाएगी। इसको लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। आकर्षक तोरणद्वार भी बनाया गया है। काली पूजा को लेकर सिल्ली में लोगों ने पूजा सामग्री आदि की जमकर खरीदारी की ।

इंडियन ऑयल ने की रामगढ़ में घर-घर पाइप्ड नेचुरल गैस की सुविधा शुरू

नवप्रदेश संवाददाता

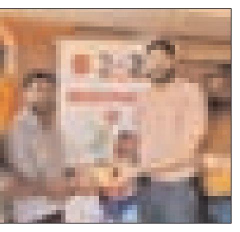

रामगढ़। रामगढ़ जिले में घरों तक पाइप्ड नेचुरल गैस की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। यह सुविधा क्षेत्रवासियों के लिए एक नई क्रांति की तरह है। क्योंकि इससे न केवल रोजमर्रा के जीवन में आसानी आएगी बल्कि घरों में स्वच्छ, सुरक्षित और आधुनिक ऊर्जा की उपलब्धता भी सुनिश्चित होगी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह अन्य गैस की तुलना में सस्ती है जिससे लोगों को दिन प्रतिदिन की खर्चे में बचत होगी। घर घर में कनेक्शन के अलावा पाइप्ड नेचुरल गैस कमर्शियल प्रयोग जैसे होटलों एंड रेस्टोरेंटों के लिए भी काफी किफायती एवं सुविधाजनक है। होटलों एवं रेस्टोरेंट के लिए एक किफायती कदम पाइप्ड नेचुरल गैस कमर्शियल होटलों एवं रेस्टोरेंटों के लिए ओर भी ज्यादा सुविधाजनक एवं किफायती है। क्योंकि होटलों एंड रेस्टोरेंटों में ज्यादा मात्रा में गैस का प्रयोग किया जाता है। ज्यादा गैस सिलेंडरों की जरूरत पड़ती है तो उनके लिए जहां गैस के प्रयोग में पैसे को बचत के साथ साथ अन्य कई सुविधाएं मिलती है। रामगढ़ के रॉयल तड़का रेस्टोरेंट में पहला पाइप्ड नेचुरल का कनेक्शन कमर्शियल रेस्टोरेंट में शुरू किया गया। संस्थान के मालिक ने बताया कि यह लगभग हमे 5-15प्रतिशत के गैस के खर्चे को कम करेगा।

आगाज स्वयं सहायता समूह इस्लामपुर की बैठक संपन्न

नवप्रदेश संवाददाता

गुमला। आगाज स्वयं सहायता समूह, इस्लामपुर की मासिक बैठक समूह की सचिव नगमा निगार की आवास पर सफलतापूर्वक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता समूह की अध्यक्ष सय्यदा खातून ने की तथा संचालन कायनात आरजू के द्वारा किया गया।बैठक में निम्न मुख्य बिंदुओं पर विचार-विमर्श एवं निर्णय लिए गएझसमूह की बचत राशि, ऋण पुनर्भुगतान एवं वित्तीय स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई। सभी सदस्यों को समय पर बचत जमा करने एवं समूह के नियमों का पालन करने हेतु प्रेरित किया गया।महिलाओं के स्वावलंबन हेतु अगली तिमाही में सिलाई, हस्तशिल्प एवं लघु उद्योग प्रशिक्षण शुरू करने पर सहमति बनी।समूह के माध्यम से गांव के जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक सहायता एवं परामर्श देने का प्रस्ताव रखा गया। स्वच्छता, शिक्षा और स्वास्थ्य जागरूकता अभियानों में समूह की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर चर्चा की गई। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने समूह को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने, समाज के कमजोर वर्गों को सहयोग देने तथा महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। साथ ही अगली बैठक की तिथि 27/10/025 को तय की गई। अंत में समूह की अध्यक्ष सय्यदा खातून ने सभी सदस्यों का धन्यवाद देते हुए बैठक का समापन किया।आगाज स्वयं सहायता समूह आज की बैठक में मुख्य रूप से नगर परिषद की उपस्थित की सचिव परवीन सुल्ताना, सय्यदा खातून, सरवरी खातून, नगमा निगार, कायनात आरजू, सबिया खातून, शहनाज खातून वहीदा खातून सोनी खातून अप्पू परवीन, सना परवीन, रिजवान खातून।

दो बाइक की आमने-सामने टक्कर, पांच घायल, तीन गंभीर

डॉक्टरों की लापरवाही उजागर, सीएचसी चैनपुर के भरोसे चल रहा है अस्पताल

नवप्रदेश संवाददाता

चैनपुर। मुख्यालय क्षेत्र के जनावल पंचायत में रविवार को घोरहटी और नवाटोली के बीच तीखे मोड़ पर दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में कुल पांच लोग घायल हो गए, जिनमें तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे की तीव्रता इतनी अधिक थी कि दोनों मोटरसाइकिलें पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, अरविंद बड़ा की बाइक पर तीन लोग सवार थे जबकि दूसरी बाइक पर चैनपुर निवासी नीरज लकड़ा और संजय कुमार बैठे थे। किसी भी बाइक सवार ने हेलमेट का उपयोग नहीं किया था। तेज रफ्तार और तीखे मोड़ के कारण दोनों बाइकें अनियंत्रित होकर आमने-सामने भिड़ गईं। हादसे के बाद ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चैनपुर लाया गया। लेकिन वहां डॉक्टरों की अनुपस्थिति ने व्यवस्था की पोल खोल दी। बताया गया कि सीएचसी चैनपुर में किसी भी समय मरीज पहुंचें, डॉक्टर अक्सर मौजूद नहीं रहते। हर दिन जैसे ही तीन बजते हैं, डॉक्टर गुमला के लिए बस पकड़कर चले जाते हैं। ऐसे में पूरा भार सिर्फ सीएचओ और नर्सिंग स्टाफ के कंधों पर रहता है।ग्रामीणों का कहना है कि आपात स्थिति (इमरजेंसी) में भी डॉक्टर अस्पताल में नहीं रहते, जिसके कारण गंभीर मरीजों को प्राथमिक उपचार के बाद मजबूरन सदर अस्पताल गुमला रेफर करना पड़ता है। यही स्थिति रविवार को भी रही – तीन गंभीर घायलों नीरज लकड़ा (22), अरविंद बड़ा (25) और संजय कुमार (22) को डॉक्टर की अनुपस्थिति में गुमला भेजा गया इधर, परिजनों ने बताया कि 108 एंबुलेंस के लिए काफी देर तक इंतजार करना पड़ा, पर वाहन उपलब्ध नहीं हुआ। बाद में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की एंबुलेंस से ही तीनों घायलों को गुमला रेफर किया गया। घटना की जानकारी मिलते ही चैनपुर पुलिस मौके पर पहुंची, घायलों के इलाज की व्यवस्था कराई और घटना की जांच में जुट गई है। स्थानीय लोगों ने स्वास्थ्य विभाग से मांग की है कि सीएचसी चैनपुर में स्थायी डॉक्टरों की तैनाती की जाए।

एक नजर

ऑक्सब्रिज स्कूल मांडर में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का समापन

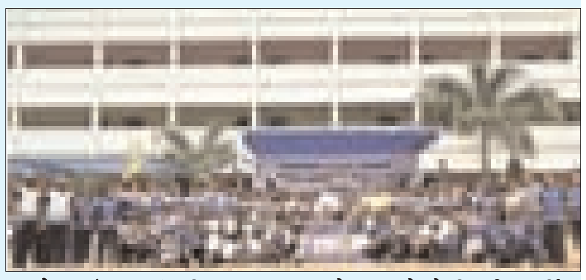

नवप्रदेश/मांडर। ऑक्सब्रिज स्कूल मांडर में चल रहे दो दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता के समापनरविवार को हुआ, अंतिम दिन कार्यक्रम की शुरूआत भारतीय संस्कृति के लोकप्रिय नृत्यों के साथ हुई। आज के विभिन्न प्रतियोगिताओं में रस्सी कूद, मेंढक दौड़, कंगारू रेस, रिले रेस, तीन पैरों का दौड़, रस्साकसी और पिरामिड का प्रदर्शन खास रहा। कुल मिलाकर चैंपियनशिप का खिताब पेसिफिक हाउस ने जीता। विजेताओं को मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन क्लोजिंग मार्च पास्ट,स्कूल हेड गर्ल एवं हेड बॉय के वोट ऑफ थैंक्स के साथ हुआ।

मांडर पुलिस ने मोटर साईकल चोरी कांड के तीन अभियुक्तोंको गिरफ्तार कर भेजा जेल

नवप्रदेश/मांडर। मांडर पुलिस ने मोटर साईकल चोरी कांड के अप्राथमिकी अभियुक्त जावेद अंसारी 30वर्ष ग्राम ब्राम्बे, मुस्तफीस अहमद 32 वर्ष ग्राम बनापीडी एवं मुजफर अंसारी 30 वर्ष ग्राम पंडरी को गिरफ्तार कर रविवार को जेल भेज दिया, उनपर विगत पंद्रह दिन पहले ब्राम्बे बाजार से मोटर साईकल चोरी कर लिए जाना का आरोप था।

मांडर थाना क्षेत्र के टटकुनदो ग्राम स्थित एक कुएँ से मिला युवक का शव

नवप्रदेश/मांडर। मांडर पुलिस ने थाना क्षेत्र के टटकुनदो ग्राम स्थित एक कुएँ से एक युवक का शव बरामद किया है शव की पहचान कर्रा थाना क्षेत्र के बंकुली ग्राम निवासी 40 वर्षीय बिरसा उराव के रुप में हुई है, पुलिस ने उसके शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया, प्राप्त जानकारी के अनुसार वह अपने रिश्तेदार के यहाँ मेहमान आया था, और रात को शौच के लिए निकला था इसी क्रम में वह कुएँ में गिर गया, पुलिस मामले की चैन बीन कर रही है।

पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने चान्हो क्षेत्र के विभिन्न छठ घाटों का किया निरीक्षण किया

नवप्रदेश/चान्हो। पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने रविवार को मांडर एवं चान्हो के विभिन्न छठ तालाबों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि इस बार सभी तालाबों में पहले से ज्यादा पानी है इसलिए सुरक्षा की विशेष इंतजाम किया जाए। साथ ही उन्होंने छठ घाट के साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने की बात कही। उन्होंने अंचल अधिकारी को दूरभाष पर निर्देश दिया कि जहां-जहां बड़ा छठ घाट है वहां पर साफ सफाई और सुरक्षा के विशेष से इंतजाम किया जाए।

मांडर स्थित चर्च में रांची महाधर्मप्रांतीय क्रूसवीर रैली संपन्न

नवप्रदेश/मांडर। मांडर स्थित संत अलोईस कैथोलिक चर्च में दिनांक 18 एवं 19 अक्टूबर को दो दिवसीय रांची महधर्मप्रांतीय क्रूसवीर रैली का आयोजन हुआ 19 अक्टूबर को रांची महाधर्मप्रांत के विकर जनरल फादर आनंद डेविड खलखो मिस्सा पूजा के मुख्य अनुष्ठाता रहे` उन्होंने अपने संदेश में कहा कि क्रूसवीर बच्चे ईश्वर के कर्मठ सैनिक एवं सुसमाचार प्रचारक है उन्होने क्रूसवीर बच्चों के चार हथियार प्रार्थना, परमप्रसाद, बलिदान, एवं प्रेरिताई के बारे में विस्तार पूर्वक बताया` इस रैली में रांची महाधरापरान्त के 26 पारिशों से कुल 1400 सौ क्रूसवीर बच्चों ने भाग लिया। इस अवसर पर क्रूसवीर बच्चों ने धार्मिक झांकी प्रस्तुत किये एवं बाइबिल क्वीज एवं भाषण प्रतियोगिता में भाग लिये। झांकी प्रतियोगिता में प्रथम संत अन्ना बालिका उच्च विद्यालय रांची को द्वितीय स्थान संत जोसेफ समलोंग, तृतीय स्थान आरा गेट पारिश ल्ली प्राप्त किये। बाइबिल क्वीज में प्रथम आरा गेट द्वितीय संत जोन मेरी चान्हो तृतीय स्थान संत अन्ना रांचीने प्राप्त किये। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम संत अन्ना रांची, द्वितीय कर्मल स्कूल समलोंग एवं नोटर्डम स्कूल ब्यग्यडीह, तृतीय स्थान बेथानी स्कूल राजाउल्हातु एवं संत फ्रांसिस स्कूल आरा गेट इस अवसर पर मांडर के पल्ली पुरोहित फादर बिपिन कंडुलना, क्रूसवीर के निदेशक फादर एरेनियुस करकेट्टा, फादर बिपिन पानी, फादर शैलेन्द्र, फादर सुधीर करकेट्टा, फादर जोनिस गाड़ी, फादर सुनील टोप्पो, फादर इग्नेश करकेट्टा, फादर राजेंद्र खाखा एवं अन्य पुरोहित गण, सिस्टर सरोज, सिस्टर, सिस्टर सुनीता बखला, सिस्टर बेनेदिकता, एवं अन्य धर्म बहनें, एवं हजारों की संख्या मे विशवासीगण उपस्थित थे।

झालदा के नरकोपी में बाबा नाम केवलम अखंड कीर्तन संपन्न

नवप्रदेश/सिल्ली । झालदा प्रखंड के अंतर्गत नरकोपी गांव में श्रवेश्वरानन्द दादाजी के आवास परिसर में रविवार दिनांक 19 अक्टूबर 2025 को सुबह 07 से से दिन के 01 बजे तक 06 घंटे का बाबा नाम केवलम अखंड कीर्तन सम्पन्न हुआ । जिसमें अत्यधिक संख्या में आस-पास के अलावा दूर-दूर तक के आनन्द मागीयों ने भाग लिया। बाबा नाम केवलम अखंड कीर्तन की समाप्ति के बाद साधना, गुरू पूजा एवं स्वाध्याय का पाठ हुआ। वरिष्ठ आचार्य प्रबुद्धानन्द अवधूत ने हरिपरि मंडल गोष्टी के संबंध में विस्तार पूर्वक चर्चा की। इसके पश्चात प्रसाद वितरण एवं नारायण सेवा की गई। इसका शुभारंभ आनन्द मार्गी दादा दीदी आदि के द्वारा प्रभात संगीत के साथ किया गया। इसकी जानकारी झालदा भुक्ति कमेटी के एसडीएम देवेन्द्र नाथ महतो की ओर से दी गई।

साल से फरार 376 का स्थायी वारंटी संजय खलखो गिरफ्तार, भेजा गया जेल

नवप्रदेश/चैनपुर। चैनपुर थाना ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए 12 वर्षों से फरार चल रहे एक स्थायी वारंटी को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार वारंटी का नाम संजय खलखो है, जो बलात्कार, छेड़छाड़ और अन्य संगीन मामलों में आरोपी था।पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, संजय खलखो, उम्र लगभग 38 वर्ष, पिता- स्वर्गीय मार्टिन खलखो, ग्राम- कोन्केल, थाना- चैनपुर का रहने वाला है। उसके खिलाफ चैनपुर थाना में कांड संख्या-05/13, दिनांक-03/04/13 को भारतीय दंड संहिता की धारा 376, 354(इ) और 511 के तहत मामला दर्ज किया गया था। यह मामला जीआर-301/13 के रूप में न्यायालय में लंबित था।आरोपी अपनी गिरफ्तारी से बचने के लिए पिछले 12 सालों से लगातार फरार चल रहा था, जिसके बाद माननीय न्यायालय ने उसके खिलाफ स्थायी वारंट जारी किया था।चैनपुर थाना पुलिस को मिली गुप्त सूचना के आधार पर आज, दिनांक 18 अक्टूबर 2025 को, संजय खलखो को उसके गाँव से गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी के बाद उसे माननीय न्यायालय, गुमला के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

दीवाली : अंधकार से प्रकाश की ओर

दीवाली, यानी दीपों का त्योहार – यह सिर्फ एक पर्व नहीं, बल्कि एक भावना है जो अंधकार पर प्रकाश, असत्य पर सत्य और निराशा पर आशा की विजय का प्रतीक है। यह पर्व हर भारतीय के जीवन में नई ऊर्जा, नए संकल्प और नई शुरूआत लेकर आता है।

दीपों की लौ में छिपा संदेश

दीवाली पर जब घर-घर दीप जलते हैं, तो यह हमें याद दिलाते हैं कि जीवन में चाहे कितना भी अंधकार हो, एक छोटी सी लौ भी रोशनी फैला सकती है। यही दीप हमें प्रेरित करते हैं कि हम अपने भीतर की अच्छाई को जलाए रखें, और समाज में प्रकाश फैलाएं।

सफाई, सजावट और आत्मशुद्धि

दीवाली की तैयारी कई दिन पहले से शुरू हो जाती है – लोग अपने घरों की सफाई करते हैं, रंगोली बनाते हैं और सजावट करते हैं। लेकिन यह सिर्फ बाहरी सफाई नहीं है, बल्कि अंदरूनी सफाई का भी प्रतीक है। हमें अपने मन से ईर्ष्या, क्रोध और नकारात्मकता को हटाकर नई रोशनी का स्वागत करना चाहिए।

धनतेरस से लेकर गोवर्धन पूजा तक

दीवाली के पांच दिन – धनतेरस, नरक चतुर्दशी, लक्ष्मी पूजा, गोवर्धन पूजा और भैया दूज – हर दिन का अपना महत्व है।

धनतेरस पर लोग धन और स्वास्थ्य के देवता धनवंतरि की पूजा करते हैं।

लक्ष्मी पूजा के दिन मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की आराधना कर सुख-समृद्धि की कामना की जाती है।

गोवर्धन पूजा और भैया दूज भाई-बहन के स्नेह और प्रकृति के प्रति आभार का प्रतीक हैं।

पटाखों से दूरी, पर्यावरण से नजदीकी

आज जरूरत है कि हम इस पर्व को पर्यावरण के साथ मनाएं। अत्यधिक पटाखों से प्रदूषण बढ़ता है, इसलिए हमें दीवाली को हरियाली और स्वच्छता की दीवाली बनाना चाहिए। मिट्टी के दीए जलाएं, पेड़ लगाएं, और स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग करें।

खुशियां बांटें, मुस्कान फैलाएं

दीवाली का सच्चा अर्थ है – खुशियां बांटना। अपने आस-पास के गरीब, जरूरतमंद या कामगारों के साथ भी यह त्योहार साझा करें। एक दीप उनके घर में भी जलाएं – तभी दीवाली पूरी होगी।

संदेश

जहां दीप जलता है, वहां अंधकार भागता है। आइए, इस दीवाली हर दिल में उम्मीद का दीप जलाएं।

घरौंदा : मिट्टी से बना, सपनों से सजा संसार

दीवाली का त्योहार आते ही बच्चों के चेहरे पर मुस्कान और हाथों में मिट्टी दिखने लगती है। क्योंकि यह वही समय है जब घरौंदा बनाया जाता है – मिट्टी, गोबर और रंग-बिरंगे कागजों से सजा एक छोटा-सा घर, जो केवल खिलौना नहीं बल्कि संस्कार, सादगी और सृजन का प्रतीक है।

परंपरा की जड़ों से जुड़ा त्योहार

घरौंदा बनाने की परंपरा सदियों पुरानी है। दीवाली के अगले दिन यानी गोवर्धन पूजा या बालिप्रतिपदा पर बच्चे और महिलाएँ मिलकर मिट्टी से छोटा-सा घर बनाते हैं। कहीं इसे घरौंदा, कहीं घरौनी, तो कहीं माटी का महल कहा जाता है। यह परंपरा केवल खेल नहीं, बल्कि यह बताती है कि घर सिर्फ ईंटों से नहीं, प्रेम और एकता से बनता है।

मिट्टी की खुशबू में बसी सृजनशीलता

सुबह-सुबह खेतों या बागानों से मिट्टी लाना, उसे पानी से गीला कर आकार देना – यही से शुरू होती है दीवाली की असली तैयारी।

बच्चे छोटे-छोटे हाथों से दीवारें बनाते हैं, दरवाजा सजाते हैं, और ऊपर से रंगीन कागज का छप्पर लगाते हैं। फिर उस घरौंदे के अंदर दीया जलाकर पूजा की जाती है। कहते हैं कि इस मिट्टी के घर में लक्ष्मी जी का वास होता है, और यही घर सुख-समृद्धि का प्रतीक बन जाता है।

जिस घर की नींव मिट्टी में होती है, वहां विनम्रता और अपनापन स्थायी होता है।

रिश्तों और सहयोग की शिक्षा

घरौंदा बनाना एक सामूहिक प्रक्रिया है। बच्चे, भाई-बहन, माँ-पिता, सभी इसमें अपना योगदान देते हैं। किसी का काम मिट्टी लाना होता है, कोई रंग बनाता है, तो कोई फूल चुनकर सजाता है। इस प्रक्रिया से बच्चे सीखते हैं – एकता, सहयोग और सृजन की सुंदरता। घरौंदा केवल दीवारों का नहीं, बल्कि रिश्तों का भी निर्माण है।

लोक संस्कृति की जीवंत मिसाल

आज के युग में जब शहरीकरण ने मिट्टी और परंपरा से दूरी बढ़ा दी है, घरौंदा बनाना लोक संस्कृति को जीवित रखने का प्रयास है।

यह हमें याद दिलाता है कि हमारे पूर्वजों की परंपराएँ प्रकृति से जुड़ी थीं जहाँ न कोई बिजली थी, न आर्टिफिशियल सजावट, लेकिन दिलों में रोशनी थी। घरौंदा उस परंपरा का प्रतीक है जहाँ सादगी ही सौंदर्य थी।

घरौंदा में लक्ष्मी-गणेश की पूजा

घरौंदे के अंदर लक्ष्मी और गणेश जी की मूर्तियाँ रखी जाती हैं।

पूजा के दौरान बच्चे दीप जलाते हैं और माता लक्ष्मी से प्रार्थना करते हैं कि जैसे यह छोटा घर रोशनी से भर गया है, वैसे ही हमारा असली घर भी खुशियों और शांति से भर जाए।

कई जगहों पर घरौंदा प्रतियोगिताएँ भी होती हैं, जिनमें रचनात्मकता और पारंपरिक सजावट को सम्मानित किया जाता है।

घरौंदा : बाल मन की कल्पनाओं का संसार

घरौंदा केवल पूजा या परंपरा नहीं, बल्कि बच्चों के सपनों का घर है।

यह वह जगह है जहाँ वे कल्पना करते हैं –

मेरा घर ऐसा होगा, इसमें माँ-पापा, भाई-बहन सब रहेंगे, और चारों ओर फूल खिलेंगे। इसमें बच्चों की मासूमियत और जीवन की आशा झलकती है। घरौंदा छोटा है, पर उसके अंदर पूरा संसार समाया है

जिसमें सादगी भी है, सपने भी हैं, और अपनेपन की खुशबू भी।

आधुनिकता के बीच मिट्टी का स्पर्श

आज भले ही कंक्रीट की इमारतें और इलेक्ट्रिक लाइटें हर जगह दिखती हैं, पर मिट्टी का घरौंदा आज भी दिलों में अपनी जगह रखता है।

क्योंकि यह हमें हमारी जड़ों की याद दिलाता है – जहाँ जीवन सरल था, रिश्ते सच्चे थे और हर खुशी सामूहिक थी। घरौंदा बनाना हमें यह भी सिखाता है कि भव्यता नहीं, भावनाएँ ही घर को घर बनाती हैं।

दीवाली की असली रौशनी सिर्फ बिजली की लाइट में नहीं,

बल्कि उन छोटे-छोटे घरौंदों में है जहाँ बचपन अब भी ज़िंदा है।

घरौंदा सिर्फ मिट्टी का घर नहीं

यह हमारी संस्कृति, बचपन और पारिवारिक मूल्यों का प्रतीक है।

जब बच्चे मिट्टी में घर बनाते हैं, तो वे केवल ईंटें नहीं जोड़ते,

बल्कि सपनों, उम्मीदों और अपनापन की दीवारें खड़ी करते हैं।

इस दीवाली, आइए फिर से उस परंपरा को जीवित करें

जहाँ खुशियाँ सादगी में थीं, और घरौंदा ही असली महल था।

काली पूजा : शक्ति, भक्ति और जागरण का पर्व

रांची, संवाददाता। दीपों के उजाले के बीच जब रात अपने चरम पर होती है, उसी समय होती है – महानिशा की आराधना, माँ काली की पूजा। दीवाली की रात ही बंगाल, झारखंड और पूर्वी भारत के कई हिस्सों में काली पूजा का आयोजन होता है।

यह पर्व शक्ति, साहस और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। काली पूजा सिर्फ धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि स्त्री शक्ति, न्याय और मानवता के प्रति विश्वास का उत्सव है।

माँ काली : विनाश और सृजन की देवी

माँ काली का स्वरूप भले ही उग्र दिखता है, परंतु उनका संदेश गहरा और जीवनमूलक है। वे हमें सिखाती हैं कि जब अन्याय, अत्याचार और अधर्म बढ़े, तब अन्याय के खिलाफ उठ खड़ा होना ही सच्ची भक्ति है। उनके गले में राक्षसों की माला, हाथ में खप्पर, और चेहरे पर अडिग भाव – सब इस बात का प्रतीक हैं कि बुराई का अंत तभी होता है जब हम डर को त्यागकर सत्य का साथ देते हैं।

महानिशा की आराधना

काली पूजा आमतौर पर अमावस्या की रात को की जाती है। जब चारों ओर अंधकार होता है, तब भक्त देवी के समक्ष दीपक जलाकर श्रद्धा का प्रकाश फैलाते हैं।

यह पूजा महानिशा पूजा के नाम से प्रसिद्ध है – यानी वह रात जब शक्ति की साधना अपने चरम पर होती है।

भक्त पूरी रात मंत्र-जप, भजन और यज्ञ करते हैं। कई मंदिरों में विशेष तांत्रिक विधि से पूजा की जाती है, जो शक्ति साधना की प्राचीन परंपरा का हिस्सा है।

भक्ति में भव्यता और भावना

रांची, बोकारो, धनबाद, देवघर और जमशेदपुर के कई मंदिरों में काली पूजा की भव्य तैयारियाँ की जा रही हैं।

माँ काली के पंडाल आकर्षक लाइटिंग, थीम आधारित सजावट और पारंपरिक कला से सुसज्जित हैं।

भक्त श्रद्धा से माँ की आरती करते हैं, नारियल, लाल फूल, मिठाई और बलिदान अर्पित करते हैं।

मंदिरों में जय माँ काली के जयघोष से वातावरण गुंजायमान रहता है।

दीवाली और काली पूजा का संगम

जहां उत्तर भारत में दीवाली पर लक्ष्मी पूजा की जाती है, वहीं पूर्वी भारत में उसी रात काली पूजा का आयोजन होता है।

कई लोग दोनों पूजाएँ साथ करते हैं – पहले लक्ष्मी जी की आराधना, फिर आधी रात को माँ काली की पूजा।

यह परंपरा इस बात का प्रतीक है कि समृद्धि और शक्ति दोनों का संतुलन ही जीवन में स्थायित्व लाता है।

काली बिना लक्ष्मी अधूरी हैं, और लक्ष्मी बिना काली निष्प्रभावी – यही भारत की सांस्कृतिक एकता का संदेश है।

धार्मिकता से परे सामाजिक संदेश

काली पूजा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना का भी पर्व है।

माँ काली का रूप हमें यह प्रेरणा देता है कि समाज में अन्याय, भ्रष्टाचार और हिंसा के खिलाफ आवाज उठाना भी धर्म है।

उनकी पूजा हमें आत्मबल देती है – अपने भय, दुर्बलता और अंधविश्वास को नष्ट करने की।

सांस्कृतिक उत्सव और लोक परंपरा

कई स्थानों पर इस दिन सांस्कृतिक कार्यक्रम, नृत्य, संगीत और भजन संध्या का आयोजन होता है।

कलाकार पारंपरिक ढाक और शंख की ध्वनि के साथ माँ की आराधना करते हैं।

महिलाएँ लाल साड़ी पहनकर काली माँ के गीत गाती हैं, बच्चे दीए और मोमबत्तियाँ जलाकर मंदिर सजाते हैं।

यह रात सिर्फ पूजा की नहीं, बल्कि लोकसंस्कृति और सामूहिकता की भी होती है।

आध्यात्मिक संदेश

माँ काली कहती हैं –

डर को मत पालो, अन्याय के खिलाफ उठो, अंधकार को मिटाने के लिए खुद दीप बनो।

काली पूजा हमें सिखाती है कि शक्ति बाहरी नहीं, हमारे भीतर है। बस जरूरत है उसे पहचानने की।

यह पर्व हमें याद दिलाता है कि हर अंधकार के अंत में सवेरा होता है – और हर भय के पीछे छिपा होता है साहस का प्रकाश।

अंत में

जब समाज फिर से भय, हिंसा और असमानता से जूझ रहा है, तब माँ काली की आराधना पहले से अधिक प्रासंगिक है।

उनकी पूजा केवल मंत्रों तक सीमित नहीं, बल्कि यह एक संकल्प है – सत्य, न्याय और निडरता का।

आइए, इस काली पूजा पर हम सब यह संकल्प लें कि हम भयमुक्त समाज बनाएंगे, जहाँ हर व्यक्ति अपने भीतर की ह्लशक्तिह्व को पहचान सके।

भैया दूज : प्यार, रक्षा और विश्वास का पवित्र बंधन

दीवाली के उल्लास के बाद आता है एक ऐसा दिन जो भाई-बहन के अटूट प्रेम, स्नेह और सुरक्षा के बंधन का प्रतीक है – भैया दूज।

यह पर्व सिर्फ एक रस्म नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की उस भावना का उत्सव है जो रिश्तों को मजबूत बनाती है, त्याग और स्नेह की मिसाल पेश करती है।

पौराणिक मान्यता के अनुसार भैया दूज का संबंध यमराज और उनकी बहन यमुना से है। कथा है कि एक दिन यमराज अपनी बहन यमुना के घर पहुंचे। बहन ने उनका सत्कार किया, आरती उतारी और तिलक लगाया।

खुश होकर यमराज ने कहा – जो भाई इस दिन अपनी बहन के घर जाकर तिलक लगवाएगा, उसे मृत्यु का भय नहीं रहेगा।ह्व तब से यह पर्व यम द्वितीया या भैया दूज के नाम से मनाया जाने लगा।

भैया दूज कार्तिक शुक्ल द्वितीया को मनाया जाता है – यानी दीवाली के दो दिन बाद।

यह दिन बहनों के लिए अपने भाई की दीघार्यु, सुख-समृद्धि और मंगल की कामना करने का अवसर होता है।

भाई भी अपनी बहनों को उपहार देकर उनके स्नेह और आशीर्वाद का प्रतिदान करते हैं।

यह त्योहार रक्षाबंधन की तरह है, लेकिन इसमें रक्षा सूत्र नहीं, बल्कि प्रेम और आशीर्वाद का तिलक केंद्र में होता है।

सुबह स्नान के बाद बहनें अपने घर या मायके में विशेष थाली सजाती हैं जिसमें तिलक, अक्षत, दीपक, मिठाई, कलावा और नारियल होता है।

भाई जब घर पहुंचता है, तो बहन उसका स्वागत करती है, उसके माथे पर तिलक लगाती है, आरती उतारती है और मिठाई खिलाती है।

फिर भाई अपनी बहन को उपहार देता है और स्नेहपूर्वक प्रणाम करता है।

कई जगह बहनें इस दिन विशेष व्यंजन बनाती हैं जैसे पूरी, हलवा, कचौरी, पान, और मिठाई।

भैया दूज केवल भाई-बहन के बीच प्रेम का प्रतीक नहीं, बल्कि समाज में आपसी सहयोग और करुणा का संदेश भी देता है।

यह पर्व बताता है कि परिवार की मजबूती, भाईचारे और प्रेम पर ही समाज की नींव टिकी है।

आज के व्यस्त जीवन में यह त्योहार रिश्तों को संजोने का अवसर बन गया है – एक दिन जब भाई-बहन पुराने दिनों की यादें ताजा करते हैं और अपने बंधन को फिर से मजबूत करते हैं।

भारत के अलग-अलग हिस्सों में भैया दूज को अलग नामों से जाना जाता है –

उत्तर भारत में इसे भैया दूज कहा जाता है।

महाराष्ट्र और गोवा में इसे भाऊबीज के रूप में मनाया जाता है।

बंगाल में इसे भाई फोंटा कहा जाता है, जहाँ बहनें चंदन का तिलक लगाती हैं और भाई की दीघार्यु की प्रार्थना करती हैं।

नेपाल में इसे भाई टीका कहा जाता है – जहाँ पाँच रंगों से तिलक लगाकर विशेष अनुष्ठान किया जाता है।

इन सभी रूपों में एक ही भावना झलकती है – प्यार, सुरक्षा और आत्मीयता।

आज भैया दूज सिर्फ एक पारंपरिक पर्व नहीं, बल्कि भावनात्मक जुड़ाव का दिन बन गया है।

जो भाई-बहन दूर रहते हैं, वे वीडियो कॉल और ऑनलाइन माध्यम से इस परंपरा को निभाते हैं।

बहनें डिजिटल रूप से तिलक लगाकर, और भाई ऑनलाइन उपहार भेजकर इस रिश्ते की गरिमा बनाए रखते हैं।

यह दिखाता है कि समय बदल सकता है, लेकिन रिश्तों की गर्मजोशी कभी नहीं घटती।

राखी से बंधे धागे की तरह,

तिलक से सजे माथे की तरह –

यह रिश्ता है दिल से दिल का,

जो हर त्योहार पर और मजबूत होता है।ह्व

भैया दूज हमें याद दिलाता है कि परिवार की ताकत रिश्तों में छिपे स्नेह और त्याग में होती है।

जहाँ एक बहन भाई के लिए निस्वार्थ प्रेम रखती है, वहीं भाई उसकी रक्षा और सम्मान का वचन देता है।

भैया दूज का संदेश स्पष्ट है –

प्रेम, सम्मान और विश्वास से बढ़कर कोई बंधन नहीं होता।

यह पर्व केवल एक दिन का उत्सव नहीं, बल्कि रिश्तों को जीवंत रखने की परंपरा है।

आज जब समाज में दूरियाँ बढ़ रही हैं, तब भैया दूज हमें जोड़ने, समझने और साथ रहने की प्रेरणा देता है।

चित्रगुप्त पूजा : कर्म, लेखा और सत्य का पर्व

दीवाली की रौनक के बाद जब घरों में दीपों की लौ अब भी टिमटिमा रही होती है, तब आता है एक ऐसा पर्व जो हमें आत्ममंथन और कर्म के महत्व की याद दिलाता है – चित्रगुप्त पूजा।

यह पर्व विशेष रूप से कायस्थ समाज द्वारा मनाया जाता है, लेकिन इसके संदेश सार्वभौमिक हैं – ईमानदारी, कर्मनिष्ठा और आत्मावलोकन।

कौन हैं भगवान चित्रगुप्त?

हिंदू धर्मग्रंथों के अनुसार भगवान चित्रगुप्त यमराज के सचिव हैं। वे हर जीव के कर्मों का लेखा-जोखा रखते हैं और मृत्यु के बाद न्याय प्रदान करते हैं।

कहा जाता है कि भगवान ब्रह्मा ने जब सृष्टि रची, तब उन्होंने मनुष्य के कर्मों का हिसाब रखने के लिए अपने ह्यमनह्ल से एक अद्भुत पुरुष की उत्पत्ति की – यही थे चित्रगुप्त। ह्लचित्रह्व का अर्थ है चित्रित और ह्लगुप्तह्व का अर्थ है गुप्त रूप से रखने वाला – यानी जो हर मनुष्य के कर्मों का गुप्त रूप से चित्र रखता है।

कायस्थ समाज का मुख्य पर्व

यह दिन विशेष रूप से कायस्थ समाज के लिए आत्मगौरव और परंपरा का दिन होता है।

कायस्थों को भगवान चित्रगुप्त के वंशज माना जाता है, और वे इस दिन कलम-दवात, किताबें, और अपने व्यवसाय से जुड़ी वस्तुओं की पूजा करते हैं।

घर-घर में सुंदर चित्रगुप्त की प्रतिमा स्थापित की जाती है, लोग पूजा करते हैं, नया लेखा-जोखा (बही) प्रारंभ करते हैं और परिवार के साथ प्रसाद ग्रहण करते हैं।

कलम-दवात और ज्ञान की पूजा

चित्रगुप्त पूजा ज्ञान, लेखन और सृजन की आराधना भी है।

लोग इस दिन अपनी पुरानी बही-खातों की पूजा कर नई बही खोलते हैं – मान्यता है कि इससे व्यापार में सफलता और ईमानदारी बनी रहती है। बच्चे इस अवसर पर अपनी पढ़ाई की वस्तुओं (पुस्तकें, पेन, कॉपी) की पूजा करते हैं ताकि उनमें ज्ञान की ज्योति बनी रहे।

यह परंपरा हमें बताती है कि सच्चा कर्म वही है जो ज्ञान, ईमानदारी और जिम्मेदारी से जुड़ा हो।

कर्म और आत्ममंथन का पर्व

चित्रगुप्त पूजा का मूल संदेश है हर मनुष्य अपने कर्मों के प्रति सजग रहे।

यह पर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्मनिरीक्षण का अवसर है।

हम अपने बीते वर्ष के कर्मों को देखें, गलतियों से सीखें और आने वाले वर्ष के लिए बेहतर संकल्प लें – यही इस पूजा का सार है।

भगवान चित्रगुप्त यह सिखाते हैं कि कर्मों का लेखा न केवल स्वर्ग में रखा जाता है, बल्कि हमारे जीवन में ही उसका फल मिलता है।

पूजा विधि और परंपरा

सुबह स्नान कर घर की सफाई की जाती है, फिर भगवान चित्रगुप्त की प्रतिमा या तस्वीर स्थापित की जाती है। कलम, दवात, कागज, बही, लेखन सामग्री और खाता-बही को पूजा स्थल पर रखा जाता है।

फिर गंगाजल से शुद्धिकरण के बाद चित्रगुप्त जी की आरती और पूजा मंत्रों का पाठ किया जाता है।

पूजा के बाद लोग नया लेखा आरंभ करते हैं और परिवार सहित प्रसाद ग्रहण करते हैं।

कुछ स्थानों पर इस दिन यमराज और चित्रगुप्त कथा का पाठ भी किया जाता है।

सामाजिक और नैतिक संदेश

चित्रगुप्त पूजा हमें यह याद दिलाती है कि हर व्यक्ति अपने कर्मों के लिए स्वयं जिम्मेदार है।

यह पर्व जीवन में पारदर्शिता, सत्य और नैतिकता को स्थापित करने का संदेश देता है।

आज जब समाज में भ्रष्टाचार, झूठ और अन्याय का बोलबाला है, तब भगवान चित्रगुप्त का उपदेश पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो गया है सत्य और न्याय से बढ़कर कोई धर्म नहीं, और छल-कपट से बड़ी कोई अधर्म नहीं।

कायस्थ परिवारों में उत्सव का माहौल

रांची, धनबाद, गया, पटना, देवघर, बोकारो सहित कई शहरों में कायस्थ परिवारों में चित्रगुप्त पूजा का उल्लास देखने योग्य होता है।

बच्चे नये कपड़े पहनते हैं, महिलाएं पारंपरिक व्यंजन बनाती हैं और घर-आंगन सजाया जाता है।

कई जगह कायस्थ समाज की सामूहिक पूजा और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाता है, जिसमें भजन, नाटक और चित्रगुप्त वंदना प्रस्तुत की जाती है।

कर्म ही धर्म है, और धर्म ही सच्चा न्याय।

चित्रगुप्त हमें सिखाते हैं कि जीवन में कलम से किया गया हर कर्म – चाहे शब्दों में हो या कर्मों में – उसका लेखा अवश्य होता है।

इसलिए सत्य, ज्ञान और न्याय के मार्ग पर चलना ही सच्ची पूजा है।

चित्रगुप्त पूजा हमें यह प्रेरणा देती है कि हर व्यक्ति अपने भीतर के लेखाकार को जागृत करे – जो हमें हर कदम पर सही और गलत का भेद सिखाता है।

दीवाली के उजाले के बाद यह पर्व हमें बताता है कि असली रोशनी भीतर के विवेक की है।

इनमोसा का एआईडीईओए में हुआ विलय

नवप्रदेश संवाददाता

धनबाद। भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) का एक मजबूत एम्पलाई संगठन इनमोसा का ऑल इंडिया डिप्लोमा ऑफिशियल एंड एसोसिएशन में पूर्ण रूप से विलय हो गया। धनबाद गांधी सेवा सदन में रविवार को एक मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इसमें बीसीसीएल इनमोसा के डिप्टी जनरल सेक्रेटरी कुश सिंह के नेतृत्व करीब दो हजार लोगों ने ऑल इंडिया डिप्लोमा इंजीनियर ऑफिशियल एंड एसोशिएसन (एआईडीईओए) के राष्ट्रीय महासचिव आर.के. तिवारी की अध्यक्षता में शामिल हो गए। कुश सिंह ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि आज पूरे बीसीसीएल के इनमोसा का एआईडीईओए में विलय हो गया। इनमोसा एक मजबूत संगठन था, लेकिन हाई लेवल से हमलोगों की अनदेखी की जा रही थी, जिसे लेकर विलय का निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा कि हमलोगों यहां सम्मान मिल रहा है अब एक होकर लड़ाई लड़ेंगे। वही ऑल इंडिया डिप्लोमा इंजीनियर ऑफिशियल एंड एसोसिएशन के राष्ट्रीय महासचिव आर.के. तिवारी ने कहा कि बिदाई होने से संगठन मजबूत हुआ है, कहा कि हम लोगों का मुख्य रूप से प्रमोशन की लड़ाई रही है जिसे मिलकर प्रबंधन से लड़ेंगे साथ ही सुरक्षा को लेकर प्रबंधन और डीजीएमएस को पत्र दिया गया है। किसी भी कीमत पर सुरक्षा की अनदेखी नहीं होने देंगे।

शराब पीने से मना करना एक परिवार को पड़ा भारी, उपद्रवियों ने की चार राउंड फायरिंग

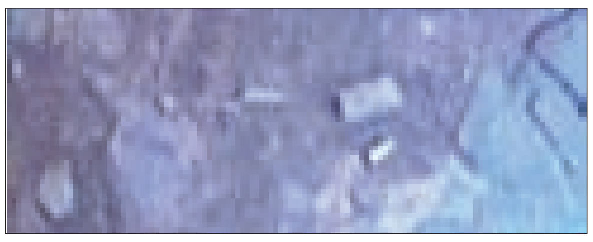

नवप्रदेश/धनबाद। धनबाद थाना क्षेत्र के रांगा टांड़ स्थित रेलवे कलोनी नेताजी क्लब के समीप रहने वाले एक परिवार को उपद्रवियों को मजमा लगाने और शराब पीने से मना करना महंगा पड़ गया। शनिवार देर रात छह से अधिक की संख्या में आए उपद्रवियों ने परिवार के सदस्यों के साथ गाली- गलौज और मारपीट करते हुए चार राउंड फायरिंग कर दी। मामला फायरिंग के बाद इलाके में दहशत फैल गई है। पीड़ित परिवार ने घटना की सूचना पुलिस को दी। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस ने मौके से तीन खोखा बरामद किया है। एसएसपी प्रभात कुमार ने बताया कि आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। उन्हें जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष दुर्गा शर्मा ने पद से दिया इस्तीफा

अश्लील टिप्पणी और गाली गलौज करने वाले के खिलाफ पार्टी से मदद नहीं मिलने से लिया फैसला

नवप्रदेश/गिरिडीह। महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष दुर्गा शर्मा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपना इस्तीफा शनिवार को महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष गूंजन सिंह को भेजा है। इस्तीफा भेजने का कारण बताते हुए दुर्गा शर्मा ने कहा कि उनके मुहल्ले में रहनेवाले एक पुरुष ने अश्लील शब्दों का उपयोग करते हुए उनके साथ गाली गलौज की। यहां तक कहा कि तुम्हारी पार्टी कितना तुम्हे सुरक्षा देगी हम देख लेंगे। बताया कि उन्होंने इसकी शिकायत गिरिडीह नगर थाना को लिखित रूप से दी। मोबाइल के माध्यम से महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष, कांग्रेस जिलाध्यक्ष गिरिडीह एवं पार्टी के कई नेताओं को सूचना दी, परंतु अफसोस ना तो थाना से कोई मदद मिली और ना ही पार्टी से। कहा कि जब मैं खुद ही अपनी गरिमा नहीं बचा सकती तो अन्य महिलाओं के मान सम्मान की रक्षा का झूठा आश्वासन कैसे दें सकती हूं। इसी से क्षुब्ध होकर इस्तीफा भेज रही है। दुर्गा शर्मा ने कहा कि मेरा इस्तीफा मंजूर करते हुए हमें पदमुक्त कर दिया जाए। साथ ही मैं पार्टी की सदस्यता से भी इस्तीफा दे रही हूं।

न्यायाधीश ने किया धनबाद जेल का निरीक्षण

जेल प्रशासन को दिए कई आवश्यक दिशा निर्देश

नवप्रदेश संवाददाता

धनबाद। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष डालसा वीरेंद्र कुमार तिवारी, के निर्देश पर जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री बीकेश ने रविवार को लीगल एड डिफेंस काउंसिल टीम के साथ मंडलकारा धनबाद का निरीक्षण किया. इस बाबत जानकारी देते हुए अवर न्यायाधीश सह सचिव डालसा मयंक तुषार टोपनो, ने बताया की रविवार को न्यायाधीश ने मंडल कारा धनबाद का औचक निरीक्षण किया। निरक्षण के दौरान टीम ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग रूम महिला वार्ड अस्पताल वार्ड चिकित्सा व्यवस्था खान पान की व्यवस्था का मुआयना किया तथा अन्य कई समुचित व्यवस्था करने का निर्देश जेल प्रशासन को दिया। न्यायाधीश के नेतृत्व में टीम ने कारागार के हर एक हिस्से का मुआयना किया। न्यायाधीश के नेतृत्व में टीम ने बंदियों से उनके स्वास्थ्य, इलाज, पेयजल, नास्ता, भोजन व मुकदमे में पैरवी के लिए अधिवक्ता होने अथवा न होने की जानकारी ली। न्यायाधीश ने चिकित्सा सुविधाओं, पुस्तकालय, रसोई घर, वहां तैयार हो रहे भोजन, व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र और ध्यान-सह-योग केंद्र में सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने सभी बंदियों से भी बातचीत की और उनकी समस्याओं के बारे में पूछा। न्यायाधीश ने बंदियों को जेल मैनुअल के तहत मिलने वाली सारी सुविधाएं उपलब्ध कराने का आदेश जेल प्रशासन को दिया। इस मौके पर जेल डॉक्टर राजीव कुमार सिंह, एलएडीसीएस चीफ कुमार विमलेंदु, डिप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट, सहायक कांउसिल, शैलेन्द्र झा, सुमन पाठक, नीरज गोयल, कन्हैया लाल ठाकुर, स्वाति कुमारी, मुस्कान चोपडा सिविल कोर्ट के सहायक अरुण कुमार, समेत जेल के पदाधिकारी उपस्थित थे।

खंडित महाराज जरासंध जी के प्रतिमा का निर्माण कार्य प्रारम्भ

नवप्रदेश संवाददाता

धनबाद/कतरास। 4 अक्टूबर 2025 को मगध सम्राट जरासंध प्रतिमा धनावा बोधगया, गया जी बिहार को सामाजिक तत्वों ने बिहार विधानसभा चुनाव के पूर्व सामाजिक माहौल खराब करने के उद्देश्य खंडित कर दिया था। जिससे काफी तनावपूर्ण वातावरण उत्पन्न हो गई थी। स्थानीय लोगों जिला प्रशासन और सरकार की सक्रियता से स्थिति को नियंत्रित किया गया और जिला प्रशासन की ओर से अपराधियों को घर पकड़ के लिए का गठन किया गया है साथ ही साथ प्रतिमान निर्माण, प्रतिमा स्थल का सौंदर्यीकरण का कार्य प्रारंभ किया गया। उक्त जानकारी देते हुए अखिल भारत वर्षीय चंद्रवंशी क्षत्रिय महासभा के पूर्व राष्ट्रीय सचिव शंकर रवानी ने बताया कि आज नया प्रतिमा बनाने के लिए पुराने प्रतिमा के बगल में स्टैंड का काम प्रारंभ किया गया। माननीय सांसद डॉ भीम सिंह जी ने भी प्रतिमा स्थल का विकास के लिए 10 लख रुपए देने की घोषणा की है। 1 जनवरी को इसी स्थल पर सम्राट जरासंध जयंती मनाया जा रहा है जिसमें पूरे देश के चंद्रवंशियों को भाग लेने की संभावना है। प्रतिमा निर्माण में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह दिन रात लगे हुए है।

काली पूजा को लेकर धनबाद में तैयार हो रहा भव्य पूजा पंडाल

नवप्रदेश संवाददाता

धनबाद । धनबाद कोयलांचल में दीपावली और काली पूजा मनाने को लेकर तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी है। इस वर्ष काली पूजा को लोकर तमाम पूजा कमिटियां एक से बढ़कर एक पूजा पंडाल बना रही है। कतरास पोस्ट ऑफिस गली काली पूजा समिति पिछले 23 वर्षों से भव्य काली पूजा का आयोजन करती आ रही है। हर बार अलग-अलग थीम पर आधारित पूजा पंडाल का निर्माण यहां किया जाता है। इस बार यहाँ निमार्णाधीन माता के दरबार के दृश्य को दर्शाया जा रहा है। साथ ही पंडाल में सुरक्षा के महत्व का संदेश भी दर्शाया जा रहा है। पत्थर के बने मजदूर, हाथ मे कुल्हाड़ी, हेलमेट सहित अन्य सामानों का पूजा पंडाल में उपयोग किया गया है। वही समिति सदस्यों ने कहा कि 23 साल से पूजा समिति काली पूजा कर रही है। इस बार निमार्णाधीन माता के दरबार को दिखाया गया है। जिसमे मजदूर, सुरक्षा किट, निर्माण में उपयोग होने वाले वस्तुओं को दिखाया गया है। उन्होंने बताया कि सिर्फ 5 से 6 लाख पंडाल निर्माण में खर्च किया जा रहा है। वही पूरे पूजा का खर्च 12 लाख है। इसके साथ ही भगवान भोलेनाथ को जलाभिषेक करते भी पंडाल में दर्शाया गया है। बता दें कि धनबाद सहित आस पास के जिले के श्रद्धालु भी यहाँ पँहुचते है। इस बार 20 अक्तूबर से 24 अक्टूबर तक श्रद्धालु पूजा पंडाल का दर्शन कर सकते है।

झारखण्ड प्रदेश चंद्रवंशी समाज का केंद्रीय सम्मलेन संपन्न

नवप्रदेश संवाददाता

धनबाद। झारखण्ड में अत्यंत पिछड़ा वर्ग को सांगठित कर 27% आरक्षण को लेकर जोरदार आंदोलन किया जायेगा-दिलीप कुमार रवानी झारखण्ड प्रदेश चंद्रवंशी समाज का सम्मलेन राधा ट्रेडर्स सिक्स लेन महूदा में धूम धाम से संपन्न हुई, सम्मलेन का प्रारम्भ झंडोतोलन कर एवं महाराज जरासंध,शहीद नेपाल रवानी, सहीद साधन रवानी, स्व ऐपी रवानी रवानी, स्व0 जगन्नाथ रवानी के तस्वीर पर माल्यार्पण कर किया गाया। सम्मलेन कि अध्यक्षता तीन सदस्य अध्यक्ष मण्डली सर्व छूटन रवानी, हरिपद रवानी, डॉ बलराम रवानी एवं संचालन वरीय अधिवक्ता जीवन रवानी ने किया। सम्मलेन में धनबाद, बोकारो, जामताड़ा, गिरिडीह से सैकड़ो संख्या में महिला एवं समाज के बुद्धि जीवियों ने भाग लिया। सम्मलेन में झारखण्ड प्रदेश चंद्रवंशी समाज के सांगठन को गाँव तक गठन करने का प्रस्ताव पारित किया गया। सम्मलेन में सर्व सम्मति से दिलीप कुमार रवानी को प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया,साथ ही धनबाद जिला अध्यक्ष रणवीर प्रताप रवानी (गोधर) एवं जिला महामंत्री कृष्णा नन्द रवानी (निरसा) को बनाया गया। सम्मलेन को सम्बोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष दिलीप कुमार रवानी ने कहा कि चंद्रवंशी समज जात नहीं जमात कि राजनीति करती है, झारखण्ड के अत्यंत पिछड़ी जाती को सांगठित कर अत्यंत पिछड़ी जाती को 27% आरक्षण के लिए जोरदार आंदोलन करेंगी,उन्होंने आगे कहा कि मार्च 2026 में टाउन हॉल धनबाद में प्रदेश स्तरीय सम्मलेन आयोजित किया जायेगा, इसके पहले सभी जिला एवं प्रखंडो में प्रखण्ड कमिटी का गठन कर लिया जायेगा। जिला अध्यक्ष रणवीर प्रताप रवानी ने कहा कि धनबाद जिला चंद्रवंशी, रवानी बाहुल क्षेत्र है हर गाँव एवं कस्बा मे चंद्रवंशी समाज के सांगठन को धारदार बनाया जायेगा। सम्मेलन को समाजसेवी शंकर रवानी, भीम रवानी, मुखिया महादेव प्रसाद रवानी, अशोक रवानी, दिनेश रवानी, गोबिंद प्रसाद रवानी, प्रदीप रवानी, निताय रवानी, साधुशरण रवानी, गंगा रवानी, हिमांशु शेखर रवानी, ललिता देबी, चन्दना रवानी, गीता देवी,सुचित रवानी, महेशवर रवानी, रंगलाल रवानी आदि ने सम्बोधित किया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन जिला अध्यक्ष रणवीर प्रताप रवानी ने किये।

दीपावली को ले लोगों की सुरक्षा के लिए सभी अंचल व प्रखंड में कयूआरटी गठित

नवप्रदेश संवाददाता

धनबाद। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के निर्देश पर दीपावली के अवसर पर लोगों की सुरक्षा के मद्देनजर अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार ने जिले धनबाद, झरिया, पुटकी, गोविंदपुर, बलियापुर, निरसा, एगारकुंड, कलियासोल, तोपचांची, बाघमारा, टुंडी एवं पूर्वी टुंडी में क्विक रिस्पोंस टीम (कयूआरटी) का गठन किया है। टीम में संबंधित प्रखंड व अंचल के अंचल अधिकारी व प्रखंड विकास पदाधिकारी तथा संबंधित थाना प्रभारी व ओपी प्रभारी रहेंगे। इस संबंध में अनुमंडल पदाधिकारी ने बताया कि 20 व 21 अक्टूबर 2025 को जिले में दीपावली, लक्ष्मी पूजा, काली पूजा मनायी जाएगी। इस अवसर पर लोगों के द्वारा अपने-अपने घरों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों, सार्वजनिक स्थानों पर साज-सज्जा के साथ मूर्ति स्थापित कर विधि-विधान से पूजा करने की परम्परा है तथा विभिन्न स्थानों पर धार्मिक आयोजन, सांस्कृतिक कार्यक्रम, पूजा पण्डाल बनाया जाता है एवं मेला का आयोजन भी किया जाता है, जिसमें काफी संख्या में भीड़ जमा होती है। इसके साथ ही दीपावली के अवसर पर बड़े पैमाने पर पटाखे फोड़े जाते है। इसको लेकर कुछ स्थलों पर हाई डेसिबेल (उच्च ध्वनि तीव्रता) से पटाखा फोड़ने से संबंधित विवाद अथवा कोई अप्रिय घटना घटित होने की संभावना बनी रहती है। इस दौरान आग लगने की घटना से भी इंकार नहीं किया जा सकता है। इसके मद्देनजर सतत निगरानी, सतर्कता के साथ-साथ अस्पतालों, स्वास्थ्य केन्द्रों में चिकित्सा व्यवस्था तथा अग्निशमन दस्ता की उपलब्धता अत्यंत अल्प अवधि में हो सके इसके लिए कयूआरटी टीम का गठन किया है। उन्होंने बताया कि पर्व के अवसर पर सिविल सर्जन धनबाद अनुमण्डल क्षेत्र अन्तर्गत सभी अस्पतालों, स्वास्थ्य केन्द्रों में चिकित्सक, पारा मेडिकल टीम तथा एम्बुलेंस की उपलब्धता हेतु सभी आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। साथ ही धनबाद, झरिया तथा सिन्दरी के अग्निशमन पदाधिकारी को पर्व के अवसर पर अग्निशमन वाहन एवं अग्निशमन यंत्र चालू अवस्था में रखने के लिए निर्देशित किया है। जिससे किसी प्रकार की अप्रिय घटना की सूचना प्राप्त होने पर अल्प अवधि में घटनास्थल पर पहुँचकर अग्नि से होने वाली संभावित दुर्घटना को रोका जा सके। इसके अलावा असामाजिक तत्वों तथा अवांछनीय तत्वों पर निगरानी रखने एवं पर्व में सौहार्द बनाए रखने के लिए सभी अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी तथा पुलिस उपाधीक्षक पर्व के अवसर पर अपने-अपने क्षेत्रों में सतत निगरानी रखते हुए गतिशील रहेंगे। वहीं क्षेत्रीय पदाधिकारी, प्रदूषण नियंत्रण पर्षद, धनबाद पर्व के अवसर पर अपने स्तर से यह सुनिश्चित करेंगे कि पटाखा फोड़ने की ध्वनि एवं प्रदूषण का स्तर माननीय न्यायालय के द्वारा पारित आदेश या जारी दिशा-निदेशों के तहत हो।

धनबाद मेयर पद पर युवा संघर्ष मोर्चा जनवादी के दिलीप सिंह होंगे उम्मीदवार, सभी वार्डों में भी उतारेंगे प्रत्याशी

नवप्रदेश/धनबाद। मनईटांड़ स्थित हरि मंदिर में रविवार को युवा संघर्ष मोर्चा (जनवादी) की एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता रवि सोनी एवं संचालन बड़े महतो ने किया। इस बैठक में संगठन के प्रवक्ता पप्पू सिंह मुख्य रूप से शामिल हुए। साथ ही बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि युवा संघर्ष मोर्चा (जनवादी) धनबाद नगर निगम चुनाव में मेयर पद सहित सभी वार्डों में पार्षद प्रत्याशी उतारेगा। बैठक में मोर्चा के संरक्षक दिलीप सिंह के नाम की प्रस्तावना मेयर पद के उम्मीदवार के रूप में की गई, जिसे सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से समर्थन दिया। बैठक को संबोधित करते हुए प्रवक्ता पप्पू सिंह ने कहा कि दिलीप सिंह कोरोना काल से ही लगातार जनता के बीच रहकर सेवा कार्य कर रहे हैं। उनके प्रयास से स्टेशन के दक्षिण छोर पर जर्जर सड़क का रेलवे द्वारा पुनः मरम्मती कराया गया। इसके अलावा वे हर शनिवार को शनि मंदिर बरमसिया और डीएवी स्कूल, पुराना बाजार के पास जरूरतमंदों के बीच सामग्री, फल और खिचड़ी का वितरण करते हैं। उन्होंने कहा कि दिलीप सिंह जैसे कर्मठ, ईमानदार और समाजसेवी व्यक्ति के नेतृत्व में धनबाद का कायाकल्प संभव है। खेल के क्षेत्र में भी वे युवा प्रतिभाओं को लगातार सहयोग करते रहे हैं। बैठक में बड़े महतो, दिवाकर सिंह, राजेश खटीक, पिंटू मोदी, अजय साव, विकास कुमार, बीरेंद्र कुमार सोनकर, मनु सिंह, रूपेश कुमार भगत, सतीश रवानी, गौरव, टिंकू, तर्क वरदन, अविनाश कुमार सिंह, रोशन कुमार सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

एक नजर

दीपावली व छठ पूजा पर हड्डी एवं दंत जांच शिविर का आयोजन

नवप्रदेश/धनबाद। त्योहारों के इस पावन अवसर पर सरायढेला क्षेत्र के मुरली नगर स्थित दुर्गा मंदिर परिसर में रविवार को निःशुल्क हड्डी एवं दांत जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का आयोजन स्थानीय सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से किया गया, जिसमें आरोग्य भारती के प्रतिनिधि भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। शिविर में धनबाद के प्रसिद्ध हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. अविनाश कुमार सिन्हा और दंत चिकित्सक डॉ. सुनीता सिन्हा अपनी पूरी टीम के साथ मौजूद रहे। उन्होंने मरीजों की जांच कर उन्हें उचित परामर्श दिया। इस दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने शिविर का लाभ उठाया और अपनी जांच करवाई। डॉ. अविनाश सिन्हा ने मौके पर लोगों को हड्डियों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि, समय-समय पर अपनी हड्डियों की जांच कराना बेहद जरूरी है, ताकि गठिया, जोड़ों का दर्द या अन्य हड्डी संबंधी समस्याओं से बचाव किया जा सके। खासकर उम्र बढ़ने के साथ शरीर में कैल्शियम की कमी और जोड़ों का दर्द बढ़ने लगता है, ऐसे में नियमित व्यायाम और संतुलित आहार बहुत जरूरी है। वहीं, डॉ. सुनीता सिन्हा ने दंत स्वास्थ्य के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि दांतों की नियमित सफाई और समय पर जांच से न केवल दांत मजबूत रहते हैं, बल्कि कई अन्य बीमारियों से भी बचाव होता है। कार्यक्रम में आरोग्य भारती के कार्यकताओं ने भी लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और नियमित स्वास्थ्य जांच कराने के लिए प्रेरित किया। आयोजकों ने बताया कि आने वाले समय में भी इस तरह के स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जाएगा। ताकि आम लोगों को निःशुल्क जांच और परामर्श की सुविधा मिल सके। स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शिविर से समाज के हर वर्ग के लोगों को स्वास्थ्य के प्रति सजग होने का अवसर मिलता है। स्वास्थ्य जांच शिविर में ओम हेल्थ केयर सेंटर के डॉक्टर अविनाश कुमार सिन्हा, डॉ. सुनीता सिन्हा, आरोग्य भारती के झारखंड प्रांतीय सचिव जयप्रकाश नारायण सिंह, महानगर सचिव दिनेश प्रसाद सिंह, सचिव बी पी पी सिन्हा, सचिव अजय कुमार सिंह, मेडिकल टीम से दीपक कुमार, मनीष ओझा, समीर कुमार भीम कुमार अहम योगदान था।

ओल्ड ऐज होम के बुर्जुगों के साथ एसडीएम स्कूल के बच्चों ने धूमधाम से दीपावली मनाया

नवप्रदेश/धनबाद। शनिवार को एसडीएम स्कूल के प्राचार्य ए के त्रिपाठी स्कूल के सभी शिक्षक व बच्चों ने सबलपुर के सहयोगी नगर स्थित वृद्धजनों के आश्रम ओल्ड एज होम के बुजुर्गो के साथ दिवाली धूमधाम से मनाया। बच्चों ने सभी बुर्जुगों को मिठाई खिलाकर आश्रम में अनार, फूलझड़ी और दिया जलाया। रंगोली बनाएं और बुर्जुगों संग नृत्य किया। विद्यालय की ओर से राशन भी आश्रम को भेंट किया गया। आश्रम के अध्यक्ष नौशाद गद्दी ने बच्चों से कहा सेवा को धर्म मानकर जीवन में आगे बढ़े। आश्रम के अध्यक्ष ने एसडीएम स्कूल के प्राचार्य एके त्रिपाठी को इस सहयोग के लिए स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। स्कूल के प्राचार्य ने आश्रम के अध्यक्ष नौशाद गद्दी को उनके सेवाकार्य की सराहना करते हुए कहा यदि हर घर मे एक नौशाद गद्दी बनेगा तो कोई माँ बाप बेघर नही होगे। मौके पर स्कूल के प्राचार्य ए के त्रिपाठी, अनिता कुमारी, रवि कुमार यश वर्धन, हर्ष वर्धन रुद्र, जय, अभिषेक, नेहा आदि उपस्थित थे। आश्रम के अध्यक्ष मो. नौसाद गद्दी,सचिव डॉ. डी. शरण, उपाध्यक्ष ओमकार मिश्रा, कार्यकारी अध्यक्ष बी. सुधीर, कार्यकारिणी सदस्य सुरेंद्र यादव, केयर टेकर बाबूजान सोरण ने एसडीम स्कूल के प्राचार्य एके त्रिपाठी समेत स्कूल के सभी शिक्षकों को बच्चों को आश्रम भ्रमण कराने के लिए धन्यवाद दिया।

बीसीसीएल में इनमोसा का एआईडीईओए में विलय, प्रमोशन, सुरक्षा की लड़ाई रहेगी जारी

नवप्रदेश/धनबाद। भारत कोकिंग कोल (बीसीसीएल) का एक मजबूत एम्पलाई संगठन इनमोसा का ऑल इंडिया डिप्लोमा ऑफिशियल एंड एसोशिएसन में पूर्ण रूप से विलय हो गया। धनबाद गांधी सेवा सदन में एक मिलन समारोह का आयोजन किया गया जिसमें बीसीसीएल इनमोसा के डिप्टी जनरल सेक्रेटरी कुश सिंह के नेतृत्व करीब 2 हजार लोगों ने ऑल इंडिया डिप्लोमा इंजीनियर ऑफिशियल एंड एसोशिएसन (ऐआईडीईओए) के राष्ट्रीय महासचिव आर.के. तिवारी की अध्यक्षता में शामिल हो गए। कुश सिंह ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि आज पूरे बीसीसीएल के इनमोसा का ऐआईडीईओए में विलय हो गया। इनमोसा एक मजबूत संगठन था लेकिन हाई लेवल से हमलोगों की अनदेखी की जा रही थी, जिसे लेकर विलय का निर्णय लिया गया। कहा कि हमलोगों यहां सम्मान मिल रहा है अब एक होकर लड़ाई लड़ेंगे। वही ऑल इंडिया डिप्लोमा इंजीनियर ऑफिशियल एंड एसोशिएसन के राष्ट्रीय महासचिव आर.के. तिवारी ने कहा कि भिलाई होने से संगठन मजबूत हुआ है, कहा कि हम लोगों का मुख्य रूप से प्रमोशन की लड़ाई रही है जिसे मिलकर प्रबंधन से लड़ेंगे साथ ही सुरक्षा को लेकर प्रबंधन और DGMS को पत्र दिया गया है। किसी भी कीमत पर सुरक्षा अनदेखी नहीं होने देंगे।

गिरिडीह में दीदी सेवा फाउंडेशन, टीम जेजे एवं स्माइल फॉर ऑल ने बच्चों संग मनाई दीपावली

गिरिडीह। दीपावली के पावन पर्व पर दीदी सेवा फाउंडेशन, टीम जे जे और स्माइल फॉर ऑल ने संयुक्त रूप से जिले के सुदूरवर्ती इलाकों में बच्चों और वृद्धजनों के साथ खुशियां साझा कीं। कार्यक्रम की शुरूआत स्नेहदीप वृद्धा आश्रम, गिरिडीह से हुई, जिसके बाद सोनबाद, मिशनरीज ऑफ चैरिटी अनाथ आश्रम और कोलड़ीहा क्षेत्र में दीप जलाकर एवं उपहार बांटकर उत्सव मनाया गया। इस दौरान वृद्धजनों को नए कपड़े और मिठाइयां दी गईं, जबकि बच्चों में मिठाई, पटाखे, फुलझड़ियां, दीपक, कॉपी-कलम, कपड़े और चॉकलेट वितरित किए गए। बच्चों की खुशी उनके मुस्कुराते चेहरों पर साफ झलक रही थी। संस्था के सदस्यों ने कहा कि मासूमों की मुस्कान देखकर दिल को सुकून मिलता है।दीदी सेवा फाउंडेशन के सदस्य परिणय सिन्हा ने बताया कि संस्था की संरक्षक जमुआ विधायक मंजू कुमारी के दिशा-निर्देश में यह सेवा कार्य लगातार जारी है। संस्था का मुख्य उद्देश्य गरीब, असहाय और जरूरतमंद लोगों के चेहरों पर मुस्कान लाना है। इस अवसर पर परिणय सिन्हा, सौरभ सहाय, श्रेयांश सौरभ, नेहा कुमारी, प्रिया वैदेही, श्रृष्टि गुप्ता, निकिता भदानी, काजल कुमारी, अश्मिता कुमारी, सुमन वर्मा, अंजली गुप्ता, शुभम सौरभ, समीर सिन्हा, ऋषिका गुप्ता, आकांक्षा, सोमन और अनुपम सिन्हा सहित कई सदस्य उपस्थित रहे।

उत्सव मेरे प्राण: भारतीयता का स्वर दीपावली

डॉ. शिवानी कटारा

जो हर युग में हमारे भीतर धर्म, प्रेम, शक्ति और एकता की ज्योति प्रज्वलित करते रहे हैं। भारत की आत्मा जब मुस्कुराती है, तो वह उत्सव के रूप में अभिव्यक्त होती है। यहाँ ऋतुएँ बदलती हैं तो पर्व जन्म लेते हैं, फसल पकती है तो त्यौहार मनाए जाते हैं, और जीवन के हर मोड़ पर कोई न कोई संस्कार साथ चलता है। विदेशी आक्रमणों के समय यही उत्सव हमारी सांस्कृतिक रक्षा-पंक्ति बने और भारतीय अस्मिता के प्रहरी रहे। सनातन संस्कृति में उत्सव मात्र परंपरा नहीं, बल्कि भारत की वास्तविक प्राणशक्ति हैं। भारतीयता के स्वर, जो सनातन संस्कृति से उद्भूत हैं, उनमें उत्सव जीवन के मधुर राग बनकर प्रवाहित होते हैं। हर उत्सव किसी गहन दर्शन से जुड़ा है। महर्षि पतंजलि ने कहा योगश्चित्तवृत्तिनिरोधः, अर्थात योग मन की वृत्तियों का निरोध है।

भारतीय उत्सव केवल पर्व नहीं, बल्कि सनातन चेतना के दीप हैं – जो हर युग में हमारे भीतर धर्म, प्रेम, शक्ति और एकता की ज्योति प्रज्वलित करते रहे हैं। भारत की आत्मा जब मुस्कुराती है, तो वह उत्सव के रूप में अभिव्यक्त होती है। यहाँ ऋतुएँ बदलती हैं तो पर्व जन्म लेते हैं, फसल पकती है तो त्यौहार मनाए जाते हैं, और जीवन के हर मोड़ पर कोई न कोई संस्कार साथ चलता है। विदेशी आक्रमणों के समय यही उत्सव हमारी सांस्कृतिक रक्षा-पंक्ति बने और भारतीय अस्मिता के प्रहरी रहे। सनातन संस्कृति में उत्सव मात्र परंपरा नहीं, बल्कि भारत की वास्तविक प्राणशक्ति हैं।

भारतीयता के स्वर, जो सनातन संस्कृति से उद्भूत हैं, उनमें उत्सव जीवन के मधुर राग बनकर प्रवाहित होते हैं। हर उत्सव किसी गहन दर्शन से जुड़ा है। महर्षि पतंजलि ने कहा योगश्चित्तवृत्तिनिरोधः, अर्थात योग मन की वृत्तियों का निरोध है। उत्सव वही योग हैं – जहाँ व्यक्ति मैं से ऊपर उठकर हम में विलीन होता है, क्योंकि धर्म जीवन से अलग नहीं, बल्कि उसका स्वाभाविक और गतिशील अंग है। दीपावली इसका श्रेष्ठ उदाहरण है – जो अध्यात्म, संस्कृति, मानवता, नारी, प्रकृति, सत्य और सह-अस्तित्व के स्वरों को एक साथ झंकृत करती है।

भारतीयता का प्रथम स्वर अध्यात्म का है – वह आंतरिक प्रकाश जो बाहरी जगमगाहट से कहीं अधिक स्थायी और सार्थक है। जब हम दीप प्रज्वलित करते हैं, तो वस्तुतः अपने भीतर के अंधकार को दूर कर आत्मप्रकाश की ओर अग्रसर होने का संकल्प लेते हैं। भगवान राम की अयोध्या वापसी उसी दिव्य यात्रा का प्रतीक है – जहाँ अंधकार पर ज्ञान, असत्य पर सत्य और अधर्म पर धर्म का आलोक विजयी होता है। बृहदारण्यक उपनिषद् की वाणी ह्लतमसो मा ज्योतिर्गमयह्व आज भी प्रासंगिक है, क्योंकि आधुनिक जीवन के तनाव, अपेक्षाएँ और आत्मकेंद्रितता हमें भीतर लौटने की आवश्यकता दिखाते हैं। आज Gen-Z जब माइंडफुलनेस और सेल्फ-अवेयरनेस की बात करती है, तो दीपावली सिखाती है कि सच्चा प्रकाश किसी स्क्रीन पर नहीं, बल्कि हमारे भीतर की सजगता, संयम और चेतना में है।

भारतीयता का दूसरा स्वर संस्कृति का है जो विविधता में एकता का उज्ज्वल संदेश देता है। दीपावली इस भावना को मूर्त करती है, जब पूरा भारत एक ही आलोक में दिखता है – उत्तर में राम की विजय, दक्षिण में कृष्ण का नरकासुर-वध, पूर्व में माँ काली की आराधना और पश्चिम में नए वर्ष का स्वागत। रूप अलग हैं, पर भाव एक – अंधकार से प्रकाश की यात्रा। यही विविधता भारतीयता की पहचान है, जैसा ऋग्वेद कहता है – एकं सत विप्रा बहुधा वदन्ति, सत्य एक, रूप अनेक; यही स्वर वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना को भी सजीव करता है।

यही वह क्षण है जब भारतीयता का स्वर आधुनिकता से संवाद करता है जहाँ सनातन परंपरा आधुनिकता को विरोध नहीं, बल्कि पूरक दृष्टि से देखती है। बल्कि मिट्टी के दीयों को फिर से लोकप्रिय बनाकर संस्कृति और प्रकृति से जुड़ने वाली नई भारतीयता की आवाज बन रही हैं। यही आधुनिक भारतीयता का सार है – जहाँ परंपरा प्रकाश देती है और आधुनिकता दिशा।

भारतीयता का अगला स्वर मानवता और सह-अस्तित्व का है जो सिखाता है कि जीवन का अर्थ केवल अपने सुख में नहीं, बल्कि साझा आनंद में है। अयोध्या का दीपोत्सव इसी का प्रतीक है, जब पूरा नगर अपने नायक के साथ जुड़कर धर्म और नैतिक व्यवस्था की पुनर्स्थापना का उत्सव मनाता है, और लोग स्वयं को एकजुट और सुरक्षित महसूस करते हैं। अतः दीपावली सामूहिक आनंद (Commumnity Celebration) और सामाजिक एकता का अनुष्ठान है, जो संदेश देता है कि प्रकाश तभी सार्थक है जब वह दूसरों तक पहुँचे। आज की युवा पीढ़ी विशेषकर Gen-z – जब सामाजिक प्रभाव मानसिक स्वास्थ्य और सामुदायिक निर्माण की बात करती है, तो वे अनजाने में उसी भारतीय परंपरा को आधुनिक संदर्भ में जी रही होती हैं। जब युवा झुग्गियों में दीप जलाते हैं, वह क्षण सह-अस्तित्व और करुणा के जीवंत प्रतीक बन जाता है।भारतीयता का चौथा स्वर नारीशक्ति है – सृजन, संतुलन और संवेदना का प्रतीक, जिसकी दीपावली में माँ लक्ष्मी के रूप में आराधना होती है; पर आज की लक्ष्मी केवल धन की नहीं, बल्कि ज्ञान, विवेक और नेतृत्व की देवी हैं। जब माताएँ श्रम और सौंदर्य से घर सजाती हैं, तो यह इंगित करता है कि भक्ति और सौंदर्य विरोधी नहीं, बल्कि एक ही साधना के दो आयाम हैं। आज की युवा नारी उसी ज्योति का आधुनिक स्वरूप है – जो परंपरा में आत्मविश्वास और आधुनिकता में मर्यादा का प्रकाश लाती है। छोटी दीपावली भी उसी स्मृति की लौ है जब कृष्ण ने नरकासुर से सोलह हजार स्त्रियों को मुक्त किया। यह प्रसंग स्मरण कराता है कि नारी सम्मान और स्वतंत्रता भारतीय चेतना का मूल है। यह अन्याय के विरुद्ध सामाजिक प्रतिरोध को उद्बोधित करता है – बताते हुए कि धर्म मात्र पूजा-पाठ नहीं, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व और नैतिक साहस का सजीव प्रकाश है। भारतीयता का अगला स्वर प्रकृति-सामंजस्य का है। मिट्टी के दीपक, फूलों की मालाएँ और गोबर की सजावट सिखाती हैं कि जीवन का सौंदर्य प्रकृति के संतुलन में है। मिट्टी के दीये और बर्तन जीवन की क्षणभंगुरता के प्रतीक हैं और याद दिलाते हैं कि रूप, धन और सत्ता अंततः मिट्टी में लौट जाते हैं।

दीपावली के अगले दिन मनाया जाने वाला अन्नकूट पर्व भारतीय कृषि-संस्कृति का उज्ज्वल प्रतीक है। इस दिन भगवान कृष्ण ने इंद्र की पूजा त्यागकर गोवर्धन पर्वत और गौवंश की आराधना का संदेश दिया – कि सच्चा धर्म केवल देवताओं की उपासना में नहीं, बल्कि प्रकृति और अन्नदाता के प्रति आदर में निहित है। बलराम का हलधर रूप कृषि और श्रम की पवित्रता का प्रतिनिधित्व करता है। विविध अन्नों से सजा अन्नकूट वेदवाक्य अन्नं ब्रह्म – अन्न ही ब्रह्म है – की सजीव व्याख्या है। आज जब Gen-z हरित (Eco-friendly) Diwali का संकल्प लेती है, तो वह प्राचीन कृषि-दर्शन को आधुनिक रूप देती है – यह दशार्ते हुए कि सच्चा विकास विवेक और पर्यावरणीय संतुलन में निहित है – यही आधुनिक भारतीयता का सार है, जहाँ प्रकाश का अर्थ सचेत जीवन है। दीपावली का अंतिम और सबसे प्रभावी स्वर सत्य, कर्तव्य और मर्यादा का है – जो केवल उपदेश नहीं, जीवन का आचरण है। भगवान राम की विजय मर्यादा, सत्य और करुणा की पुनर्स्थापना थी, यह सिखाते हुए कि सच्ची शक्ति शस्त्र में नहीं, आत्मसंयम और चरित्र में है – सत्यं वद, धर्मं चर। इसी संदर्भ में माता लक्ष्मी की कथा बताती है कि समृद्धि संघर्ष (मंथन) से उत्पन्न होती है, न कि संयोग से। लक्ष्मी पूजन स्मरण कराता है कि अर्थव्यवस्था भौतिक नहीं, बल्कि आध्यात्मिक प्रक्रिया है। एक धर्मनिष्ठ अर्थव्यवस्था में धन साधन है, साध्य नहीं; वह तभी पवित्र है जब मानवता की सेवा में हो। आर्थिक दृष्टि से भी दीपावली व्यापार का नया वर्ष और आर्थिक नवचेतना का प्रतीक है।

इस समय समाज में विनिमय और पुनर्वितरण की प्रक्रिया सक्रिय होती है। उपहार, मिठाई और वस्त्रों का आदान-प्रदान केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि पारस्परिकता का प्रतीक है जो सामाजिक संबंधों को सुदृढ़ करता है। अतः सामाजिक दृष्टि से दीपावली सांस्कृतिक एकात्मता और सामूहिक पुनर्जागरण का उत्सव है, जबकि आध्यात्मिक दृष्टि से यह अंधकार से प्रकाश, स्वयं से विश्व और क्षण से अनंत की ओर अग्रसर एक शाश्वत यात्रा है – जहाँ प्रत्येक दीप कहता है, मैं जलता हूँ ताकि कोई अंधेरे में न रहे यही भारतीयता का प्रखर स्वर है – जो जीवन को समग्र सृष्टि के कल्याण हेतु जीने की प्रेरणा देता है।

ग्रीन पटाखों के साथ संयम भी जरूरी

दिवाली मनाने के उत्साही लोगों की आकांक्षाओं के अनुरूप सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली और एनसीआर में कुछ शर्तों के साथ ग्रीन पटाखे जलाने की अनुमति दे दी है। इसके बावजूद स्वच्छ हवा बनाए रखने व प्रदूषण नियंत्रण के लिए हमारे संयम व जिम्मेदार व्यवहार की जरूरत होगी। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि हमारी राष्ट्रीय राजधानी दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानियों में शुमार है। दुनिया के बीस शीर्ष प्रदूषित शहरों में करीब आधे भारत में हैं। पर्व, आस्था व विश्वास अपनी जगह हैं, लेकिन प्राणवायु का स्वच्छ रहना लाखों लोगों के जीवन का प्रश्न भी है। यही वजह है कि दिल्ली-एनसीआर में कुछ शर्तों के साथ दीपावली पर ग्रीन पटाखों की अनुमति देते वक्त सुप्रीम कोर्ट ने संतुलित दृष्टिकोण अपनाने की नसीहत दी है, जिससे हमारी आस्था

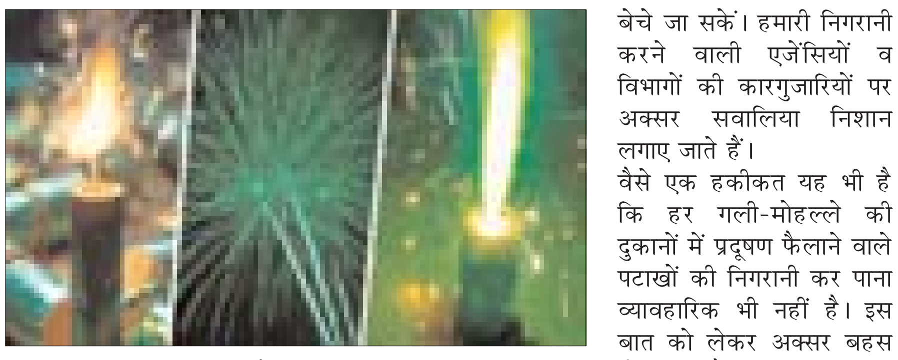

का सम्मान हो सके और पर्यावरण की रक्षा भी हो। निस्संदेह, कोर्ट के फैसले से वे लोग उत्साहित होंगे, जो ग्रीन पटाखे चलाने की अनुमति चाहते थे। लेकिन इसका एक पक्ष यह भी है कि पर्यावरण संरक्षण से जुड़े लोग इससे निराश हो सकते हैं। पर्यावरण प्रेमियों की चिंता वाजिब है। अक्सर देखा जाता है कि ग्रीन पटाखे जलाने वालों पर नियामक एजेंसियां निगरानी नहीं रख पाती हैं। चिंता की बात यह भी है कि ग्रीन पटाखों के नाम पर घातक पटाखे भी जलाए जा सकते हैं। विगत के अनुभव बताते हैं कि अदालती रोक के बावजूद त्योहार पर जमकर आतिशबाजी हुई थी। दरअसल, कुछ लोगों की दलील थी कि पर्व विशेष पर ही प्रदूषण के नाम पर रोक लगाई जाती है, जिससे त्योहार का रंग फीका हो जाता है। कुछ लोगों ने इसे प्रतिष्ठा का प्रश्न भी बना लिया। लेकिन सवाल यह है कि यह कैसे सुनिश्चित हो पाएगा कि ग्रीन पटाखों की आड़ में घातक पटाखे नहीं बेचे जा सकें। हमारी निगरानी करने वाली एजेंसियों व विभागों की कारगुजारियों पर अक्सर सवालिया निशान लगाए जाते हैं।

वैसे एक हकीकत यह भी है कि हर गली-मोहल्ले की दुकानों में प्रदूषण फैलाने वाले पटाखों की निगरानी कर पाना व्यावहारिक भी नहीं है। इस बात को लेकर अक्सर बहस होती रही है कि परंपरागत रूप से दिवाली में पटाखों की अनिवार्यता नहीं रही है। निस्संदेह, दीप पर्व उजाले का उत्सव है, ताकि धरा पर कहीं अंधेरा न रह जाए, गरीब की झोपड़ी भी रोशन हो, समृद्धि हर घर तक पहुंचे। सही मायनों में पर्व सामूहिकता की भावना पर केंद्रित होते हैं। ऐसे में यदि हम घातक पटाखे जलाकर श्वास रोगों से पीड़ित मरीजों से लेकर आम आदमी को मुश्किल में डाल दें, तो यह पर्व का मर्म नहीं कहा जा सकता। वैसे ग्रीन पटाखों के बारे में भी निश्चित रूप से नहीं कहा जा सकता कि उनके उत्पादन के दौरान निर्धारित मानकों का पालन किया गया हो। पटाखे जिस गुणवत्ता से बनते और बिकते हैं, कहना मुश्किल ही है कि वे वास्तव में पर्यावरण के अनुकूल होंगे। वैसे यह भी हकीकत है कि दिल्ली में हर साल ठंड की दस्तक के साथ बढ़ने वाले घातक प्रदूषण के लिए सिर्फ पटाखे ही जिम्मेदार नहीं होते। मौसम की प्रतिकूलता तथा जनसंख्या के बढ़ते घनत्व के कारण महानगरों में बहुमंजिला इमारतों के विस्तार से भी हवा का प्राकृतिक प्रवाह बाधित होता है, जिसके चलते प्रदूषण की परत दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी और निकटवर्ती शहरों के ऊपर छाई रहती है। निस्संदेह, पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कार्यकताओं के साथ-साथ आम नागरिकों को भी पटाखों के सीमित व संयमित उपयोग के बारे में गंभीरता से विचार करना चाहिए। बहरहाल, सुप्रीम कोर्ट के दिल्ली व एनसीआर में ग्रीन पटाखे चलाने की अनुमति देने के फैसले के आलोक में कहा जा सकता है कि शेष देश में भी प्रदूषण रोकने के लिए गंभीर पहल की जानी चाहिए। देश के कई अन्य बड़े शहर दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में दर्ज हैं।

वहीं दूसरी ओर केवल सर्दियों में ही प्रदूषण नियंत्रण की पहल नहीं की जानी चाहिए। यह साल भर निरंतर चलने वाली प्रक्रिया बननी चाहिए। इसके अलावा जरूरी है कि प्रदूषण फैलाने वाले अन्य कारकों पर नियंत्रण किया जाए। हम अक्सर पटाखे व पराली जलाने पर जिम्मेदारी डालकर अन्य प्रदूषण के कारकों को नजरअंदाज कर देते हैं।

आत्म परिष्कार का पर्व है दीपावली

देशभर में दीप पर्व मनाया जा रहा है। भारत के सभी प्रान्तों में यह पर्व आनंद और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। दुनिया भर में बसे और काम करने गए भारतवंशी अपने-अपने तरीके से दीपावली मना रहे हैं। अयोध्या का तो आनंदातिरेक ही अलग है। यहां त्रेतायुग की तरह दीपावली मनाई जा रही है। नौ वर्षों से अयोध्या में भव्य और दिव्य दीपोत्सव मनाया जा रहा है। साल-दर- साल वहां दीप प्रज्ज्वलन के पुराने रिकॉर्ड टूट रहे हैं। नए रिकॉर्ड बन रहे हैं। देश-दुनिया के लोग इस विहंगम दृश्य को देखने के लिए आते हैं और सरकार के प्रयासों की मुक्त कंठ से प्रशंसा भी करते है। जो नहीं आ पाते, वे अपने कंप्यूटर, लैपटॉप, टेलीविजन और मोबाइल पर इस अद्भुत दृश्य के साक्षी बनते हैं। किसी पर्व को लोकरंजन, नवोन्मेष और अर्थोत्पादन का हेतु कैसे बनाया जा सकता है, दीपावली समूह के त्योहार इसकी विशद व्याख्या करते हैं।

दीपावली पर्व के प्रथम चरण धनतेरस पर अरबों-खरबों रुपए का कारोबार हर साल होता है। इस साल भी हुआ है। छोटी दिवाली पर अयोध्या में तकरीबन 29 लाख दीपकों का जलना कुंभकारों की अर्थव्यवस्था को संजीवनी दे गया है। लक्ष्मी, गणेश और कुबेर की मूर्तियां बनाने वाले मूर्तिकार भी प्रमुखता से लाभान्वित हुए हैं। मतलब देश के धन का देश में ही पर्याप्त विनिमय हो रहा है। यह

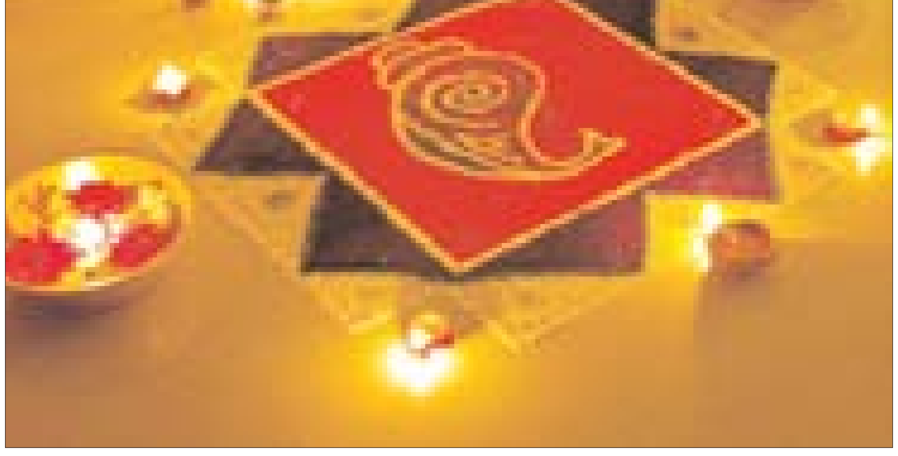

एक तरह से स्वदेशी का शंखनाद ही है। वैसे तो यह परम्परा आदिकाल से चली आ रही है, लेकिन तब इसमें आज की तरह का नवोन्मेष भले न रहा हो लेकिन उसमें सहजता और वैज्ञानिकता दोनों थी। तब दीपक जलाने की व्यवस्था राजा को नहीं करनी पड़ती थी। वह केवल इस अवसर पर 7 या 9 दिन के मेलों का आयोजन करता था,जिसमें प्रजा जन न केवल भाग लेते थे, अपितु स्वस्थ मनोरंजन भी प्राप्त करते थे। पहलवानों, कलाकारों पर दांव लगाकर एक तरह से उन्हें प्रोत्साहित भी करते थे। दीपावली उनके उत्साह और उमंग का हेतु तो थी लेकिन आज की तरह का दिखावा बिल्कुल नहीं थी। उसमें सर्वजन की खुशी निहित थी। जिस तरह दीपक सबके लिए जलता है, उसी तरह व्यक्ति को अपने साथ ही सबकी जिंदगी में रोशनी बिखेरने की कोशिश करनी चाहिए।

भारत में दिवाली मनाने का कोई एक ठोस कारण नहीं है। अलग-अलग ग्रंथों में अलग-अलग कारण बताए गए हैं। अधिकांश में दीपमालिका पर्व के तत्वदर्शन की लगभग सुस्पष्ट व्याख्या है। बस उसे समझने और उस पर मनन करने की जरूरत है। रावण वध के उपरांत भगवान राम की अयोध्या वापसी के उपरांत उनके स्वागत में घर-घर, गली, चौराहों और रास्तों पर दीप जलाने का जो सिलसिला तब शुरू हुआ, वह आज तक चला आ रहा है। मौजूदा दीपावली और उसके उल्लास को कमोबेश इसी रूप में देखा जा सकता है।

भगवान श्रीकृष्ण ने कार्तिक माह की कृष्ण चतुर्दशी को भगवान श्रीकृष्ण ने नरकासुर का वध कर उसके चंगुल से 16 हजार राजकुमारियों का उद्धार किया था। कृतज्ञता ज्ञापन स्वरूप दीपावली के दिन आरती-वंदन कर उनका नागरिक अभिनंदन किया गया था। तब से यह परंपरा चली आ रही है। महाभारत में इस बात का उल्लेख मिलता है कि 12 वर्ष के वनवास और एक साल के अज्ञातवास के बाद अपने राज्य में लौटे पांडवों का दीपमालिका सजाकर अभिनंदन किया गया था। स्कन्द पुराण,भविष्य पुराण और पद्म पुराण में दीपावली को लेकर अलग-अलग मान्यताएं हैं। अलग-अलग आख्यान है लेकिन उन सबमें दीपदान और लक्ष्मी पूजन सर्वांगसम है। महाराज पृथु ने पृथ्वी का दोहन कर अन्न-धन प्राप्ति के साधनों का नवीनीकरण किया था और इस बहाने देश की दरिद्रता दूर की थी। इस सफलता के उपलक्ष्य में देश में दीपावली का प्रादुर्भाव हुआ था।

सनत्कुमार संहिता में दीपावली पर्व को वामन अवतार और राजा बलि के कब्जे से देवी लक्ष्मी और देवताओं को छुड़ाने और धरती को श्रीसम्पन्न बनाने से जोड़ा गया है। दैत्यराज बलि द्वारा भारी कराधान आदि से लूटे गए धन को संसार में विभक्त कर दिया था। इस लिहाज से देखा जाए तो यह उस दौर की सबसे बड़ी आर्थिक क्रांति थी। जैन धर्म के ग्रंथ कल्पसूत्र में लिखा है कि आज ही के दिन भगवान महावीर ने अपना शरीर छोड़ा था। तब देश-देशांतर से आए उनके शिष्यों ने निश्चय किया था कि ज्ञान सूर्य तो अस्त हो गया, अब दीपों का प्रकाश कर हमें यह दिन मनाना चाहिए। बौद्ध धर्म में भगवान बुद्ध ज्ञान प्राप्ति के उपरांत कार्तिक अमावस्या को ही कपिलवस्तु लौटे थे।

महर्षि कात्यायन ने अपने ग्रंथ काम सूत्र में तत्कालीन माहिमान्य उत्सव दीपावली को यक्षरात्रि के रूप में निरूपित किया है। सातवी सदी में हर्षवर्धन ने अपने नाटक नागानंद में दीपप्रतिपदुत्सव कहा है। उस दौर के ग्रंथ नील मत पुराण में कार्तिक अमायां दीप वर्णनम नामक एक अध्याय मिलता है। पुराणों में दीपावली को महानिशा कहा गया है। तांत्रिकों,मांत्रिकों और यांत्रिकों के लिए यह महापर्व है। यह महालक्ष्मी के आठो स्वरूपों के पूजन का पर्व तो है ही, साधना, उपासना, जागरण और जाप्य मंत्र की सिद्धि का भी पर्व है। दीपक आत्मा का प्रतीक है। सातवी सदी में हर्षवर्धन ने अपने नाटक नागानंद में दीपप्रतिपदुत्सव कहा है। उस दौर के ग्रंथ नील मत पुराण में कार्तिक अमायां दीप वर्णनम नामक एक अध्याय मिलता है। पुराणों में दीपावली को महानिशा कहा गया है। तांत्रिकों,मांत्रिकों और यांत्रिकों के लिए यह महापर्व है। यह महालक्ष्मी के आठों स्वरूपों के पूजन का पर्व तो है ही, साधना, उपासना, जागरण और जाप्य मंत्र की सिद्धि का भी पर्व है।

दीपक आत्मा का प्रतीक है। भगवान बुद्ध ने भी यही निर्देश दिया है कि अप्प दीपो भव। अपना दीपक खुद बनो। दीपक प्रकाश का प्रतीक है। ज्ञान का प्रतीक है। साधना और पुरुषार्थ का प्रतीक है। महाराज मनु के दौर से ही कार्तिक भर अपने घरों के साथ ही, नदियों, तालाबों, कुंओं, धर्मशालाओं, बागों व सार्वजनिक स्थलों पर रात में दीपक जलाने की परंपरा रही है। इसकी वजह यह है कि वर्षा ऋतु में विषैले जीव जंतु निकल आते हैं। दिन के उजाले में तो उन्हें देखा जा सकता है, लेकिन रात्रि के अंधेरे में वे

स्वावलंबी विकास की ओर

इस साल दीपावली का पर्व देश के लिए इस अर्थ में विशेष है कि वह हमें स्वयं की पहचान के लिए आमंत्रित कर रहा है। इसका तकाजा है कि हम विभिन्न प्रकार के भ्रमों के आवरण से मुक्त हो कर प्रकाश का वरण करें। राह में आते तिमिर को दूर करने के लिए प्रकाश का यह पर्व हमें स्वयं को जगा कर ज्योति का वाहक बनने के लिए प्रेरित करता है। अपनी शक्ति को पहचानना ही वह आधार है जो आज की वैश्विक अस्थिरता और उथल-पुथल वाले अनिश्चय के वातावरण में हमें सहारा दे सकेगा। आज के जटिल होते परिवेश में इसे सुखद आश्चर्य ही कहेंगे कि तमाम विघ्न-बाधाओं को पार करते हुए भारत धन-धान्य की दृष्टि से अनेक देशों की तुलना में और स्वयं अपने पिछली उपलब्धियों की तुलना में उल्लेखनीय रूप से संतोषजनक स्थिति में है। भारत की आर्थिक उन्नति निरंतर प्रगति दर्ज कर रही है। विश्व की चौथी अर्थव्यवस्था के रूप में उभर कर भारत ने विश्व को गंभीर संदेश दिए हैं। घरेलू मांग में बढ़त और आर्थिक नीतियों में महत्वपूर्ण सुधार जैसे कदम भारत को वैश्विक पूँजी प्रवाह का एक प्रमुख केंद्र बना रहे हैं। मंहगाई में कमी, रोजगार के अवसरों में वृद्धि और ग्राहकों के उत्साह के साथ बाजार के मजबूत होने के लक्षण दिख रहे हैं। भविष्य में जीडीपी में वृद्धि की पूरी संभावना है। आर्थिक दुनिया में अन्य देशों के साथ आयात-निर्यात के लिए चुनौतियों का दौर चल रहा है। इससे निपटने के लिए विश्व में नए बाजार तलाशे जा रहे हैं और कई देशों के साथ नए समीकरण भी बन रहे हैं। अनुमान है कि हमारी अर्थव्यवस्था वर्ष 2030 तक 7.3 ट्रिलियन जीडीपी के साथ विश्व में तीसरे स्थान पर पहुँच जायेगी। इसके साथ ही जनसंख्या में युवा लोगों की बड़े अनुपात में उपस्थिति विकास के अवसर के संकेत उपलब्ध करा रही है। परिवर्तन की बयार लोगों की क्रय-शक्ति में वृद्धि, आधारभूत संरचना में सुधार और खाद्य उत्पादन में बढ़ोतरी में झलक रही है। कुल मिला कर समग्रता में यह दृश्य संतोषजनक स्थिति बयान करता है और गौरव बोध भी कराता है। यह उपलब्धि इसलिए भी उल्लेखनीय है कि यह सब देश के अंदर बाहर की कई चुनौतियों के बीच हो रहा है। देश की सीमाओं के निकट सामरिक हलचलों पर भी काफी हद तक काबू पाया गया है। सैन्य बल की सामर्थ्य आतंकी शत्रु को परास्त करने और उसके ठिकानों को ध्वस्त करने में सफल रही है। ज्ञानझविज्ञान और खेलकूद के क्षेत्र में भी उपलब्धि रेखांकित हुई है। यह दृश्य आम भारतीय को उत्साहित और प्रोत्साहित करता है। तेजी से बदल रहे वैश्विक परिदृश्य में हम ऐसा बहुत कुछ होते देख रहे हैं जो विश्व की मानवता के हित में नहीं है। वह हमें सावधान तथा सचेत रहने के लिए प्रेरित करता है। इस वैश्विक बदलाव का एक प्रमुख संकेत यह है कि दूसरे देश से उधार लेने या खरीदने की जगह देश को स्वयं अपने ही संसाधनों को विकसित करना होगा। स्वदेशी को अपनाना और आत्मनिर्भर होना हमारी पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। दूसरे शब्दों में हमें स्वदेशी सोच और व्यवस्था को पहचान कर उसे अमल में लाना होगा। ऐसा करना कदापि सरल नहीं है क्योंकि हम लगभग दो सदियों के औपनिवेशिक राज के दौर में परायी दृष्टि के जाल में ऐसे फंसे कि उससे उबरना कठिन होता गया। आधुनिकता के छद्म आवरण में उसे ही सही और उपयुक्त मान कर उसी का अवलंबन करते रहे। अंग्रेजों ने जबरी बदलाव लाद दिया था और भयानक रूप से शोषण किया पर दुर्योग से उसी की भाषा, उसी की शिक्षा, उसी के भाव, उसी की वेश-भूषा उसी की संस्थागत सोच और उन्हीं जैसी मूल्य व्यवस्था तक को हमने अंगीकार कर लिया। उन्हीं जैसा बनने की लालसा के चलते यह परम्परा देश के स्वतंत्र होने के बाद भी जारी रही और हम मन और बुद्धि से स्वाधीन न हो सके। ज्ञान-विज्ञान के बौद्धिक क्षेत्र में पश्चिम का वर्चस्व अकुंठित भाव से सतत प्रवह्मान रहा। देशज प्रयास हुए ही नहीं, ऐसा तो नहीं कहा जा सकता परंतु वे कमजोर थे। बहुत सारे देशी सामाजिक-आर्थिक और शैक्षिक प्रयोगों की अवधारणा को स्वामी विवेकानंद, महात्मा गांधी, गुरुदेव रबींद्रनाथ टैगोर, ज्योतिबा फुले, संत विनोबा भावे, जयप्रकाश नारायण, राममनोहर लोहिया, दीनदयाल उपाध्याय और नानाजी देशमुख प्रभृति अनेक महानुभावों ने आगे बढ़ाई और कई तरह के उपक्रम भी शुरू हुए। अनेक छोटी-बड़ी संस्थाओं और व्यक्तियों ने देश के विभिन्न भागों में भी अपने अपने ढंग से सार्थक बदलाव लाने की पहल शुरू की पर व्यापक योजना और जमीनी वास्तविकता निश्चत रूप से मुख्यतः पश्चिम की अनुगामिनी ही बनी रही। व्यवहार के स्तर पर शिक्षा-दीक्षा, नियम-कानून और तौर-तरीके सब में हमने पश्चिम को ही अपने लिए मानक बना लिया और उसका अभ्यास भी करते रहे। पाश्चात्य विचारों की तीव्र आंधी भारतीय प्रयास प्रयास प्रायः उखड़ते गए और जो शेष बचा वह निष्प्रभ रहा। जो भी देशज था उसको अविश्वसनीय और अनुपयोगी मानते हुए हम उससे मुक्त होते रहे। उसके पुरावशेष टूटी-फूटी लड़खड़ाती संस्थाओं के रूप में आज भी जीवित हैं। दूसरी ओर पश्चिमी आयात को बिना विचार किए और उसकी उपयुक्तता को जांचे बगैर अपनाते और ओढ़ते रहे। हम अपने को उसके अनुकूल बनाते रहे। इस प्रक्रिया में हम अपने मूल स्वभाव में बदलते चले गए और जो अपना था उसके प्रति संदेह और अविश्वास का भाव विकसित करते रहे। पश्चिम द्वारा स्वीकृति या अस्वीकृति को ही अपने निर्णय और कार्य का आधार बनाते रहे। औपनिवेशिकता के व्यापक प्रभाव में प्रामाणिकता का केंद्र भारत से खिसक कर पश्चिम में चला गया। अज्ञान और भ्रम से आगे बढ़ कर पश्चिम पर हमारी अतिरिक्त निर्भरता कई तरह के प्रलोभनों का सबब बनती गई। इस तरह हमारी अपनी समझ पराए ढांचे में पराए निहित उद्देश्यों की पूर्ति का साधन बन गई। इन सबके बीच हम अबोध बने रहे।

पौलेंड ने बनाई दुनिया की सबसे बड़ी बर्फ की भूलभुलैया 10 टेनिस कोर्ट से भी बड़ी

पोलैंड के एक छोटे से शहर जैकोपेन के स्नोलैंडिया विंटर थीम पार्क में बनीं दुनिया की सबसे बड़ी बर्फ की भूलभुलैया देखने के लिए पर्यटक पहुंच रहे हैं। यह क्षेत्र विंटर स्पोर्ट्स के साथ-साथ पर्यटन के लिए लोकप्रिय डेस्टिनेशन है और खासकर स्की रिसॉर्ट है।

यहां बनी बर्फ की भूलभुलैया 10 टेनिस कोर्ट से भी बड़ी है। भूलभुलैया बनाने के लिए 60,000 से ज्यादा आइस ब्लॉक्स का इस्तेमाल किया गया था। इसे लगभग 50 कारीगरों ने बनाया, जिन्हें करीब 1 महीने का समय लगा था। उन्होंने एक 16 मीटर लंबा बर्फ का महल भी बनाया है। रात के समय यहां बहुत अच्छी कलरफुल लाइटिंग से पूरा क्षेत्र जगमगा उठता है।

समुद्र तट पर बना दुनिया का एकमात्र स्केट पार्क है वेनिस बीच स्केट पार्क

कैलिफोर्निया का वेनिस बीच पर्यटकों और वहां के रहवासियों के लिए हॉटस्पॉट है। प्रशांत महासागर के खूबसूरत नज़ारों को निहारने और रेत में आराम फरमाने की अच्छी खासी जगह है। लेकिन वेनिस बीच का सबसे लोकप्रिय डेस्टिनेशन अगर कोई है, तो वह है वेनिस बीच स्केट पार्क। स्केटबोर्डिंग करने वालों के लिए यह शानदार जगह है।

साल 2009 से स्केटबोर्डर्स के लिए यह खास जगह बन गया और यह स्केट पार्क दुनिया का एकमात्र स्केट पार्ट है जो कि ठीक समुद्र तट पर स्थित है। यह उन सभी के लिए निःशुल्क और खुला है जो कि स्केट करना पसंद करते हैं। यह 16 हजार वर्ग फीट में बना पार्क है और इसके निर्माण की लागत 35 लाख डॉलर है।

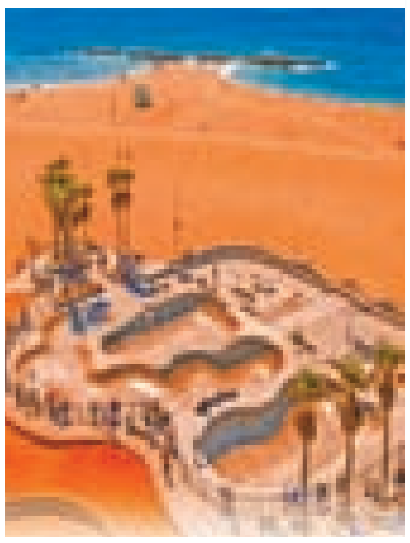

दुनिया का सबसे छोटा इंटरनेशनल ब्रिज

जिसका एक छोर कनाडा में तो दूसरा न्यूयॉर्क में

क्या आप दुनिया के सबसे छोटे इंटरनेशनल ब्रिज के बारे में जानते हैं? वो ब्रिज, जिसका एक छोर कनाडा में है तो दूसरा न्यूयॉर्क में पड़ता है? इन दोनों आइलैंड का मालिक एक ही है. ऐसे में वो शख्स अपने मन-मुताबिक, किसी देश में नाश्ता कर सकता है तो किसी देश में डिनर. जानिए इस अनोखे ब्रिज की दिलचस्प कहानी...

दुनियाभर में कई ऐसी जगहें हैं, जिनके बारे में जानकर हैरानी होती है. पहली बार में उन जगहों की मौजूदगी पर यकीन कर पाना मुश्किल होता है. लेकिन असलियत जानने के बाद हर कोई चौंक जाता है. आज हम आपको एक ऐसी ही जगह के बारे में बताने जा रहे हैं. अगर आपसे पूछा जाए कि क्या आप दुनिया के सबसे छोटे अंतरराष्ट्रीय ब्रिज के बारे में जानते हैं? शायद ज्यादातर लोगों को इस बारे में जानकारी नहीं होगी. लेकिन आपको बता दें कि ये पुल जहां पर बना है, वहां रहने वाला शख्स अपनी मर्जी के मुताबिक कनाडा में नाश्ता करता है तो अमेरिका में डिनर कर सकता है. अब आप सोच रहे होंगे कि ऐसा कैसे संभव है? तो बता दें कि सबसे छोटा इंटरनेशनल ब्रिज नदी में बसे दो छोटे आइलैंड के बीच बना है, जिसका मालिक एक ही शख्स है.

चूकि 1793 में यहां पर कनाडा और अमेरिका के बीच बॉर्डर का निर्धारण नदी को लेकर हुआ था. ऐसे में नदी के बीचों-बीच बसे जाविकॉन आइलैंड का भी बंटवारा दो हिस्सों में हो गया. इस आइलैंड का दो तिहाई हिस्सा कनाडा के पास चला गया, तो एक तिहाई हिस्सा अमेरिका के कब्जे में आ गया. साल 1902 में एल्मर एंड्रेस नाम के एक व्यवसायी ने जॉविकन आइलैंड के कनाडा वाले हिस्से में जर्मन शैली का एक विला बनवाया. उसी शख्स ने अपने घर के चारों तरफ सब्जी का बागीचा और घाट बनवाने के उदेश्य से सेंट लॉरेंस नदी के बीचों बीच स्थित जाविकॉन आइलैंड पर लकड़ी का यह पुल भी बनवा दिया. बाद में इस सबसे छोटे इंटरनेशनल ब्रिज को 'बैकयार्ड बॉर्डर क्रॉसिंग' नाम दिया गया था.

ब्रिज का यह नाम अमेरिकी प्रेस द्वारा दिया गया और उन्होंने ही लकड़ी के इस क्रॉसिंग को दुनिया का सबसे छोटा अंतरराष्ट्रीय पुल भी माना था. इस पुल पर बड़े आइलैंड की दिशा में कनाडा का झंडा है, तो छोटे आइलैंड की तरफ अमेरिका का झंडा लगा हुआ है. आपको जानकर हैरानी होगी कि अमेरिका और कनाडा के बीच बना दुनिया का सबसे छोटा इंटरनेशनल ब्रिज लगभग 32 फीट लंबा है. साल 1976 में डोनाल्ड रिकर्ड और उनकी पत्नी जूली रेकाई रिकर्ड ने इन दोनों आइलैंड को खरीद लिए. इसके बाद पुल पर हंगरी का झंडा भी लग गया. इंस्टाग्राम पर इससे जुड़ा एक वीडियो पोस्ट भी शेयर किया गया, जिस पर लोग जमकर कमेंट कर रहे हैं.

क्यों पुल के बीच में लगा हंगरी का झंडा?

कनाडा और अमेरिका के कब्जे वाले इन दोनों आइलैंड को डोनाल्ड रिकर्ड और उनकी पत्नी जूली रिकर्ड ने खरीद लिया था. जूली का परिवार मूल रुप से हंगरी का रहने वाला था, जिसकी वजह से ब्रिज पर हंगरी का झंडा भी लगा दिया गया. अब सवाल यह उठता है कि आखिर दो देशों के बीच कोई कैसे तीसरे देश का झंडा लगा सकता है, तो बता दें कि इसके पीछे भी दिलचस्प कहानी है. दरअसल, जूली की मां, काटी रेकाई का जन्म 1921 में बुडापेस्ट में कैटालिन डेसिडर के नाम से हुआ था. वह अपने पति डॉ. जानोस रेकाई के साथ सन् 1948 में हंगरी के साम्यवादी शासन से बचकर पहले फ्रांस, फिर कनाडा चली गई. कनाडा में जूली के पिता ने खूब ख्याति हासिल की. उन्होंने अपने भाई के साथ मिलकर 36 अलग-अलग भाषाओं में बात करने वाले कर्मचारियों से निपुण अस्पताल का निर्माण करवाया. बाद में जूली ने भी कनाडाई साहित्य के अंतरराष्ट्रीय प्रचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जिसकी वजह से ब्रिज पर हंगरी का झंडा भी सजा दिया गया.

बार-बार होने वाले ज्वालामुखी विस्फोट से बनी ऐसी भू-आकृतियां

आपको जानकर आश्चर्य होगा कि सऊदी अरब कई ज्वालामुखियों और ज्वालामुखी क्षेत्रों का घर है। उनमें से एक है हेरत खैबर। मदीना के उत्तर में स्थित हेरत खैबर को राज्य में सबसे बड़े ज्वालामुखीय क्षेत्रों में से एक माना जाता है। यह 12,000 वर्ग किलोमीटर से ज्यादा के क्षेत्र में फैला हुआ है और पिछले 50 लाख सालों में यहां कई बार ज्वालामुखी विस्फोट हुए। राख में मौजूद सिलिकॉन और ज्वालामुखी विस्फोट की वजह से निकलने वाली गैसों की वजह से इसका रंग कुछ इस तरह हो गया है।

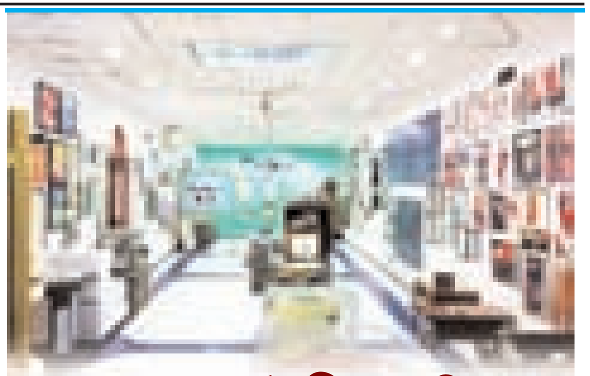

अनोखा है दिल्ली का टॉयलेट यूजियम... यहां मौजूद हैं सालों पुराने हजारों अजीबोगरीब शौचालय

दिलवालों की दिल्ली में घूमने की बहुत जगह हैं. ऐतिहासिक इमारत, पार्क और म्यूजियम भी. दिल्ली के एक अजब-गजब टॉयलेट म्यूजियम की कहानी ही हम आज आपके लिए लेकर आए हैं. यह म्यूजियम सिर्फ भारत ही नहीं विदेश में भी फेमस है. पूरी दुनिया के 10 अजीबोगरीब म्यूजियम में टॉयलेट म्यूजियम तीसरे स्थान पर आता है.

दिल्ली का टॉयलेट म्यूजियम पश्चिमी दिल्ली के महावीर एन्क्लेव इलाके में सुलभ इंटरनेशनल म्यूजियम ऑफ टॉयलेट बना है. म्यूजियम की गेस्ट कोऑर्डिनेटर निगार इमाम ने लोकल 18 की टीम से बातचीत की. उन्होंने बताया कि ये म्यूजियम सन् 1992 में सोशल एक्टिविस्ट, डॉक्टर बिंदेश्वर पाठक ने बनवाया था. इसका संदेश स्वच्छता से जुड़ा है. इस म्यूजियम में आपको 2500 ईसा पूर्व से आज तक के सभी तरह के शौचालय देखने को मिल जाएंगे. इस म्यूज़ियम में पांच हजार साल पुराने टॉयलेट सीट से लेकर मॉडर्न टॉयलेट के कमोड तक मौजूद है.

टॉयलेट म्यूजियम की खासियत

इस म्यूजियम में आपको एक से बढ़कर एक अजीबोगरीब टॉयलेट देखने को मिलेंगे. कोई दो मंजिला है, तो किसी में कमाल की नक्काशी की गई है. हर एक टॉयलेट की अपनी एक दिलचस्प कहानी है. हां, आपको टेबल टॉप टॉयलेट देखने को मिल जाएगा जैसे राजा महाराज अपने साथ ले जाया करते थे. टेबल टॉप टॉयलेट मल्टी-पर्पस कार्यों के लिए होते थे. जिस पर बैठकर न सिर्फ शौच किया जा सकता था, बल्कि जरुरत पड़ने पर उस पर बैठ कर ब्रिटिश शिकारी भोजन भी किया करते थे. यहां आपको राजाओं के सिंहासन वाले टॉयलेट भी देखने को मिल जाएंगे.

जाने से पहले रखें इन बातों का ख्याल

ये म्यूजियम सुबह 10 बजे से लेकर शाम 6 बजे तक खुला रहता है, जिसकी एंट्री फीस नि:शुल्क है. इस म्यूजियम में आने के लिए आपको नजदीक मेट्रो स्टेशन दशरथ पुरी पड़ेगा.

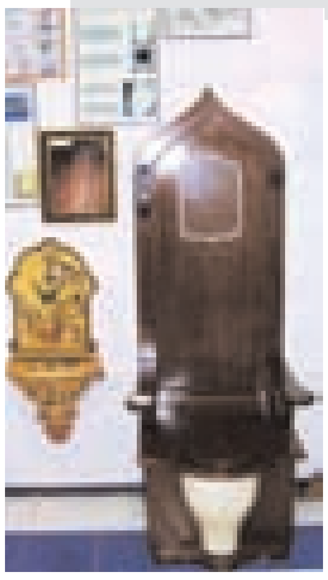

मैंडी और उनके पति रिटोमो, दोनों कनाडा में रहते हैं. दोनों अपने कुत्ते ऑस्कर के साथ एक बस में रहते हैं. उन्हें इस बस में रहते-रहते 4 साल हो चुके हैं. महंगाई के इस दौर में किसी के लिए भी किराये के मकान में रहना काफी खर्चीला हो गया है, ऐसे में अपना घर खरीदना तो भूल ही जाइए! यही कारण है कि आज

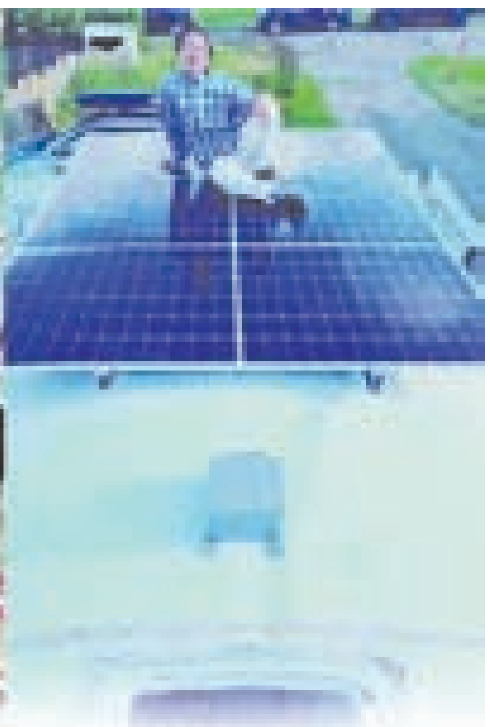

विदेशों से लेकर अपने देश में भी लोग सरल जीवन बिताना चाहते हैं और न्यूनतमवाद को अपना रहे हैं. कनाडा के एक कपल ने भी इसी फॉर्मूला को अपना लिया है और वो अब एक बस में रहते हैं. हालांकि, बस में रहना भी चुनौतीपूर्ण होता है. इस कपल ने हाल ही में बताया कि बस में रहना कैसे अच्छा है और किन

कपल ने किराये का मकान छोड़कर बस को बनाया अपना घर, किचन से लेकर टॉयलेट तक की है सुविधा!

मुश्किलों का सामना करना पड़ता है.

रिपोर्ट के अनुसार मैंडी और उनके पति रिटोमो, दोनों ही 32 साल के हैं और जापान से आते हैं, पर अब वो कनाडा में ही बस चुके हैं. दोनों अपने कुत्ते ऑस्कर के साथ एक बस में रहते हैं. उन्हें इस बस में रहते-रहते 4 साल हो चुके हैं. हुआ यूं कि महामारी के दिनों में दोनों की नौकरी चली गई थी. तब उन्होंने तय किया कि उन्हें पैसे कमाने के लिए नौकरी चाहिए और साथ ही रहने के लिए जगह. वो कनाडा के जिस जगह पर रहते थे, वहां पर 1.8 लाख रुपये तक किराया होता था. इस वजह से उन्होंने एक पुरानी स्कूल बस को खरीदा और उसे अपने हिसाब से रेनोवेट करना शुरू किया. उन्हें इस बस को पूरी तरह से रेनोवेट करने में करीब 2 साल लगे, हालांकि, वो इसमें 3 सालों से रह रहे हैं. इस बस पर पूरा खर्च आया था 15 लाख रुपये. बस में उन्होंने हर सुख-सुविधा का ध्यान रखा. बिस्तर से लेकर टॉयलेट तक और किचेन से लेकर सोलर पैनल तक, जिससे इस बस को ऊर्जा मिलती है. हैरानी इस बात की है कि कपल ने अपनी लाइफ में कभी रेनोवेशन का ऐसा काम नहीं किया था. मगर उन्होंने खुद ही बस की अधिकतर चीजों को डिजाइन किया. हालांकि, उन्होंने अपने दोस्तों और परिवार की भी मदद ली. उनका एक कजिन बिजली का काम करता था, उसने बस की वायरिंग की. उनकी सारी जरूरतें बस में पूरी हो जाती हैं. सिर्फ नहाने की समस्या है, क्योंकि कनाडा में बहुत ठंड पड़ती है और वो बस के ऊपर बाहरी टैंक नहीं लगा सकतीं. ठंड से पानी जम सकता है, इस वजह से वो प्रोपेन वॉटर हीटर का प्रयोग करते हैं और जंगली इलाकों में बस के बाहर ही खड़े होकर नहा लेते हैं. अब बस में इतना वक्त गुजारने के बाद कपल ने सोच लिया है कि वो इस बस को बेचेंगे और इससे छोटी गाड़ी को लेकर उसे घर बनाएंगे. दरअसल, कपल अब कनाडा और अमेरिका की सैर पर जाना चाहते हैं. उनका मानना है कि कई टूरिस्ट स्पॉट पर ऐसी भी जगहें होती हैं, जहां बस को पार्क करना मुश्किल होता है. ऐसे में उन्होंने एक वैन ले ली है, जो काफी हद तक पहले से रेनोवेट है. वो अपनी बस को 40 लाख रुपये में बेच रहे हैं.

चाइनीज झालरों के आगे बेबस कुम्हार, मिट्टी के दीयों की घटती मांग से आजीविका पर संकट

नवप्रदेश/बालूमाथ संवाददाता दीपों का पर्व दीपावली है। हर साल की तरह इस बार भी मिट्टी के दीये बनाने वाले कुम्हार उम्मीद लगाए बैठे हैं कि इस बार उनकी मेहनत रंग लाएगी। लेकिन पिछले कुछ वर्षों से हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। बाजारों में चाइनीज झालरों और प्लास्टिक लाइटों की बढ़ती चमक ने मिट्टी के दीयों की मांग को लगभग समाप्त कर दिया है।दीपावली का त्योहार,जो कभी परंपरा, रोशनी और खुशियों का प्रतीक माना जाता था, अब धीरे-धीरे अपनी मौलिकता खोता जा रहा है। मिट्टी के दीयों की जगह बिजली की झालरों ने ले ली है, जिससे न केवल त्यौहार की रौनक बदली है, बल्कि इससे सैकड़ों कुम्हार परिवारों की रोजी-रोटी पर भी संकट मंडरा रहा है।बालूमाथ कुम्हार टोला के निवासी कुम्हार शंकर प्रजापति, सुरेश प्रजापति, दिनेश प्रजापति और केदार प्रजापति बताते हैं हमारी पीढ़ियों से चली आ रही कला और हुनर को अब कोई पूछने वाला नहीं है। चाइनीज झालरों ने हमारी आजीविका छीन ली है। हमें समझ नहीं आता कि अब परिवार का पेट कैसे पालें। हमने कभी नहीं सोचा था कि मिट्टी के दीयों की जगह मशीन से बने सामान ले लेंगे।कुम्हारों का दर्द यह है कि आधुनिकता की दौड़ में पारंपरिक संस्कृति और लोककला पीछे छूटती जा रही है। कभी दीपावली की पहचान रहे मिट्टी के दीये अब बाजारों से लगभग गायब हो गए हैं।स्थानीय लोगों का मानना है कि यदि सरकार और समाज मिलकर पारंपरिक कला को प्रोत्साहन दें, तो न केवल कुम्हारों की आजीविका बचेगी बल्कि त्योहार की असली आत्मा भी कायम रहेगी।इस दीपावली,आइए संकल्प लें मिट्टी के दीयों से अपने घरों को रोशन करें और अपनी पारंपरिक संस्कृति को पुनर्जीवित करें।

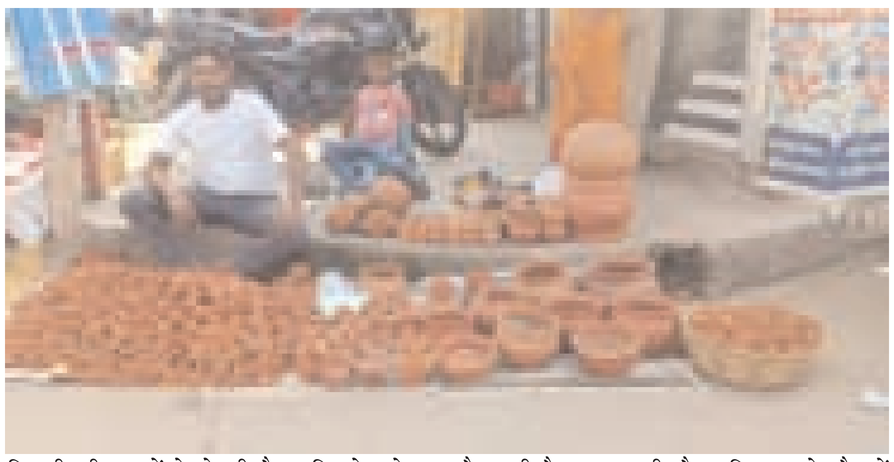

बलराम प्रसाद साहू बने राजद पिछड़ा प्रकोष्ठ के लातेहार जिला अध्यक्ष

नवप्रदेश/लातेहार। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) झारखंड पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष सुनील साहू ने बलराम प्रसाद साहू को लातेहार जिला अध्यक्ष के रूप में मनोनीत किया है। साहू के जिला अध्यक्ष बनने पर पार्टी नेताओं और कार्यकताओं ने हर्ष व्यक्त किया है। राजद जिलाध्यक्ष रामप्रवेश यादव ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि बलराम साहू के नेतृत्व में पार्टी लातेहार में और अधिक मजबूत होगी। बधाई देने वालों में प्रदेश महासचिव अजय चंद्रवंशी, प्रदेश सचिव रंजीत यादव, सुरेश राम, मोहर सिंह यादव, राजू रंजन प्रसाद, जिला उपाध्यक्ष भोला सिंह, जितेंद्र यादव, अजीत श्रीवास्तव, विश्वनाथ उरांव, निजाम अंसारी, दामोदर यादव, मोहम्मद राशिद खान, प्रीतलाल यादव, जितेंद्र यादव, आदित्य कुमार, संतोष यादव, चेतन कुमार सहित कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल थे।

शतचंडी पूजा समिति बालू का सर्वसम्मति से गठन

सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करवाने का लिया गया निर्णयः

नवप्रदेश/बालूमाथ संवाददाता बालूमाथ प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत बालू ग्राम में हर बर्ष की भांति इस वर्ष भी शतचंडी पुजा मनाने को लेकर ग्रामीणों ने एक बैठक आयोजित कर सर्वसम्मति से शतचंडी पूजा समिति बालू का गठन किया गया है। नवगठित समिति में पदाधिकारी, सदस्य एवं संरक्षक मनोनीत किए गए हैं जिसमें अध्यक्ष करमदेव भगत, उपाध्यक्ष राकेश सिंह,दीपक यादव, लालदेव गंझू,सचिव विजय सिंह,उप सचिव सकेंद्र सिंह, कोषाध्यक्ष जगदीश प्रजापति समेत संरक्षक मंडली मे माधो सिंह, केदार सिंह, जागेश्वर उरांव, सूबेदार उरांव, ब्रह्मदेव उरांव,संतु

उरांव, सूरज प्रसाद साहू,बलराम प्रसाद साहू, अशोक प्रसाद साहू,देवनंदन यादव, रंजन यादव, बाबूलाल भगत, साबिर अंसारी, रहमूल अंसारी, विजय ठाकुर, मुन्ना भुइयां,डॉ. कोलेसर सिंह, विरेंद्र सिंह, नन्दलाल सिंह,ट केनारायण सिंह,अजय साव,विकास ठाकुर,अमित यादव एवं सुनील उरांव को बनाया गया है।आयोजन समिति द्वार शतचंडी जतरा, बालू का आयोजन दिनांक 1 नवम्बर 2025 शनिवार को किया जाएगा। वहीं 2 नवम्बर 2025 रविवार को गुदरी जतरा एवं नागपुरी सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन होगा।समिति की बैठक में निर्णय लिया गया कि इस वर्ष सांस्कृतिक कार्यक्रम को भव्य रूप में आयोजित किया जाएगा, ताकि क्षेत्र की लोक संस्कृति और परंपराओं को बढ़ावा मिल सके।

अंधविश्वास और डायन-प्रथा के खिलाफ चलाया गया जागरूकता अभियान

नवप्रदेश/पश्चिमी सिंहभूम। पश्चिमी सिंहभूम जिला में समाज में व्याप्त कुरीतियां, सामाजिक बुराइयां, अंधविश्वास और डायन-प्रथा जैसी समस्याओं के उन्मूलन के उद्देश्य से चक्रधरपुर प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में रविवार को सामाजिक जागरूकता अभियान चलाया गया। इस क्रम में आदिवासी ह्यहोह्न समाज युवा महासभा के नेतृत्व में नेशनल आदिवासी रिवाइवल एसोसिएशन एवं सिंगी एंड सिंगी सोसाइटी की टीम ने बाईपी पंचायत के मुण्डासाई, जोजोसाई, पुनीपदा और सोमरा गांवों में नुक्कड़ सभाएं आयोजित कीं। कार्यक्रम के दौरान महासभा के महासचिव गब्बरसिंह हेम्ब्रम ने ग्रामीणों को सामाजिक विकास में ग्रामसभा की भूमिका, नागरिकों की भागीदारी, सरकारी योजनाओं के प्रस्ताव और चयन प्रक्रिया, ग्रामसभा की कार्यवाही तथा अभिलेख प्रबंधन से जुड़ी जानकारी दी।

इस अवसर पर नेशनल आदिवासी रिवाइवल एसोसिएशन एवं सिंगी सोसाइटी की ओर से डायन-प्रथा से संबंधित भ्रांतियों, आरोप-प्रत्यारोप और अपराध नियंत्रण पर जनजागरूकता के लिए हैंडबिल भी वितरित किए गए।

बताया गया कि इससे पूर्व भी पंचायत पदमपुर, बाईपी, चंद्री, गुलकेड़ा, सिलफोड़ी, कोलचकड़ा सहित चक्रधरपुर प्रखंड के अन्य क्षेत्रों में इसी तरह का जागरूकता अभियान चलाया गया था।

कार्यक्रम में ग्रामीण मुण्डा रासिका कायम, मुण्डा होयो सुम्बरूई, ओएबन हेम्ब्रम, शंकर सिदु, रामधन चाकी, सिंगा कायम, श्यामलाल कायम, डाकुवा बुधलाल जोजो, सिकंदर जोजो, मनसिंह जोजो, गुलशन गागराई, विरंग होनहागा, नीलमति होनहागा, चुम्बरू सुम्बरूई, राजु होनहागा, विरेन्द्र पाड़ेया, अमन मुण्डा, विजय होनहागा, नरेन्द्र होनहागा और नरेश गागराई सहित कई लोग उपस्थित थे।

जिप उपाध्यक्ष के प्रयास से हेमपुर गांव में लगा ट्रांसफार्मर, दीपावली से पहले लौटा उजाला

ग्रामीणों ने जिला परिषद उपाध्यक्ष अनीता देवी को दिया धन्यवाद

नवप्रदेश/बालूमाथ संवाददाता बालूमाथ प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत धांधू पंचायत के हेमपुर गांव में दीपावली से पहले लोगों के चेहरे पर मुस्कान लौट आई है। लंबे समय से खराब पड़े ट्रांसफार्मर को बदलकर गांव में बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गई है। यह कार्य जिला परिषद उपाध्यक्ष अनीता देवी के अथक प्रयासों और पहल से संभव हो सका है।दीपोत्सव से ठीक पहले गांव में फिर से उजाला लौटने से ग्रामीणों में हर्ष और उत्साह का माहौल है। वर्षों से अंधेरे में डूबा गांव अब उम्मीद और प्रकाश से जगमगा उठा है।ग्रामीणों ने अनीता देवी को तहे दिल से धन्यवाद देते हुए कहा कि उनकी सक्रियता, संवेदनशीलता और तत्परता के कारण यह कार्य समय पर पूरा हो पाया। इस अवसर पर अनीता देवी ने कहा गांवों की मूलभूत समस्याओं का समाधान मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता है। दीपावली जैसे पर्व पर हर घर में उजाला पहुँचे, यही मेरी सबसे बड़ी कामना है।

झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री ने माताओं और बहनों के बीच साड़ियां एवं मिठाई बांटकर मनाई दिवाली

नवप्रदेश/जामताड़ा। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने दीपावली के पावन अवसर पर रविवार को जामताड़ा के चंद्रढीपा में आयोजित एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया और वहां बड़ी संख्या में जुटीं माताओंझबहनों के बीच साड़ी एवं मिठाईयों का वितरण किया। डॉ. इरफान अंसारी ने कार्यक्रम के दौरान कहा, मेरी यही कामना है कि दीपावली हर घर में खुशियां लेकर आए। सभी लोग नए वस्त्र पहनें, मिठाई बांटें, पटाखे फोड़ें और इस पर्व को बिना किसी भेदभाव के मिल-जुलकर मनाएं। यही असली भारत की तस्वीर है।₹ उन्होंने कहा कि त्योहार किसी एक धर्म का नहीं, बल्कि मानवता का उत्सव होते हैं और हमें ऐसे मौकों पर समाज में प्रेम, एकता और समानता का संदेश फैलाना चाहिए। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि जो लोग धर्म के नाम पर समाज को बांटने की कोशिश करते हैं, उन्हें समाज से जवाब मिलना चाहिए और वह जवाब है एकता और भाईचारा। दीपावली और छठ पर्व की शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने कहा की हर घर में खुशहाली लाना ही मेरा संकल्प है। इसलिए हर साल चंद्रढीपा आता हूं। यहां के लोगों का स्नेह ही मेरी सबसे बड़ी ताकत है। यह इलाका मेरे दिल के बहुत करीब है। आदिवासी और मूलवासी समाज ने हर परिस्थिति में मेरा साथ दिया है, जिनका हमेशा ऋणी रहूंगा। इरफान अंसारी ने राज्य सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हेमंत सोरेन की यह सरकार गरीबों, मजदूरों और किसानों की सरकार है। 20 वर्षों का जो दर्द जनता ने झेला था, उससे अब मुक्ति मिल रही है। विकास का लाभ सीधे गांव-गांव तक पहुंच रहा है। कार्यक्रम में पंचायत प्रतिनिधियों, महिला समूह की सदस्यों, महिलाओं, बुजुर्ग माताओं समेत अन्य लोग भी मौजूद थे।

कौशल विकास के लिए टेरी माइनिंग का एक्सपोजर विजिट संपन्न

नवप्रदेश/गोड्डा। गोड्डा जिला में जीतपुर खनन परियोजना के तहत टेरी माइनिंग की ओर से आयोजित तीन दिवसीय एक्सपोजर विजिट का रविवार को समापन सफल हो गया। इस दौरान प्रतिभागियों ने झारखंड के प्रमुख कौशल विकास संस्थानों का दौरा किया और कर्मियों के आवश्यक जानकारी दी।

16 से 19 अक्टूबर तक आयोजित एक्सपोजर विजिट में कल्याण गुरुकुल, कौशल कॉलेज, पतरारू डैम और बिरसा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी कांके की पशुपालन इकाई शामिल थी। योजना के अनुसार आयोजित इस कार्यक्रम में प्रशिक्षण सत्र, संस्थागत संवाद और क्षेत्रीय अवलोकन शामिल थे। टेरी माइनिंग के सदानंद सिंह और संतोष कुमार के समन्वय और टीम सदस्य सरबजीत कौर, सुषमा सोरेन, राजू एवं जितेंद्र के सहयोग से यह यात्रा

सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

इस एक्सपोजर विजिट कार्यक्रम में भाग लेने वाली जीतपुर खनन परियोजना क्षेत्र की महिलाओं ने कहा कि ऐसी यात्रा का अनुभव उनके लिए पहली बार है, जिससे उन्हें यह जानकारी मिली कि किस प्रकार से आजकल की लड़कियां और महिलाएं प्रशिक्षण प्राप्त करके बड़ी कंपनियों में रोजगार प्राप्त कर सकती हैं।

महिलाओं ने बताया कि यह एक्सपोजर विजिट उन लोगों के लिए बहुत अच्छा रहा, जिसके बाद वे गांव में जाकर वहां की महिलाओं को भी इस यात्रा का अनुभव बताएंगी और इससे लाभ लेने के लिए उन्हें प्रेरित करेंगी।

काली पूजा को लेकर धनबाद में तैयार हो रहा भव्य पूजा पंडाल

नवप्रदेश/धनबाद। धनबाद कोयलांचल में दीपावली और काली पूजा मनाने को लेकर तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी है। इस वर्ष काली पूजा को लोकर तमाम पूजा कमिटियां एक से बढ़कर एक पूजा पंडाल बना रही है। कतरास पोस्ट ऑफिस गली काली पूजा समिति पिछले 23 वर्षों से भव्य काली पूजा का आयोजन करती आ रही है। हर बार अलग-अलग थीम पर आधारित पूजा पंडाल का निर्माण यहां किया जाता है। इस बार यहाँ निमार्णाधीन माता के दरबार के दृश्य को दशार्या जा रहा है। साथ ही पंडाल में सुरक्षा के महत्व का संदेश भी दशार्या जा रहा है। पत्थर के बने मजदूर, हाथ मे कुल्हाड़ी, हेलमेट सहित अन्य सामानों का पूजा पंडाल में उपयोग किया गया है।

वही समिति सदस्य विश्वनाथ पांडेय और राहुल रजक ने कहा कि 23 साल से पूजा समिति काली पूजा कर रही है। इस बार निमार्णाधीन माता के दरबार को दिखाया गया है। जिसमे मजदूर, सुरक्षा किट, निर्माण में उपयोग होने वाले वस्तुओं को दिखाया गया है। उन्होंने बताया कि सिर्फ पांच से छह लाख पंडाल निर्माण में खर्च किया जा रहा है। वही पूरे पूजा का खर्च 12 लाख है। इसके साथ ही भगवान भोलेनाथ को जलाभिषेक करते भी पंडाल में दशार्या गया है। बता दें कि धनबाद सहित आस पास के जिले के श्रद्धालु भी यहां पहुंचते है। इस बार 20 अक्तूबर से 24 अक्टूबर तक श्रद्धालु पूजा पंडाल का दर्शन कर सकते है।

एक नजर

बालूमाथ में 20 माह के बच्चे ने गलती से तारपीन तेल पीया,रिम्स ले जाने के दौरान रास्ते में मौत

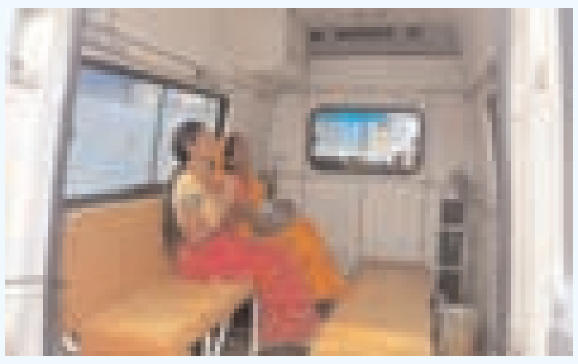

बालूमाथ संवाददाता बालूमाथ थाना क्षेत्र के बड़का बालूमाथ मोहल्ले में रविवार को एक 20 माह के मासूम की मौत हो गई।जानकारी के अनुसार बैधनाथ गंझू का पुत्र रितिक राज घर में खेलते-खेलते पेंट में उपयोग होने वाला तारपीन तेल गलती से पानी समझकर पी गया।तेल पीने के बाद बच्चे की तबीयत अचानक बिगड़ गई। परिजन उसे आनन-फानन में बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे,जहां चिकित्सक सुरेंद्र ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए रिम्स,रांची रेफर कर दिया।मगर रांची ले जाने के दौरान रास्ते में ही बच्चे की मौत हो गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।ग्रामीणों ने बताया कि घटना के समय बच्चे की मां घर के कार्य में व्यस्त थीं, तभी यह हादसा हुआ।

गारू में वन विभाग ने चलाया सफाई अभियान खेल मैदान से हटाया कचरा और पॉलीथिन

नवप्रदेश/गारू (लातेहार)। गारू पूर्वी वन क्षेत्र के रेंजर उमेश कुमार दुबे के निदेर्शानुसार स्तरोन्नत उच्च विद्यालय के खेल मैदान में फैले कचरा एवं पॉलीथिन की सफाई अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व वनपाल बिपिन कुमार ने किया, जिसमें वनकर्मियों ने पूरे मैदान की साफ-सफाई की। वनपाल श्री कुमार ने बताया कि स्थानीय व्यवसायियों द्वारा खेल मैदान में कचरा फेंकने से आसपास का क्षेत्र और कुड़िल नदी प्रदूषित हो रही है। ज्ञात हो कि इसी मैदान में वन्य प्राणी सुरक्षा सप्ताह के दौरान तीन पंडाल बनाए गए थे और नौ दिनों तक पूजा-अर्चना की गई थी। उन्होंने कहा कि अब मैदान की सफाई के बाद जो भी व्यक्ति या दुकानदार यहां गंदगी फैलाते पाए जाएंगे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सड़क दुर्घटना में दो बाईक सवार घायल, कार ने मारी टक्कर

नवप्रदेश/लातेहार। जिले के महुआडांड़ के मेराम-चंपा घाटी में रविवार की दोपहर में विपरित दिशा आ रही कार और मोटरसाइकिल में टक्कर हो गयी. इसमे बाइक में सवार गोविंदा कुंवर पिता राजेश कुंवर और रूपेश लोहरा पिता मैनेजर लोहरा गंभीर रूप से घायल हो गये. दोनो मोटरसाइकिल में सवार होकर महुआडांड़ बाजार से वापस अपने गांव चंपा लौट रहे थे. इसी क्रम से एक अज्ञात कार उसे मार कर फरार हो गया. दोनों घायलों को ग्रामीण की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र महुआडांड़ इलाज के लिए लाया गया.यहां डॉ अमित द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया. दोनो युवकों के सिर,पैर और हाथ में गंभीर चोटें लगी है. टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गये. दोनों बाईक सवार बिना हेलमेट के थे.

एक दिया शहीदों के नाम कार्यक्रम का आयोजन

नवप्रदेश/गिरिडीह/ अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, गिरिडीह नगर इकाई के तत्वावधान में एक दिया शहीदों के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य राष्ट्र की रक्षा में अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करना था। कार्यक्रम के दौरान परिषद कार्यकताओं एवं विद्यार्थियों ने दीप प्रज्वलित कर शहीदों को नमन किया तथा उनके बलिदान को याद किया। इस अवसर पर भारत माता की जय, वंदे मातरम्ह्व और अमर शहीद अमर रहें के नारों से वातावरण गूंज उठा। नगर मंत्री नीरज चौधरी ने कहा कि शहीद हमारे आदर्श हैं, उनके बलिदान से ही आज हम स्वतंत्र भारत में साँस ले रहे हैं। हर विद्यार्थी को देश के प्रति समर्पण और सेवा की भावना रखनी चाहिए। कार्यक्रम में परिषद के कई पदाधिकारी, विद्यार्थी एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित थे। सभी ने एक स्वर में संकल्प लिया कि राष्ट्रहित सर्वोपरि रहेगा और शहीदों की प्रेरणा से समाज में राष्ट्रवाद की ज्योति जलती रहेगी। मौके पे जिला संयोजक मंटू मुर्मू, प्रदेश मीडिया संयोजक गुड्डू राय जी, नगर उपाध्यक्ष राजेश पांडे नगर सह मंत्री अनीश रॉय, सदानंद राय, शुभम ताती, राजेश यादव, सोनू यादव, दीपक कुमार,बिट्टू मोदी, बिक्रम, गायत्री आदि छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

पचम्बा में 128वां गोपाल गौशाला मेला 29 अक्टूबर से 6 नवंबर तक

नवप्रदेश/गिरिडीह/पचम्बा में 128वां गोपाल गौशाला मेला 29 अक्टूबर से 6 नवंबर तक आयोजित होगा। रविवार को 1 बजे मेले के तैयारियों की जानकारी दी गई।बताया गया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी पचम्बा में पारंपरिक गोपाल गौशाला मेला का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह

मेला अपने 128वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। मेले का आयोजन 29 अक्टूबर से 6 नवंबर 2025 तक किया जाएगा।मेले की तैयारियाँ जोर-शोर से चल रही हैं। आयोजकों द्वारा इस वर्ष मेले में आकर्षक और रोमांचक राइड्स की विशेष व्यवस्था की जा रही है, ताकि बच्चे और युवा दोनों इसका भरपूर आनंद उठा सकें। इस वर्ष मेले में गुड़िया मारुति सर्कस, जलपरी, ब्रेकडांस, टावर झूला, ड्रैगन ट्रेन, अजमेरी कस्ती, डांसिंग फ्लाई, फ्रीभी झूला, बच्चों के लिए मिक्की जंपिंग माउस, टोरा टोरा और तारा मची जैसी नई राइड्स लगाई जा रही हैं।

बैंकिंग सेक्टर में भी इस तरह बन सकते हैं लीडर

त्वरित बुद्धि

ठंडा दिमाग

लचीलापन

अच्छे संबंध रखें

दूसरों का सहारा बनें

लगन व परिश्रम

औरों से दो कदम आगे रहें

फोटोग्राफी की इन शाखाओं में बना सकते हैं शानदार करियर

क्या आपमें है धैर्य?

फोटोग्राफी की शाखाएं

कैसे करें शुरूआत?

प्रशिक्षण भी अहम

इन टिप्स को अपनाकर बन सकते हैं एक अच्छा मैनेजर

पीठ पीछे भी प्रशंसा

कर्मचारियों को प्रेरित करना

फील गुड कराएं

जिम्मेदारी सौंपें

मैथ्स में है रूचि तो इन क्षेत्रों में बना सकते हैं करियर

विषय एक संभावनाएं अनेक

शिक्षण

सॉफ्टवेयर इंजीनियर

बैंकिंग

चार्टर्ड अकाउंटेंट

कम्प्यूटर सिस्टम्स एनालिस्ट

मरकच्चो में कांग्रेस का वोट चोर गद्दी छोड़ हस्ताक्षर अभियान कार्यक्रम का आयोजन

नव प्रदेश संवाददाता

मरकच्चो। प्रखंड स्थित मध्य पंचायत भवन में राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी की ओर से ह्वाटेट चोर गद्दी छोड़ह हस्ताक्षर अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष केदार राणा ने की, जबकि संचालन वरिष्ठ नेता स्व. गौरी शंकर सिंह के पुत्र रिंकू उर्फ रवि शंकर सिंह ने किया। इस मौके पर नव निर्वाचित जिलाध्यक्ष प्रकाश रजक का फूलमाला पहनाकर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा और कांग्रेस पार्टी को सशक्त बनाने के लिए जनता को एकजुट होना होगा। उन्होंने केंद्र सरकार पर लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए जनहित की आवाज को बुलंद करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में मो. इस्लाम, महिला प्रखंड अध्यक्ष सलीना खातून, गुलाम सर्वर कौआल, जाहिद आलम, दुर्गा यादव, डॉ. सब्बा अहमद, सुनील ठाकुर, सोनू आलम, रामचंद्र दास, नारायण दास, सुधीर दास, संतोष दास, सीताराम रविदास, कासिम आलम, एनामुल शेख, दुर्गा राणा, दिलवर आलम, माजिद आलम, ललन आलम एवं मुकेश सिंह सहित कई कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर परिसर में 5100 दीप प्रज्वलित

पूर्वी सिंहभूम। श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर परिसर में रविवार की संध्या एक साथ 5100 दीप प्रज्वलित किये गये। छोटी दीपावली के शुभ अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में स्थानीय लोगों की प्रमुख हिस्सेदारी रही। दीप प्रज्वलन का कार्यक्रम जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय ने किया। इस अवसर पर मंदिर को आकर्षक रुप दिया गया गया था। नीली, पीली, हरी और लाल बिजली के झालरों से मंदिर की शोभा देखते ही बन रही थी। इस अवसर पर वरीय समाजसेवी शिव शंकर सिंह, सुबोध श्रीवास्तव, साकेत गौतम, असीम पाठक, अमृता मिश्रा, विकास सिंह, अजय कुमार, राजीव चौधरी, वाईपी सिंह, बंटी सिंह, पीयूष, हनी परिहार, रामस्वरूप, सुबोध कुमार सहित अन्य मौजूद थे।

एनवाईएस इंटरनेशनल एकेडमी में दीपावली उत्सव धूमधाम से मनाया गया,

बच्चों की प्रस्तुतियों ने मोहा मन

नव प्रदेश संवाददाता

चौपारण। दीपों के पर्व दीपावली के अवसर पर एनवाईएस इंटरनेशनल एकेडमी में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की प्राचार्या दीपशिखा मिश्रा के नेतृत्व में हुआ। विद्यालय परिसर दीपों की रोशनी और रंगोली की सजावट से आलोकित हो उठा। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान गणेश, माता लक्ष्मी, सरस्वती और प्रभु श्रीराम की आराधना से हुई। इसके बाद विद्यार्थियों ने पारंपरिक और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। बच्चों की शानदार नृत्य, गीत और अभिनय प्रस्तुतियों पर अभिभावक और अतिथि झूम उठे। फैशन शो प्रतियोगिता में अंकिता ने प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि रंगोली और दीया सजावट प्रतियोगिता में फील्ड मार्शल हाउस विजेता घोषित हुआ। नर्सरी से कक्षा एक तक के नन्हें बच्चों ने फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में देवी-देवताओं की भूमिकाओं को बखूबी निभाया, जिनमें लक्ष्मी, गणेश, रामजी और सरस्वती की वेशभूषा विशेष आकर्षण का केंद्र रही। कार्यक्रम के समापन पर विद्यार्थियों द्वारा हवन का आयोजन किया गया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। साथ ही चौपारण में आयोजित डांडिया प्रतियोगिता के विजेताओं को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन की ओर से उपस्थित सभी महिलाओं को साल और बुके भेंटकर सम्मानित किया गया। मौके पर अरुण कुमार, जूली कुमारी, शंकर साहू, राहुल कुमार, कनक कुमारी और सुधा कुमारी सहित कई अभिभावक एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

मानगो में अपर्याप्त पेयजलापूर्ति का कारण ठेकेदार और परियोजना के अधिकारीः सरयू राय

पूर्वी सिंहभूम। मानगो के कुछ इलाकों में रविवार की सुबह पेयजलापूर्ति बाधित हो गयी। दीपावली जैसे पर्व-त्योहार के समय पेयजलापूर्ति बाधित होने से जनता में आक्रोश पैदा हो गया। पानी बाधित होने की सूचना मिलते ही जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय मानगो पेयजल परियोजना के इंटकवेल पर पहुंचे। उन्होंने पृथ्वी पार्क में बनी पानी की टंकी का मुआयना किया और अपने सहयोगियों को वाटर ट्रीटमेंट प्लांट पर भेजा जहां से अलग-अलग इलाके की पानी टंकियों में पानी भेजा जाता है।

सरयू राय ने कहा कि मुआयना करने के बाद वह इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि पेयजलापूर्ति परियोजना के अधिकारियों तथा परियोजना का संचालन कर रहे ठेकेदार की लापरवाही के कारण मानगो में पेयजलापूर्ति बाधित हुई है। दीपावली-छठ का अवकाश समाप्त होने के बाद वह पेयजलापूर्ति विभाग के कार्यपालक अभियंता के विरूद्ध विभाग को चार्जशीट सौंपेंगे और कर्तव्य पालन में लापरवाही करने को लेकर कारवाई करने की मांग सरकार से करेंगे। वह मानगो पेयजल परियोजना के ठेकेदार को काली सूची में डालने की अनुशंसा भी सरकार से करेंगे।

सरयू राय ने बताया कि इंटैकवेल में जाने से पता चला कि वहां बाढ़ के पानी का बालू भरा हुआ है। बहुत दिनों से इसकी सफाई नहीं हुई, ऐसा लगता है। मानगो नगर निगम के उप नगर आयुक्त को निर्देश देकर सफाई आरंभ करायी। बालू हटते ही जल प्रवाह सामान्य हो गया। उसके बाद वह पृथ्वी पार्क के पानी टंकी पर गये। पानी टंकी का संचालन करने वाले कर्मचारियों ने बताया कि जैसे ही वाटर ट्रीटमेंट प्लांट से टंकी के में पानी आता है, वैसे ही टंकी से पानी चालू हो जाता है। उन्होंने बताया कि सप्ताह में 2-3 दिन ही ठेकेदार की ओर से इस टंकी को पानी दिया जाता है। पेयजल स्वच्छता विभाग के अधिकारी भी इस बारे में लापरवाह हैं।

सरयू राय ने बताया कि मानगो पेयजल परियोजना को कम पानी मिलने का मुख्य कारण ठेकेदार और पेयजल स्वच्छता विभाग के अधिकारियों की मिलीभगत है। इसी वजह से पर्व-त्योहार में जनता को परेशानी उठानी पड़ती है। उन्होंने इस बारे में मानगो नगर निगम के उप नगर आयुक्त से कहा है कि वे वे इसकी जांच करें और जो दोषी हैं उनके खिलाफ कारवाई करने की प्रक्रिया आरंभ करें।

श्रीराम मंदिर प्रांगण और पूरे मंदिर परिसर में 11 हजार देशी घी के दीये जलाए गए

पूर्वी सिंहभूम। सिदगोड़ा स्थित सूर्य मंदिर परिसर दीपावली की रौनक में रंग गयी है। रोशनी के पर्व दीपावली की पूर्व संध्या पर श्री अयोध्याधाम की तर्ज पर सूर्य मंदिर परिसर में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र को रंगबिरंगी लाइटों से सजाया गया है। रविवार को सूर्य मंदिर समिति की ओर से श्रीराम मंदिर प्रांगण और पूरे मंदिर परिसर में 11 हजार देशी घी के दीये जलाए गए।

इस दौरान झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री सह मंदिर समिति के मुख्य संरक्षक रघुवर दास मुख्यरूप से शामिल हुए। वहीं, मौके पर संरक्षक चंद्रगुप्त सिंह, अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह सहित कई अन्य सदस्य की मौजूदगी रही। पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने मंदिर समिति के सदस्यों के संग दीपक जलाकर दीपावली की खुशियां साझा की। इस दौरान हजारों की संख्या में जले दीपों से पूरा मंदिर परिसर जगमग नजर आया। पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने मंदिर परिसर में पहला दीपक जलाया और धीरे धीरे दीपों की सुंदर कतार सज गयी। इस विशेष अवसर पर महिलाओं ने कई सुंदर रंगोली बनाकर दीपक सजाए। वहीं, उपस्थित मंदिर समिति के सदस्यों एवं श्रद्धालुओं ने जय श्री राम के नारे लगाकर दीपक सजाया एवं शानदार आतिशबाजी कर खुशियां मनाई। इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने लौहनगरी जमशेदपुर एवं झारखंडवासियों को दीपावली एवं लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा की शुभकामनाएं व्यक्त कर सभी के सुख-समृद्धि और संपन्नता की कामना की। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार त्रेता युग में प्रभु श्रीराम के अयोध्या लौटने पर लोगों ने दीपमाला सजाकर उनका स्वागत किया था, ठीक वैसा ही नजारा आज श्रीअयोध्याधाम की तर्ज पर बने राम मंदिर में दिखाई दिया। पूरे शहर में दीपावली पर भक्ति और उत्साह का संगम देखने को मिल रहा है। रघुवर दास ने लोगों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'वोकल फॉर लोकल' के अभियान को आगे बढ़ाने का आह्वान करते हुए कुम्हार के जरिये निर्मित मिट्टी के दीये सहित स्थानीय उत्पादों के अधिक से अधिक प्रयोग करने और गरीब वर्गों की दीपावली खास और खुशहाल बनाने की अपील की।

वहीं, संरक्षक चंद्रगुप्त सिंह ने कहा कि सूर्य मंदिर परिसर में प्रत्येक वर्ष की तरह इस बार भी हजारों दीपों की रोशनी से वातावरण आलोकित हुआ है। सूर्य मंदिर समिति लगातार धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक आयोजनों के माध्यम से समाज को जोड़ने का कार्य कर रहा है। आगामी छठ महोत्सव भी पूरी श्रद्धा और भक्तिमय माहौल में सम्पन्न होगी। इसके लिए समिति की सभी तैयारियां जोरों पर है। इस अवसर पर सूर्य मंदिर समिति के संरक्षक चंद्रगुप्त सिंह, अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह, अमरजीत सिंह राजा, रूबी झा, शैलेश गुप्ता, शशिकांत सिंह, कंचन दत्ता, प्रमोद मिश्रा, गुंजन यादव, दिनेश कुमार, मिथिलेश सिंह यादव, कमलेश सिंह, टुनटुन सिंह, विनय सिंह, कुमार अभिषेक, राकेश कुमार सहित अन्य मौजूद रहे।

घाटशिला में एनडीए प्रत्याशी की जीत तय : सुदेश

पूर्वी सिंहभूम । आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो ने कहा है कि घाटशिला की जनता बदलाव और ठगबंधन की सरकार से मुक्ति चाहती है।

उन्होंने घाटशिला टाउन हॉल में रविवार को आजसू के विधानसभा स्तरीय बूथ सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि एनडीए प्रत्याशी बाबूलाल सोरेन की जीत सुनिश्चित है। सम्मेलन में प्रत्याशी बाबूलाल सोरेन भी उपस्थित थे।

सुदेश ने कहा कि हेमंत सरकार ने विगत छह वर्षों में बालू,कोयला की लूट और भ्रष्टाचार को प्रश्रय दिया है, जिससे जनता ठगा महसूस कर रही है। उन्होंने कहा कि झारखंड की जनता को सवाल पूछने का भी अधिकार नहीं है, क्योंकि यहां लोकतंत्र नहीं राजतंत्र चल रहा है। इस कारण सूचना आयोग को निष्क्रिय कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस उपचुनाव में जनता वोट के माध्यम से हेमंत सरकार को जवाब देगी। उन्होंने कहा कि राज्य विकास में पीछे छूट गया है। यह सामाजिक समरसता को खराब करने वाली सरकार है। सुदेश ने कहा कि एनडीए जीतेगा तो राज्य में अवैध वसूली बंद होगी।

घाटशिला की जनता रचेगी इतिहास : बाबूलाल

मौके पर एनडीए प्रत्याशी बाबूलाल सोरेन ने कहा कि आजसू की झारखंड निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका है। सुदेश महतो सहित अन्य आजसू नेता झारखंड आंदोलनकारी रहे हैं। उन्होंने कहा कि आजसू ने संघर्ष किया और भाजपा ने अलग राज्य दिया। सोरेन ने कहा कि महागठबंधन प्रत्याशी को हराकर घाटशिला की जनता इतिहास रचेगी।

पूर्व मंत्री रामचंद्र सहिस ने कहा कि आजसू कार्यकर्ता गांवझगांव जाकर लोगों को जागरूक करें और एनडीए प्रत्याशी बाबूलाल सोरेन के पक्ष में माहौल तैयार करें। उन्होंने कहा कि झारखंड आंदोलनकारी और पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन को झामुमो ने अपमानित किया। सम्मेलन को केंद्रीय उपाध्यक्ष प्रवीण प्रभाकर, हसन अंसारी, महासचिव हरेलाल महतो, भाजपा जिलाध्यक्ष चंडी सिंह, भाजपा नेता अभय चरण साव, आजसू जिलाध्यक्ष कन्हैया सिंह सहित अन्य ने भी संबोधित किया।

आनंद मार्ग प्रचारक संघ ने बलि प्रथा और अंधविश्वास के खिलाफ लोगों को किया जागरूक

पूर्वी सिंहभूम। आनंद मार्ग प्रचारक संघ की ओर से रविवार को छोटा गदरा पंचायत में पुराने वस्त्रों एवं पौधों का वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।.इस दौरान संगठन के सदस्यों ने बलि प्रथा, डायन प्रथा और ओझा-गुनी जैसे अंधविश्वासों के खिलाफ लोगों को जागरूक किया। कार्यक्रम में सुनील आनंद ने कहा कि ह्लमां का भोजन खून नहीं, मां का भोजन भक्ति है। उन्होंने बताया कि परमात्मा सूक्ष्म सत्ता हैं और उन्हें भक्ति से ही जाना जा सकता है, बलि या हिंसा से नहीं। उन्होंने कहा कि जीव या नरबलि देने वाले परम पुरुष से प्रेम नहीं करते, क्योंकि परमात्मा कभी अपने संतान की हत्या स्वीकार नहीं करते। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी तंत्र-मंत्र से मनुष्य को हानि नहीं पहुंचाई जा सकती, यह केवल अंधविश्वास है। उन्होंने समाज से आग्रह किया कि ऐसी प्रथाओं से दूर रहें और मन को मजबूत बनाने के लिए भजन-कीर्तन का सहारा लें। सुनील आनंद ने कहा कि डायन प्रथा और बलि जैसी कुप्रथाएं समाज को जकड़े हुए हैं और इनसे मुक्ति के लिए वैज्ञानिक, व्यावहारिक और आध्यात्मिक समझ जरूरी है। उन्होंने लोगों से अंधविश्वास छोड़कर परमात्मा की भक्ति से आत्मबल बढ़ाने की अपील की।

जमुनियातरी में सड़क, बिजली और पानी का मामला विधानसभा में उठाऊंगा : मनोज यादव

विधायक ने शोककुल परिवार को दी सांत्वना, जमुनियातरी में जरूरतमंदों को बांटे कंबल

नव प्रदेश संवाददाता

चौपारण/सुदूरवर्ती क्षेत्र जमुनियातरी में हाल ही में बिरहोर छात्रा सरस्वती कुमारी के आकस्मिक निधन के पाँचवें दिन, बरही विधायक मनोज कुमार यादव उनके शोकसंतप्त परिवार से मिलने पहुँचे। उन्होंने परिवार को ढाढ़स बंधाया और दुख की इस घड़ी में अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। विधायक श्री यादव ने पीड़ित परिवार को आर्थिक सहयोग प्रदान किया और इस क्षेत्र में बसे बिरहोर परिवार के लोगों के साथ दीपावली की खुशियाँ साझा कीं। इस दौरान उन्होंने जरूरतमंदों के बीच कंबल और मिठाई का वितरण भी किया।

जमुनियातरी पहुँचने पर ग्रामीणों ने विधायक के सामने क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं को रखा। ग्रामीणों की मांग पर विधायक मनोज यादव ने आश्वासन दिया कि वह आगामी विधानसभा सत्र में जमुनियातरी में बिजली, पानी और सड़क जैसी बुनियादी सुविधाओं के अभाव का मामला पुरजोर तरीके से उठाएंगे। ज्ञात हो कि जमुनियातरी आदिम जनजाति के लोगों का निवास स्थान है और यहां रहने वालों को मुख्य मार्ग तक पहुँचने के लिए लगभग सात किलोमीटर की पैदल दूरी बिहार के जंगली पगडंडी मार्ग से होकर चोरदाहा पहुँचना पड़ता है। गांव तक पहुँचने के लिए कोई समुचित सड़क मार्ग नहीं है। विधायक मनोज यादव बाइक पर सवार होकर भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ जमुनियातरी पहुँचे थे। मौके पर जीप सदस्य राकेश रंजन, भाजपा नेता रामस्वरूप पासवान, मुखिया प्रतिनिधि बैजनाथ गंझू, यवनपुर मुखिया जानकी यादव, भाजपा नेता विकास यादव, राजकुमार यादव, कृष्णा पासवान, परमेश्वर यादव, रामबृक्ष यादव, प्रभात यादव, रंजीत प्रजापति, बंशी यादव, शिक्षक जग्गू यादव, सन्नी पासवान, शत्रुधन पासवान के साथ-साथ महेश बिरहोर, ब्रह्मदेव बिरहोर, विजय बिरहोर और शंकर बिरहोर जैसे स्थानीय ग्रामीण मौजूद थे।

एक नजर

गोलवाढाब में ट्रांसफार्मर का उद्घाटन, क्षेत्र के लोगों को मिला रोशनी का तोहफा

नव प्रदेश संवाददाता/कोडरमा। कोडरमा प्रखंड के खरकोटा पंचायत अंतर्गत ग्राम गोलवाढाब में दिन रविवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा के कोडरमा प्रखंड अध्यक्ष सह बीस सूत्री उपाध्यक्ष चंद्रदेव यादव ने ट्रांसफार्मर का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर कोडरमा प्रखंड के पूर्व युवा अध्यक्ष वासुदेव यादव, पंचायत समिति सदस्य विकास यादव सहित अनेक ग्रामीण मौजूद रहे। उद्घाटन के दौरान चंद्रदेव यादव ने कहा कि पार्टी हमेशा गांवों के विकास और आम जनता की सुविधा के लिए समर्पित रही है। उन्होंने कहा कि ट्रांसफार्मर लगने से अब क्षेत्र में निर्बाध बिजली आपूर्ति संभव होगी और ग्रामीणों को लंबे समय से चली आ रही अंधेरे की समस्या से राहत मिलेगी। मौके पर उपस्थित ग्रामीणों ने इस कार्य के लिए झामुमो नेतृत्व को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह कदम गांव के विकास की दिशा में एक बड़ा प्रयास है।

क्लोरोफिल स्कूल में सजी राम सीता के अयोध्या आगमन की भव्य झांकी, बच्चों की प्रस्तुति ने मन मोहा

नव प्रदेश संवाददाता/कोडरमा। स्थानीय झुमरी तिलैया महाराणा प्रताप चौक स्थित क्लोरोफिल स्कूल में रविवार को को दीपावली के अवसर पर छोटे -छोटे बच्चों ने राम सीता के अयोध्या आगमन की मनमोहक झांकी प्रस्तुत की। विद्यालय परिसर में जब मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम, सीता माता और लक्ष्मण अयोध्या में प्रवेश कर रहे थे, तो चारों ओर से शिक्षक-शिक्षिकाओं और बच्चों ने पुष्प वर्षा कर भक्ति का माहौल बना दिया। विद्यालय की प्राचार्य कंचन अग्रवाल ने कहा कि खेल-खेल में शिक्षा देने से बच्चों के मन में सिखाई गई बातें जीवनभर के लिए अंकित हो जाती हैं। कार्यक्रम के तहत कविता पाठ प्रतियोगिता में स्वरा, सात्विक और अमाया गुप्ता ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। कलश सजाओ प्रतियोगिता में प्रदेश प्रथम और श्रेया कुमारी द्वितीय रहीं। वहीं भाषण प्रतियोगिता में प्रसन्न प्रथम, अदिति शर्मा एवं राजवीर ने क्रमशः द्वितीय और तृतीय स्थान हासिल किया। कार्यक्रम की सफलता में सीमा जैन, सुलगना राय, नफीस इमाम, युक्त अग्रवाल, पूनम सिंह सहित सभी शिक्षकों का योगदान सराहनीय रहा।

गुलमोहर की पूर्व छात्रा वेदिका ने स्वर्ण पदक हासिल कर बढ़ाया शहर और विद्यालय का मान

पूर्वी सिंहभूम। टेल्को स्थित गुलमोहर हाई स्कूल की पूर्व छात्रा वेदिका चंद्रा ने एक बार फिर अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से विद्यालय और शहर का नाम रोशन किया है। वर्ष 2019 बैच की वेदिका को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (बीएचयू), वाराणसी से कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग में स्वर्ण पदक प्राप्त हुआ है। यह सम्मान न केवल उनकी प्रतिभा और परिश्रम का परिणाम है, बल्कि यह गुलमोहर हाई स्कूल की शैक्षणिक उत्कृष्टता की परंपरा को भी नई ऊंचाइयों तक ले गया है। वेदिका ने इससे पहले 2019 की आईसीएसई बोर्ड परीक्षा में झारखंड राज्य में शीर्ष स्थान प्राप्त कर सबका ध्यान आकर्षित किया था। अब आईआईटी (बीएचयू) से स्वर्ण पदक प्राप्त कर उन्होंने यह साबित कर दिया है कि निरंतर मेहनत और समर्पण से हर लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। विद्यालय की प्राचार्या प्रीति सिन्हा ने रविवार को वेदिका की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा, वेदिका की सफलता दृढ़ निश्चय, जिज्ञासा और ईमानदारी जैसे मूल्यों का जीवंत उदाहरण है , वही मूल्य जिन पर गुलमोहर की नींव रखी गई है। उनकी यह उपलब्धि निश्चित रूप से आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी। उन्होंने आगे कहा कि कक्षा 9 और 10 में जीवविज्ञान की छात्रा के रूप में वेदिका सदैव शांत, विनम्र और अध्ययनशील रही हैं। उनकी लगन और सादगी ने उन्हें हर क्षेत्र में उत्कृष्ट बनाया। गुलमोहर हाई स्कूल परिवार ने वेदिका और उनके माता–पिता को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं। विद्यालय प्रशासन ने कहा कि वेदिका की सफलता इस बात का प्रमाण है कि गुलमोहर न केवल ज्ञान प्रदान करता है, बल्कि ऐसे विद्यार्थियों को गढ़ता है जो जीवन के हर क्षेत्र में उदाहरण प्रस्तुत करें।

गोड्डा में पानी टंकी ढहने से दो बच्चों की मौत, तीन घायल

गोड्डा। गोड्डा जिले के सुंदरपहाड़ी थाना क्षेत्र के डाहुबेड़ा गांव में बनी पानी की टंकी अचानक भरभरा कर गिर गई, जिसकी चपेट में आने से दो बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि घटना में तीन अन्य बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। स्थानीय लोगों के मुताबिक,घटना के वक्त सभी बच्चे पानी टंकी के नीचे स्नान कर रहे थे, तभी अचानक टंकी का पुराना ढांचा ढह गया और भारी मात्रा में कंक्रीट और लोहे के रॉड बच्चों के ऊपर गिर पड़े। ग्रामीणों ने बच्चों को मलबे से बाहर निकाला और आनन-फानन में उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया। मृतकों में धमेन्द्र और मैसा पहाड़िया शामिल हैं। घटना में घायल हुए तीन बच्चों को गोड्डा सदर अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने इलाज शुरू किया। इनमें से एक बच्चे की हालत गंभीर है, जिसे बेहतर इलाज के लिए भागलपुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया गया है। दुर्घटना की खबर मिलते ही गोड्डा के उपायुक्त अंजली यादव और पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार भी सदर अस्पताल पहुंचे और घायलों का हाल जाना।उन्होंने पीड़ित परिजनों को सरकारी सहायता के साथ हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को घटना की जांच कर रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए हैं। हादसे के बाद पूरे डाहुबेड़ा गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। मृतकों के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। ग्रामीणों का कहना है कि टंकी की नींव कमजोर थी और लंबे समय से मरम्मत की जरूरत थी, लेकिन संबंधित विभाग की ओर से ध्यान नहीं दिया गया। उपायुक्त ने ग्रामीणों की शिकायत पर कहा है कि पानी टंकी निर्माण की गुणवत्ता की जांच की जाएगी और यदि इसमें लापरवाही या तकनीकी खामी पाई गई, तो जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध और विभागीय पदाधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार भी मौजूद थे।

एसएसटी द्वारा मेघोली एवं बासोपट्टी चेक पोस्ट पर 1.58 लाख नकद जब्त

बेतिया: बिहार विधान सभा आम निर्वाचन-2025 के मद्देनजर पश्चिम चम्पारण जिले में सघन वाहन जांच अभियान जारी है। इसी क्रम में एसएसटी मेघोली चेक पोस्ट पर वाहन जांच के दौरान मोटरसाइकिल संख्या BR-22BF-6580 पर सवार दो व्यक्तियों (1) शनि कुमार यादव, पिता झ छोटी यादव (2) हसन इमाम, पिता झ मोटी देवान, निवासी झ माधोपुर बैरिया, थाना झ गौनाहा से 77,000 (सत्तहत्तर हजार रुपये) नकद बरामद किए गए। उक्त राशि एवं मोटरसाइकिल को विधिसम्मत रूप से जब्त कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। वहीं दूसरी ओर, एसएसटी चेक पोस्ट बासोपट्टी (शनिचरी थाना क्षेत्र) में वाहन जांच के क्रम में विश्वनाथ चौधरी, पिता झ जंगी चौधरी, निवासी झ बसोपट्टी, थाना, शनिचरी के पास से 81,500 (इक्यासी हजार पांच सौ रुपये) नकद बरामद कर विधिवत जब्ती की कार्रवाई की गई है। दोनों ही मामलों में संबंधित अधिकारियों द्वारा निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेशों के अनुरूप आगे की कार्रवाई की जा रही है।

मुजफ्फरपुर से चुनाव प्रचार अभियान की नीतीश करेंगे शुरूआत: मीनापुर हाई स्कूल में करेंगे पहली जनसभा

निरंकार भास्कर, नवप्रदेश,

पटना: मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बिहार विधानसभा चुनाव के प्रचार अभियान की औपचारिक शुरूआत मुजफ्फरपुर जिले से करने जा रहे हैं। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पहली जनसभा मीनापुर हाई स्कूल मैदान में दोपहर 12 बजे आयोजित होगी, जबकि दूसरी जनसभा कांटी विधानसभा क्षेत्र में दोपहर 2 बजे से शुरू होगी। इन दोनों सभाओं के साथ जेडीयू का चुनाव प्रचार अभियान आधिकारिक रूप से शुरू हो जाएगी।

मीनापुर विधानसभा क्षेत्र को मुख्यमंत्री की पहली सभा के लिए इसलिए चुना गया है क्योंकि यहां जेडीयू और आरजेडी के बीच कड़ी टक्कर मानी जाती है। मीनापुर हाई स्कूल का खेल मैदान सभा स्थल के रूप में तय किया गया है। मंच निर्माण, सुरक्षा व्यवस्था, ट्रैफिक प्लान और मीडिया कवरेज की तैयारियों में प्रशासन और पुलिस टीम पूरी तरह सक्रिय है। स्थानीय जेडीयू नेताओं ने बताया कि मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर कार्यकताओं में जबरदस्त उत्साह है। आसपास के प्रखंड कटरा, पारू, बोचहां और सकरा से भी पार्टी समर्थक बड़ी संख्या में मीनापुर पहुंचेंगे।

पहली सभा के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का काफिला कांटी विधानसभा क्षेत्र पहुंचेगा, जहां दोपहर 2 बजे से दूसरी बड़ी जनसभा निर्धारित है। यहां पार्टी के स्थानीय प्रत्याशी के समर्थन में मुख्यमंत्री जनता से सीधा संवाद करेंगे। कांटी विधानसभा को औद्योगिक क्षेत्र होने के कारण हमेशा से चुनावी चचाओं का केंद्र माना जाता है। नीतीश कुमार यहां औद्योगिक विकास, रोजगार सृजन और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों पर जनता को संबोधित करेंगे।

नीतीश की सभाओं से चुनावी माहौल में तेजी : राजनीतिक जानकारों का कहना है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की मुजफ्फरपुर से शुरूआत जेडीयू की सटीक रणनीति का हिस्सा है। मीनापुर और कांटी, दोनों ही क्षेत्र उत्तर बिहार की राजनीति में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। इन इलाकों से पार्टी को संदेश देने का मकसद यह है कि जेडीयू इस बार चुनावी मैदान में पूरे आत्मविश्वास के साथ उतरी है। विश्लेषकों के मुताबिक, यह सभाएं केवल जेडीयू के लिए नहीं, बल्कि पूरे बिहार में चुनावी माहौल को गति देने वाला संकेत साबित होगी। नीतीश कुमार के भाषण में पिछली सरकार की उपलब्धियां, 'सात निश्चय' कार्यक्रम, महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण विकास जैसे मुद्दे प्रमुख रहेंगे। मुख्यमंत्री की 21 अक्टूबर की दोनों सभाएं जेडीयू के चुनाव प्रचार अभियान की औपचारिक शुरूआत के रूप में देखी जा रही है। इसके बाद पार्टी की ओर से राज्य के अन्य जिलों सीतामढ़ी, दरभंगा, समस्तीपुर, पटना, गया, भागलपुर और पूर्णिया में भी लगातार सभाओं का सिलसिला जारी रहेगा। पार्टी ने अपने स्टार प्रचारकों की सूची पहले ही जारी कर दी है, जिसमें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के अलावा ललन सिंह, अशोक चौधरी, विजय चौधरी और संजय झा जैसे प्रमुख नेता शामिल हैं। मीनापुर और कांटी दोनों ही क्षेत्रों में मुख्यमंत्री की रैली को लेकर जनता में उत्साह दिख रहा है।

स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि इस बार विधानसभा चुनाव का माहौल दिवाली के उत्सव के तुरंत बाद गरमा जाएगा। पार्टी के कार्यकर्ता घर-घर जाकर सभा में लोगों को शामिल होने का निमंत्रण दे रहे हैं। वहीं, प्रशासनिक स्तर पर भी सुरक्षा और ट्रैफिक की व्यापक तैयारी की जा रही है।

टिकट कटने पर राबड़ी आवास के बाहर फूट-फूटकर रोए राजद नेता

नवप्रदेश, पूर्वी चंपारण: जिले की मधुबन विधानसभा सीट से राष्ट्रीय जतना दल के पूर्व प्रत्याशी मदन साह का दर्द रविवार को राबड़ी आवास के बाहर फूट पड़ा। उन्होंने पार्टी से टिकट नहीं मिलने पर अपना कुर्ता फाड़ लिया और फूट-फूटकर रोने लगे। इस दौरान उन्होंने तेजस्वी यादव के राजनीतिक सलाहकार संजय यादव पर टिकट बेचने का गंभीर आरोप लगाया। मदन साह का आरोप है कि कि नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के करीबी व राज्यसभा सांसद संजय यादव ने मुझसे दो करोड़ सत्तर लाख रुपये की मांग की थी। पैसे नहीं देने पर मेरा टिकट काट दिया गया। मैं बर्बाद हो गया हूं। बेटा-बेटी की शादी तक टाल दी थी चुनाव के लिए। लालू यादव ने खुद कहा था कि तैयारी करो, पिछली बार कम वोटों से हारे थे। इधर, पार्टी की ओर से इस पूरे मामले पर फिलहाल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। बता दें कि मदन साह 2020 के विधानसभा चुनाव में राजद के टिकट पर मधुबन से चुनाव लड़े थे, जहां उन्हें भारतीय जनता पार्टी के राणा रणधीर सिंह ने मात्र 5,878 वोटों के अंतर से हराया था। उस हार के बाद पार्टी ने उन्हें प्रोत्साहित किया और अगली बार मौका देने का भरोसा दिया था। हालांकि, 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान मदन साह पर यह आरोप लगा कि उन्होंने राजद उम्मीदवार की जगह ठऊअ प्रत्याशी को अंदरखाने से मदद की। आरोप है कि उनकी भूमिका के चलते ही जदयू की लवली आनंद ने राजद उम्मीदवार ऋतु जयसवाल को करीब 30,000 वोटों से हरा दिया।

त्योहारों के मद्देनजर पीडीडीयू जंक्शन पर डीआरएम का औचक निरीक्षण

डेहरी: दीपावली एवं छठ पर्व के अवसर पर ट्रेनों में बढ़ती भीड़ को दृष्टिगत रखते हुए पूर्व मध्य रेलवे के पंडित दीन दयाल उपाध्याय मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री उदय सिंह मीना ने रविवार को पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान स्टेशन परिसर में यात्रियों की भीड़, खानपान व्यवस्था, साफ-सफाई, सुरक्षा प्रबंधन एवं यात्री सुविधाओं की गहन समीक्षा की गई। निरीक्षण के दौरान डीआरएम ने प्लेटफार्मों, प्रतीक्षालयों, खानपान स्टॉलों आदि का निरीक्षण किया। इस दौरान स्वयं डीआरएम की देखरेख में प्लेटफार्म नंबर दो पर खड़ी ट्रेन का निरीक्षण किया गया। कुछ एसी कोचों में जांच पर अनधिकृत यात्री पाए गए, तत्काल नियम अनुसार कार्रवाई करते हुए अनधिकृत यात्रियों को एसी कोच से उतारा गया।

तिलौथू की राष्ट्रीय गौरव निशि कुमारी ने फिर लहराया परचम, जीता सिल्वर मेडल

नवप्रदेश, तिलौथू: महाराजगंज निवासी राष्ट्रीय एथलीट निशि कुमारी ने एक बार फिर अपने शानदार प्रदर्शन से क्षेत्र और बिहार का नाम रोशन किया है। हाल ही में वारंगल (तेलंगाना) में आयोजित अंडर-23 नेशनल चैम्पियनशिप की हेप्टाथलॉन प्रतियोगिता में निशि ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल अपने नाम किया। यह प्रतियोगिता कुल छह सेट में खेली गई थी, जिसमें निशि ने हर राउंड में अपनी अद्भुत तकनीक, संतुलन और धैर्य का परिचय दिया। उन्होंने ऑल ओवर इंडिया में 5116 पॉइंट्स हासिल कर पूरे बिहार को गौरवान्वित किया है। निशि इससे पहले भी कई राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में दर्जनों पदक जीत चुकी हैं। पिछले माह Satya TV Bihar द्वारा आयोजित बिहार गौरव सम्मान 2025 में निशि की माताजी को सम्मानित किया गया था, जो परिवार की प्रेरणा और गर्व का प्रतीक है। उनकी इस नई उपलब्धि पर क्षेत्र में हर्ष की लहर है। समाजसेवी एवं अभिभावक ओम जी, सत्यानंद कुमार, प्रमोद सिन्हा, जंगलेश प्रसाद चौरसिया, संजय चौधरी, छोटी ओझा, सुनील गुप्ता ने निशि को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है तथा हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया है। तिलौथू की यह बेटी आज पूरे बिहार का गौरव बन चुकी है।

डॉ. अतुल कुमार ने बीजेपी से दिया इस्तीफा

मोतिहारी: बीजेपी के चिकित्सा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉ. अतुल कुमार ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने जनसुराज में शामिल होकर मोतिहारी विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने की घोषणा की है। यह जानकारी उन्होंने टिकट मिलने के बाद पार्टी कार्यालय में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी।डॉ. कुमार ने बीजेपी पर उपेक्षा का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि वे पिछले 15 वर्षों से पार्टी के लिए निस्वार्थ भाव से काम कर रहे थे, लेकिन उनकी बातों को कभी सुना नहीं गया। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी में केवल एक ही बात चलती है और उसे चुपचाप मानना पड़ता है, जिससे कार्यकताओं की भावनाओं का दमन होता है। उन्होंने बताया कि इन्हीं बातों से आहत होकर उन्होंने बीजेपी छोड़ी और जन सुराज का दामन थामा। जन सुराज ने उन पर विश्वास जताते हुए मोतिहारी से टिकट दिया है।

कोशी स्नातक चुनाव को लेकर एकदिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन

अररिया: कोशी स्नातक निर्वाचक नामावली की तैयारी को लेकर समाहरणालय स्थित परमान सभागार रविवार को जिला स्तर पर एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें सभी सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी एवं अन्य अधिकारियों ने भाग लिया। मौके पर उप निर्वाचन पदाधिकारी डॉ राम बाबू कुमार उपस्थित थे।प्रशिक्षण में फॉर्म 18 में आवेदन पत्र प्राप्त करने, जांच करने तथा अनुवर्ती कार्रवाई की समयबद्ध एवं नियमानुसार प्रक्रिया पर विशेष रूप से जानकारी दी गई। कार्यक्रम में अवर निर्वाचन पदाधिकारी सह स्टेट लेवल मास्टर ट्रेनर अविनाश कृष्ण ने प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य निर्वाचन नामावली की तैयारी कार्य को पारदर्शी, त्रुटिरहित एवं समय पर पूर्ण कराना सुनिश्चित करना था।

निहाल पाण्डेय उच्च विद्यालय में छठ पुजा महोत्सव का आयोजन

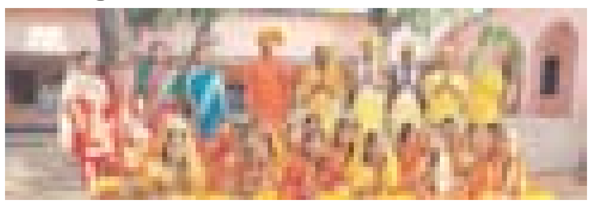

नवप्रदेश, तरारी: निहाल पाण्डेय उच्च विद्यालय सिकरौल में छात्रों ने छठ पूजा महोत्सव का आयोजन किया गया. इस दौरान छात्रों ने छठ पूजा की झलकी प्रस्तुत कर छठ पूजा की महत्ता से अवगत कराया. प्रभारी प्रधानाध्यापक विनोद कुमार पाण्डेय के देख रेख में शिक्षक शिक्षिकाओं ने छात्राओ को अर्घ्य देने से लेकर पारण तक पूरी प्रक्रिया बेहतरीन ढंग से पूरा किया. कार्यक्रम के दौरान छात्राओ ने छठ गीत गाते हुए पारंपरिक परिधान में सूर्यदेव को अर्घ्य देकर कार्यक्रम का समापन किया. इस मनमोहक दृश्य को देखने के लिए प्रभारी प्रधानाचार्य सहित कई शिक्षक पहुंचे थे. प्रभारी प्रधानाध्यापक बिनोद कुमार पाण्डेय ने कहा की हमारी संस्कृति भी शिक्षा का एक भाग है. प्रभारी प्रधानाध्यापक ने कहा कि स्कूल में इस तरह का आयोजन करने से युवा पिढ़ी भी छठ महापर्व के महता से अवगत हो रही है. छात्रों को छठ पूजा के बारे में जानना चाहिए. लोक आस्था के इस पर्व से पूर्व के अवसर पर देश विदेश में पूजा हो रही है. बड़ी संख्या में लोग इस पर्व को करने के लिए विदेश से घर आ रहे है.

नालंदा जिले में 23 उम्मीदवारों का नामांकन रद्द

नालंदा: नालंदा जिले की सभी 7 विधानसभा सीटों पर नामांकन जांच का काम पूरा हो गया है। कुल 94 उम्मीदवारों ने पर्चा भरा था , लेकिन 23 उम्मीदवारों के नामांकन रद्द कर दिया गया है। अब तक 71 उम्मीदवार मैदान में बचे हैं। नाम वापसी की अंतिम तिथि अभी बाकी है, जिसके बाद असली तस्वीर साफ होगी। जिला प्रशासन ने शनिवार कि देर शाम तक नामांकन की वैध सूची जारी नहीं की थी। इससे कई उम्मीदवारों में नाराजगी देखी गई। निर्वाचन कार्यालय की ओर से बताया गया कि अधिकांश नामांकन दस्तावेजों की त्रुटि, अधूरी जानकारी या शपथ पत्र की कमी के कारण रद्द किए गए हैं। बिहारशरीफ विधानसभा क्षेत्र में सबसे अधिक 8 प्रत्याशियों के पर्चे रद्द किए गए हैं। जिसमें- आफरीन सुल्ताना,शशि रंजन सुमन और अशोक कुमार शामिल हैं।

निवार्ची पदाधिकारी ने की वाल्मीकिनगर विधानसभा क्षेत्र की तैयारियों की समीक्षा

नवप्रदेश, बेतिया: बिहार विधान सभा निर्वाचन 2025 के मद्देनजर आज श्री सौरव आलोक, निवार्ची पदाधिकारी, 1-वाल्मीकिनगर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की अध्यक्षता में प्रखंड बगहा - 2 के सभागार में बैठक का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम बैठक में सभी सेक्टर पदाधिकारी को मतदान से पूर्व तैयारियों जैसे मतदान केंद्रों पर आवश्यक मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता, डिस्पैच के दिन एवं मतदान के दिवस हेतु आवश्यक तैयारियों के संबंध में अवगत कराया गया एवं निर्देश दिया गया कि निर्धारित समय से पूर्व सभी व्यवस्थाओं का स्वयं अनुश्रवण करेंगे। सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी के साथ बैठक की गई, जिसमें वाहन कोषांग के कार्यों की समीक्षा की गई। साथ ही ई०वी०एम० सुरक्षा की दृष्टिकोण से बी०बी०एन० कॉलेज में चिन्हित वज्रगृह का निरीक्षण किया गया। वज्रगृह में सुरक्षा मानकों के अनुसार अविलंब तैयारी कराने का निदेश दिया गया। निरीक्षण एवं बैठक के दौरान श्री बिड्डु कुमार राम, श्री मनोज कुमार पंडित प्रखंड विकास पदाधिकारी भितहा, श्री कुंदन कुमार प्रखंड विकास पदाधिकारी मधुबनी, श्री अनिमेश प्रखंड विकास पदाधिकारी पिपरासी, सभी अंचलाधिकारी, प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी भितहा/बगहा 2 एवं अन्य उपस्थित थे।

बिहार चुनाव में वंशवाद का बोलबाला, उम्मीदवारों की लिस्ट में नेताओं के रिश्तेदारों की भरमार

नवप्रदेश संवाददाता

पटना: विभिन्न राजनीतिक दलों से कई चर्चित नेता अपने परिवार के सदस्यों को चुनावी मैदान में उतार रहे हैं। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के तेजस्वी यादव राघोपुर से, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सम्राट चौधरी तारापुर से चुनाव मैदान में हैं। यूं तो पूरे देश की राजनीति में वंशवाद की झलक देखने को मिल जाती है लेकिन इस बार बिहार विधानसभा चुनाव में वंशवाद का बोलबाला है। इस चुनाव में भी बड़ी संख्या में उम्मीदवार या तो किसी स्थापित नेता के बेटे, बेटी व पत्नी हैं या निकट संबंधी हैं। राजनीतिक विशेषज्ञ अरुण कुमार पांडे का कहना है कि वंशवाद के मामले में बिहार में कोई भी राजनीतिक दल खुद को नैतिक रूप से श्रेष्ठ नहीं कह सकता।

विभिन्न राजनीतिक दलों से कई चर्चित नेता अपने परिवार के सदस्यों को चुनावी मैदान में उतार रहे हैं। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के तेजस्वी यादव (पार्टी प्रमुख लालू प्रसाद के छोटे बेटे एवं उत्तराधिकारी) राघोपुर से, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सम्राट चौधरी (पूर्व मंत्री शकुनी चौधरी के बेटे) तारापुर से, राजद के ओसामा शहाब (गैंगस्टर से राजनेता बने दिवंगत मोहम्मद शहाबुद्दीन के बेटे) रघुनाथपुर से मैदान में हैं। राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा की पत्नी स्नेहलता सासाराम से, पूर्व मुख्यमंत्री जगन्नाथ मिश्रा के पुत्र एव भाजपा के नितिश मिश्रा झंझारपुर से चुनाव लड़ रहे हैं।

मांझी की पुत्रवधू दीपा मांझी भी चुनाव मैदान में

केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी की पुत्रवधू दीपा मांझी, जन सुराज की जागृति ठाकुर (प्रख्यात समाजवादी नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय कपूर्री ठाकुर की पौत्री) मुरवा से, और चाणक्य प्रसाद रंजन (जनता दल-यूनाइटेड सांसद गिरधारी प्रसाद यादव के पुत्र) राजद उम्मीदवार के रूप में बेलहर सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। इसके अलावा जद(यू) की कोमल सिंह (लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) सांसद वीणा देवी की पुत्री) गायघाट से, जद(यू) के चेतन आनंद (पार्टी सांसद लवली आनंद के पुत्र) नवीनगर से, भाजपा के नितिन नवीन (भाजपा के दिवंगत नेता नवीन किशोर सिन्हा के पुत्र) बांकीपुर से, संजीव चौरसिया (भाजपा नेता गंगा प्रसाद चौरसिया के पुत्र) दीघा से, और राजद के राहुल तिवारी (राजद के वरिष्ठ नेता शिवानंद तिवारी के पुत्र) शाहपुर से चुनाव लड़ रहे हैं।

सूरजभान की पत्नी मोकामा से लड़ रही चुनाव

इसी तरह राकेश ओझा (भाजपा के दिवंगत नेता विशेश्वर ओझा के पुत्र) शाहपुर से, वीणा देवी (राजद में हाल में शामिल हुए सूरजभान सिंह की पत्नी) मोकामा से और शिवानी शुक्ला (राजद के बाहुबली नेता मुन्ना शुक्ला की पुत्री) लालगंज से मैदान में हैं। पूर्व सांसद विजय कुमार के पुत्र ऋषि मिश्रा जाले से कांग्रेस की टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं।

लोकतांत्रिक सिद्धांतों के प्रति उदासीन

वंशवाद पर ए.एन. सिन्हा समाज अध्ययन संस्थान (पटना) में अर्थशास्त्र के सहायक प्राध्यापक विद्यार्थी विकास ने कहा, राजनीति में जिस तरह से यह (वशंवाद) हो रहा है, यह दशार्ता है कि अब सभी राजनीतिक दल विचारधारा, संवैधानिक मूल्यों और लोकतांत्रिक सिद्धांतों के प्रति उदासीन हो चुके हैं। उन्होंने कहा, ह्यह्यलोगों को इसके (वशंवाद) खिलाफ आवाज उठानी चाहिए। ये लोग केवल इसलिए राजनीति में आसानी से आ जाते हैं क्योंकि वे किसी स्थापित परिवार से आते हैं। ऐसा इसलिए भी हो रहा है क्योंकि बिहार में शिक्षा को पिछले 77 वर्षों में प्राथमिकता नहीं दी गई। उन्होंने कहा, ह्यह्यग्रामीण आबादी में शिक्षा का स्तर बहुत कम है। हालिया जातीय सर्वेक्षण के अनुसार, बिहार में केवल 14.71 प्रतिशत लोग ही दसवीं कक्षा तक पास हैं। ऐसे में वे राजनीतिक रूप से जागरूक नहीं हैं, और राजनीतिक दल इसी स्थिति का लाभ उठाकर वंशवाद को बढ़ावा देते हैं।

चुनाव में ह्यग्लैमरह्न अभिन्न हिस्सा बन गया

राजद के प्रदेश प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने कहा, यह सच है कि आज एक साधारण कार्यकर्ता चुनाव लड़ने का सपना भी नहीं देख सकता। जब हर चुनाव में ग्लैमर एक अभिन्न हिस्सा बन गया है, तब आम कार्यकताओं को प्राथमिकता नहीं मिलती। उन्होंने कहा, उम्मीदवारों और राजनीतिक दलों द्वारा बेहिसाब धन के इस्तेमाल ने चुनावी मैदान को असमान बना दिया है। भाजपा की प्रदेश इकाई के प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा, ह्यह्यभाजपा केवल उन्हीं नेताओं और कार्यकताओं को महत्व देती है जिन्होंने संगठनात्मक काम किया है और जो जनता की सेवा के प्रति समर्पित हैं। उन्होंने कहा, इसका उदाहरण हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हैं, जिन्होंने पार्टी संगठन के हर स्तर पर काम किया है। हमारे प्रधानमंत्री बहुत साधारण पृष्ठभूमि से आते हैं। बिहार के 243 सदस्यीय विधानसभा के लिए दो चरणों छह और 11 नवंबर को मतदान होगा, जबकि मतगणना 14 नवंबर को की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

उर्दू मध्य विद्यालय बिक्रमगंज की छात्राओं ने बनाए रंगोली

नवप्रदेश, बिक्रमगंज: दीपावली के पूर्व संध्या पर रविवार को उर्दू मध्य विद्यालय बिक्रमगंज की छात्राओं ने कई मनमोहन रंगोली बनाया। विद्यालय परिसर में इनके द्वारा तैयार किए गए रंग बिरंगी रंगोलियां देख अभिभावकों के बीच आश्चर्य उत्पन्न हुआ। मौके पर उपस्थित अभिभावकों ने बताया कि इस तरह का आयोजन सिर्फ प्राइवेट विद्यालयों में देखने को मिलता है। उर्दू मध्य विद्यालय के छात्राओं द्वारा तैयार रंगोली को देख यह एहसास हुआ कि सरकारी विद्यालय में भी प्रतिभा की कमी नहीं है। बस जरूरत है उनके कौशल को अवसर देना। प्रभारी प्रधानाध्यापक अफजल अहमद ने बताया कि विशिष्ट शिक्षक संतोष कुमार के प्रेरणा से विद्यालय में इस वर्ष दीपोत्सव के त्यौहार दीपावली पर रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया। आयोजन का नेतृत्व विद्यालय की शिक्षिका शहनाज बेगम, रेशमा खातून, संजीदा प्रवीण एवं पुष्पा कुमारी ने किया। जिनके मार्गदर्शन में छात्राओं ने एक से बढ़कर एक आकर्षक रंगोली तैयार किया। विद्यालय के शिक्षक आमिर इकबाल, मोहम्मद जफर बारी खान, मुजाहिद जमीर खान, समीर कुमार एवं मोअजम अली निर्णायक मंडल में शामिल रहे। जिनके निर्णय पर वर्ग छः की छात्राओं का ग्रुप प्रथम स्थान प्राप्त किया। जिसमें अक्सा परविन, आरिबा खातुन, जिया प्रविन, शाहिन खातुन, गुलाबसा खारतुन, अंजुम प्रविन एवं दरकसा खातुन शामिल थी। द्वितीय स्थान वर्ग 8 एवं तृतीय स्थान वर्ग 7 की छात्राओं ने प्राप्त किया।

अनुमंडल पदाधिकारी व सहायक विद्युत अभियंता बिक्रमगंज ने किया छठ घाट का निरीक्षण

नवप्रदेश, बिक्रमगंज: लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर अनुमंडल पदाधिकारी बिक्रमगंज व सहायक विद्युत अभियंता बिक्रमगंज द्वारा संयुक्त रुप से भलूनी छठ घाट का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम मे छठ घाट स्थल पर बिजली व्यवस्था व छठ व्रतियों की सुविधाओं की जानकारी ली गयी। सहायक विद्युत अभियंता बिक्रमगंज राज कुमार के द्वारा बताया गया कि आस्था के चार दिवसीय छठ महापर्व पर व्रतियों को छठ घाटों पर विद्युत सम्बंधित किसी तरह की परेशानी न हो इस पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। विद्युत अनुरक्षण एवं संपोषण संबंधित कार्यों का निरीक्षण हेतु कर्मचारियों एवं पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की जाएगी ।नियंत्रण कक्ष 2 दिनों के लिए बनाये जायेंगे। इस दौरान निर्वाध विद्युत आपूर्ति हेतु विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल बिक्रमगंज के विभिन्न प्रशाखा क्षेत्रान्तर्गत सभी छठ घाटों पर भी कर्मियों को प्रतिनियुक्त की जाएगी, जो नियंत्रण कक्ष से समन्वय स्थापित करते हुए निर्वाध विद्युत आपूर्ति बहाल करने में सहयोग करेंगे।

धार्मिक पर्वों में शांति व सौहार्द बनाए रखने को पुलिस का फ्लैग मार्च

नवप्रदेश सूर्यपुरा : धार्मिक पर्वों पर शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने के उद्देश्य से शनिवार की संध्या सूर्यपुरा बाजार में पुलिस ने फ्लैग मार्च निकाला। इसका नेतृत्व आईपीएस अधिकारी सह बिक्रमगंज डीएसपी संकेत कुमार ने किया। फ्लैग मार्च के दौरान डीएसपी ने ग्रामीणों से अपील की कि दीपावली, गोवर्धन पूजा, भैया दूज और छठ महापर्व को आपसी भाईचारा और सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाएं। उन्होंने कहा कि पर्वों की खुशी तभी सार्थक है जब समाज में शांति और भाईचारा कायम रहे ।फ्लैग मार्च में पुलिस इंस्पेक्टर शेर सिंह यादव, थानाध्यक्ष चंदन कुमार भगत सहित कई एसआई, एएसआई और पुलिस बल के जवान शामिल थे।

खैरही उत्क्रमित मध्य विद्यालय में शनिवार को छठ महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन

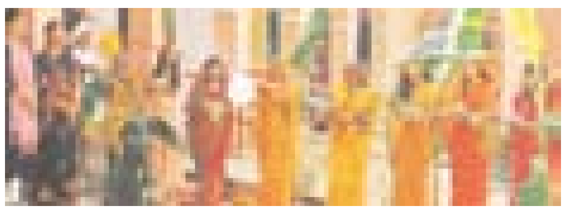

नवप्रदेश, दावथ : प्रखंड क्षेत्र के खैरही उत्क्रमित मध्य विद्यालय में शनिवार को छठ महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन हुआ ।उत्क्रमित मध्य विद्यालय खैरही के प्रधानाध्यापक संजय कुमार सिंह ने बताया कि विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा छठ महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन हुआ ।लोक आस्था के इस महापर्व को लेकर छात्र छात्राओं ने अपनी अपनी प्रतिभा दिखाई इस कार्यक्रम में भाग लिया गोल्डी कुमारी, श्रीजा कुमारी ,साक्षी कुमारी ,छोटी कुमारी ,निशा कुमारी ,पलक कुमारी ,खुशी कुमारी ,अनामिका कुमारी और अनीश कुमार आकाश कुमार श्रवण कुमार एवं मौके पर उपस्थित रहे शिक्षिका रीता कुमारी और पम्मी कुमारी एवं शिक्षक सुशील कुमार सहित कई अभिभावक।

नदी पुलिस की बड़ी सफलता, शराब व हथियार के साथ एक गिरफ्तार

नवप्रदेश, बगहा : पश्चिम चंपारण जिले के नदी थाना पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम भगवानपुर रेता से पुलिस ने एक व्यक्ति को शराब और अवैध हथियार के साथ धर दबोचा। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान बटेश्वर यादव पिता रामनाथ यादव, निवासी भगवानपुर थाना नदी के रूप में की गई है ।मिली जानकारी के अनुसार, पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि उक्त व्यक्ति अवैध शराब की तस्करी कर रहा है। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए थाना अध्यक्ष के निर्देश पर पुलिस टीम ने छापेमारी की। इस दौरान बटेश्वर यादव को मोटरसाइकिल पर लदे दो बोरा में कुल 10 पेटी बाटी बबली देशी शराब, जिसकी मात्रा लगभग 90 लीटर बताई गई है, के साथ पकड़ा गया ।पुलिस ने तलाशी के दौरान आरोपी के कमर से एक लोडेड देशी कट्टा तथा पैकेट से दो जिंदा कारतूस भी बरामद किए हैं। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह यह शराब बिक्री के लिए लेकर जा रहा था। पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह अवैध शराब तस्करी का एक संगठित नेटवर्क हो सकता है, जिसकी जांच की जा रही है ।थानाध्यक्ष दीपक कुमार ने बताया कि शराबबंदी कानून और Af Arms Act के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया की जा रही है।

एसडीओ ने किया बेलाउर सूर्य मंदिर का निरीक्षण दिए आवश्यक निर्देश

उदवंतनगर : महापर्व छठ को लेकर अनुमंडल पदाधिकारी रश्मि सिन्हा ने बेलाउर सूर्य मंदिर का निरीक्षण किया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए ।छठ पूजा पर विधि व्यवस्था, पार्किंग,मूलभूत सुविधा,वाच टावर आदि पर गहन चर्चा किया गया ।निरीक्षण के क्रम में सबसे बड़ा मुद्दा पार्किंग का था। मंदिर प्रबंधन समिति हाई स्कूल व मध्य विद्यालय बेलाउर पर पार्किंग की व्यवस्था करने की मांग कर रहा था। मध्य विद्यालय बेलाउर पर चुनाव को लेकर पारा मिलिट्री फोर्सेज का ठहराव होना है। वैसे में गाड़ियों की ठहराव में परेशानी हो सकती है ।एसडीओ ने पार्किंग की समुचित व्यवस्था करने का आश्वासन दिया।

दुनिया के अन्य देशों से सीधे लखनऊ का होगा एयर कनेक्शन : राजनाथ सिंह

मैं सांसद रहूं या न रहूं लखनऊ के विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता बनी रहेगी: रक्षामंत्री

लखनऊ। रक्षामंत्री और क्षेत्रीय सांसद राजनाथ सिंह ने रविवार को लखनऊ में भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेई और पूर्व राष्ट्रपति डा. एपीजेअब्दुल कलाम की प्रतिमाओं का अनावरण किया। इसके अलावा राजनाथ सिंह ने जानकीपुरम सेक्टर एफ में सामुदायिक केन्द्र और सेक्टर 6 में पुस्तकालय का भी लोकार्पण किया।

इस मौके पर लखनऊ के सांसद व रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हम सांसद रहें न रहें। लखनऊ के विकास के प्रति हमारी पूरी प्रतिबद्धता कायम रहेगी। जहां तक मुझसे हो सका है मैंने करने की कोशिश की है। राजनाथ सिंह ने कहा कि दुनिया के अन्य देशों से लखनऊ का एयर कनेक्शन बन जाना चाहिए। इसके लिए प्रयास हो रहा है। उन्होंने कहा कि हिन्दुस्तान एरोनाटिक्स लिमिटेड करिश्माई काम कर रहा है। लोगों को शादी ब्याह करने के लिए स्थान नहीं मिलता था। लखनऊ के हर विधानसभा क्षेत्र में एक बड़ा सामुदायिक केन्द्र स्थापित किया जाएगा। इसके रख-रखाव के लिए थोड़ा बहुत पैसा ही लगेगा। रक्षामंत्री ने कहा कि एक भी पार्क नहीं बचना चाहिए, जहां ओपेन? जिम की व्यवस्था न हो। लखनऊ के 301 पार्कों में ओपेन जिम शुरू हो गया और 250 स्थानों पर ओपेन जिम की शुरूआत आज से हो रही है। लखनऊ में 1250 सोलर लाइट लगी हैं। 25 फलाईओवर स्वीकृत है। उसमें 14 बन गये हैं। इसके अलावा 11 फलाईओवर और स्वीकृत हैं।

राजनाथ सिंह ने कहा कि लखनऊ विकास के पथ पर तेजी से बढ़ चला है। विश्व के 10 शहरों में हमारा लखनऊ भी आ गया है। मैं चाहता हूं कि यह लखनऊ नंबर एक पर आ जाय। हमारा शहर विश्वस्तरीय लखनऊ बनना चाहिए। अभी कुछ दिन पहले भारत के स्वच्छता सर्वेक्षण में लखनऊ को भारत के टॉप थ्री शहरों में चुना गया। उत्तर प्रदेश में नंबर वन, भारत में नंबर थ्री। हमारी कोशिश होनी चाहिए कि लखनऊ स्वच्छता के मामले में नंबर वन बने। मेरी दृष्टि में लखनऊ को एक ऐसा विश्व स्तरीय शहर बनाना है जहां परंपरा और आधुनिकता का अद्भुत समागम हो

में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा, राज्यसभा सांसद बृजलाल, महापौर सुषमा खर्कवाल, एमएलसी मुकेश शर्मा, रामचंद्र प्रधान, महानगर अध्यक्ष भाजपा, आनंद द्विवेदी, विधायक नीरज बोरा, योगेश शुक्ला , राम औतार कनौजिया, सौरभ वाल्मीकि एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के बाद रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक पार्षद राजकुमारी मौर्य के आवास पहुंचकर उनकी माताजी के चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित की। विगत दिनों उनकी माता का निधन हो गया था।

बदरी-केदार धाम में धूमधाम से मनाया जाएगा दीपोत्सव

रुद्रप्रयाग। श्री बदरीनाथ और केदारनाथ में दीपावली के अवसर पर दीपोत्सव कार्यक्रम आयोजित होगा। मंदिरों को भव्य रूप से फूलों से सजाया जा रहा है। यह दीपोत्सव का आयोजन 20 अक्टूबर से 23 अक्टूबर तक होगा।

बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने रविवार को बताया कि बदरी व केदार दोनों धामों में बीकेटीसी तीर्थ पुरोहितों और हकहकूकधारियों के सहयोग से दीपोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि बदरीनाथ धाम में श्री डिमरी धार्मिक केंद्रीय पंचायत मेहता, भंडारी कमदी हक हकूकधारियों के साथ दीप प्रज्वलित करेगी। इसी तरह केदारनाथ धाम में तीर्थ पुरोहितों के साथ समन्वय कर दीपोत्सव कार्यक्रम आयोजित होगा।

बीकेटीसी अध्यक्ष ने बताया कि मंदिर परिसर एवं मार्गों को दीपों से सजाया जाएगा, वही बीकेटीसी श्रद्धालु दानीदाताओं के सहयोग से दीपावली और केदारनाथ धाम के कपाट बंद होने के अवसर के लिए मंदिर को 12 क्विंटल फूलों से श्रृंगार किया जाएगा। केदारनाथ धाम के कपाट इस यात्रा वर्ष 23 अक्टूबर को बंद हो रहे हैं। दीपावली के अवसर पर बदरीनाथ धाम को भी 12 क्विंटल फूलों से सजाया गया है। उल्लेखनीय है कि बदरीनाथ और केदारनाथ में दीपावली का पर्व कल सोमवार 20 अक्टूबर को मनाया जा रहा है। इस अवसर पर बदरीनाथ एवं केदारनाथ दोनों धामों में पूजा-अर्चना एवं दीप प्रज्वलन के कार्यक्रम आयोजित होंगे। अध्यक्ष ने धामों में दीपावली के अवसर पर सुरक्षा की विशेष व्यवस्था के भी निर्देश दिये है।

केंद्र सरकार ने गुजरात, तमिलनाडु, राजस्थान और नागालैंड में नोटरी की संख्या बढ़ाई

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने चार राज्यों में नोटरी पब्लिक की संख्या बढ़ा दी है। विधि और न्याय मंत्रालय के विधि मामलों के विभाग ने नोटरीज(संशोधन) नियम, 2025 को अधिसूचित किया है। यह अधिसूचना 17 अक्तूबर को जी.एस.आर. 763(ई)के रूप में जारी की गई। नए नियम राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से लागू हो गए हैं। केंद्रीय कानून और न्याय मंत्रालय के अनुसार, सरकार ने गुजरात, तमिलनाडु, राजस्थान और नागालैंड में नोटरी की अधिकतम संख्या बढ़ाने का फैसला लिया है। गुजरात में 2900 से बढ़ाकर 6000 तमिलनाडु में 2500 से बढ़ाकर 3500 राजस्थान में 2000 से बढ़ाकर 3000 और नागालैंड में 200 से बढ़ाकर 400 नोटरी की संख्या की गई है। यह बदलाव नोटरीज अधिनियम, 1952 की धारा 15 के तहत किया गया है। मंत्रालय ने बताया कि राज्य सरकारों से मिले अनुरोधों को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। राज्यों में जनसंख्या और प्रशासनिक इकाइयों की संख्या बढ़ने के साथ नोटरी सेवाओं की मांग में भी तेजी आई है।

अरुणाचल में अपहृत दो श्रमिकों को उग्रवादियों से असम राइफल्स ने छुड़ाया

इटानगर। अरुणाचल प्रदेश के तिरप जिले में नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नगालैंड- खापलांग (एनएससीएन-के) ग्रुप के हथियारबंद उग्रवादियों द्वारा अपहृत किए गए दो श्रमिकों को असम राइफल्स की खोंसा बटालियन ने करीब 12 घंटे के अंदर बिना किसी नुकसान के बचा लिया है। रविवार को प्रदेश पुलिस मुख्यालय के सूत्रों के मुताबिक, तिरप जिले के दादम सर्कल के लाहू गांव में एक रोड कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट में लगे मेसर्स अग्रवाला कंस्ट्रक्शन कंपनी के दो श्रमिकों को शनिवार की शाम करीब 4.00 बजे एनएससीएन (के) के करीब सात से आठ हथियारबंद उग्रवादियों के एक ग्रुप ने अपहरण कर लिया। बीती रात (शनिवार) भरोसेमंद इंटेलिजेंस जानकारी के आधार पर, असम राइफल्स की खोंसा बटालियन ने लोंगडिंग पुलिस के साथ मिलकर बड़ी सतर्कता के साथ एक संयुक्त बचाल अभियान चलाया। हथियारबंद उग्रवादियों का सामना करने और अपहरण किए गए श्रमिकों को सही-सलामत बचाने के लिए, जनरल एरिया न्गिसा के नोकना ट्रैक और जनरल एरिया न्गिन्नू के नोकना ट्रैक पर स्ट्रेटेजी के साथ दो एंबुश लगाए गए थे। रविवार की सुबह-सुबह, घने अंधेरे में बिना कोई हरकत किए, संयुक्त सुरक्षा बल ने गुरिल्ला-स्टाइल में सर्च अभियान शुरू किया।

गुजरात के सूरत के उधना रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की 3 किमी लंबी लाइन, मोदी से मदद की अपील

सूरत। दिवाली, छठ और बिहार विधानसभा चुनावों के मद्देनजर उत्तर भारत जाने वाले यात्रियों की गुजरात के सूरत के उधना रेलवे स्टेशन पर भारी भीड़ देखने को मिल रही है। इस स्टेशन पर यात्रियों की करीब 3 किमी लंबी लाइनें देखने को मिल रही हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से मदद की अपील की है।

पिछले 24 घंटों से सूरत के उधना रेलवे स्टेशन पर हजारों यात्री ट्रेनों की प्रतीक्षा में स्टेशन पर खड़े हैं, लेकिन ट्रेनों में सीटें फुल होने के कारण लोगों में निराशा और परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यात्रियों की इस भीड़ के सामने रेलवे प्रशासन की तैयारियां नाकाफी साबित हो रही हैं।

रविवार को सबसे अधिक भीड़ होने की जानकारी पहले से होने के बावजूद शनिवार रात 8 बजे से लेकर रविवार सुबह 11 बजे तक केवल दो ट्रेनें ही उधना रेलवे स्टेशन से रवाना हुई। इससे बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। तीन तीन किलोमीटर तक की लंबी लाइन में भूखे-प्यासे यात्रियों का आक्रोश फूट पड़ रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मदद की अपील की है।

एक नजर

पाकिस्तान और अफगानिस्तान युद्ध विराम पर सहमत, दोहा में हुई उच्चस्तरीय वार्ता

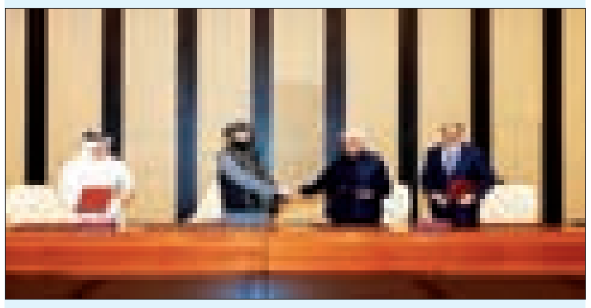

दोहा। कतर की राजधानी दोहा में पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच हुई एक उच्चस्तरीय वार्ता में तत्काल प्रभाव से संघर्ष विराम को लेकर सहमति बनी है। संघर्ष विराम के प्रभावी कार्यान्वयन पर चर्चा के लिए दोनों देशों के प्रतिनिधि अगले चरण में दोहा और इस्लामाबाद में बैठक करेंगे। दोनों देशों के बीच सीमा पर पिछले एक पखवाड़े से चल रहा टकराव लगातार गंभीर रूप ले रहा था जिसमें दोनों तरफ से सैन्यकर्मियों के साथ-साथ आम लोगों की भी मौत हुई। कतर के विदेश मंत्रालय की तरफ से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी बयान के मुताबिक उसके और तुर्की की मध्यस्थता में पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच दोहा में हुई उच्चस्तरीय वार्ता में दोनों देश तत्काल संघर्ष विराम पर सहमत हुए हैं। कतर ने उम्मीद जताई है कि यह समझौता पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर बढ़ते तनाव को कम कर क्षेत्रीय स्थिरता स्थापित करेगा। दोहा में हुई इस बातचीत में दोनों देशों के उच्चस्तरीय प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। गल्फ न्यूज के मुताबिक पाकिस्तान की तरफ से रक्षा मंत्री ख्वाजा मुहम्मद आसिफ और खुफि या प्रमुख जनरल असीम मलिक ने हिस्सा लिया। अफगान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद के मुताबिक रक्षा मंत्री मुल्ला मुहम्मद याकूब के नेतृत्व में एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल इस बातचीत में शामिल हुआ जिसमें खुफिया प्रमुख अब्दुल हक वकीक भी शामिल हुए। वार्ता से पहले पाकिस्तान विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि अफगानिस्तान से सीमा पार आतंकवाद समाप्त करने और सीमा पर शांति और स्थिरता की बहाली के उपाय किए जाने पर यह बातचीत केंद्रित होगी। बयान में कतर की मध्यस्थता पहल की सराहना करते हुए उम्मीद जताई गई कि ये चचाएँ क्षेत्र में शांति और स्थिरता हासिल करने में योगदान देंगी। दोनों देशों के बीच पिछले करीब एक पखवाड़े से चला आ रहा टकराव उस समय भीषण रूप लेता जा रहा था जब संघर्ष विराम के बीच एक हवाई हमले में अफगानिस्तान के तीन क्रिकेटरों की मौत हो गई। अफगानिस्तान सरकार का दावा था कि पाकिस्तान ने संघर्षविराम का उल्लंघन करते हुए आम लोगों को निशाना बनाया है। जबकि पाकिस्तान ने आरोप लगाते हुए कहा कि उसने अफगानिस्तान के सीमावर्ती इलाकों में सक्रिय आतंकी शिविरों को निशाना बनाया।

ढाका इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर लगी आग पर 7 घंटे बाद काबू पाया गया

ढाका। हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (एचएसआईए) के कार्गो विलेज में शनिवार दोपहर लगी भीषण आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया गया है। देर रात हवाई अड्डे से उड़ानों का संचालन दोबारा शुरू हो गया। आग लगने के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। ढाका स्थित हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के कार्गो विलेज एरिया में शनिवार दोपहर करीब सवा दो बजे भीषण आग लग गई थी। आग इतनी तेजी से फैली कि सभी उड़ाने तुरंत रोकनी पड़ीं। आसमान में उठा काला धुआं आसपास के इलाकों में फैल गया। इस दौरान एचएसआईए से विमानों का संचालन रोक दिया गया। सतर्कता बरतते हुए कई घरेलू विमानों को ढाका में उतारने के बजाय चटगांव भेज दिया गया। अग्निशमन सेवा और हवाई अड्डा प्राधिकरण के त्वरित और साझा प्रयासों के साथ करीब 7 घंटे बाद आग पर काबू पाया गया।

स्वत्वाधिकारी यशवंत धोटे के लिए प्रकाशक, मुद्रक मधुकर सिंह, मां तपेश्वरी मीडिया एंड पब्लिकेशन प्रा0 लिमिटेड, सिंहमोड़ कल्याणपुर हटिया, अपोजिट एडमिनिस्ट्रेटिव बिल्डिंग, द्वारा रांची से प्रकाशित कर, तपो प्रिंटर, गुटूआ मौजा, प्लॉट न.-1124/1125, कटहल मोड़, थाना-नगड़ी, दयाल पेट्रोल पंप के बगल में, रांची (झारखंड) से मुद्रित, (न्याय क्षेत्र रांची) संपादक-सचिन कुमार सिंह* (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार*) , फोन नं-0651-2910972, ईमेल - navpradeshranchi@gmail.com (RNI No. JHAHIN/2016/68458)